महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

17 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 17 अंक : 08 | उज्जैन, गुरुवार 18 जून 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

सुविचार

जब लोग दाग ढूंढने में व्यस्त हो.. तो समझ लेना चाहिए,कि आपकी 'चमक' उनसे बर्दाश्त नहीं हो रही है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मुख्य आतिथ्य में महिदपुर में 188.42 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित सामाकोटा बैराज का लोकार्पण किया गया

सामाकोटा बैराज के प्रारंभ होने से महिदपुर के 11 हजार से अधिक किसानों को मिली सिंचाई की बड़ी सौगात

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में बुधवार को जिले के महिदपुर में 188.42 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित सामाकोटा बैराज का लोकार्पण किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस अवसर पर कहा कि महिदपुर से उनका लगाव काफी पहले से रहा है। महिदपुर का विशेष ऐतिहासिक महत्व भी है। महिदपुर के विकास के लिए निरंतर कई परियोजनाओं पर कार्य किए जा रहे हैं।

महिदपुर के डोंगला से होते हुए नया फोर लेन मार्ग का निर्माण करवाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महिदपुर का उज्जैन में एक विशेष महत्व रहा है। सभी क्षेत्रों में महिदपुर का विशेष योगदान रहा है। महिदपुर का नारायणा गांव भगवान श्री कृष्ण और सुदामा की दोस्ती का साक्षी रहा है। महिदपुर परिवहन की दृष्टि से भी काफी सशक्त है। भारी माल ढोने वाले ट्रकों की बॉडी का कार्य सबसे अधिक यहीं पर होता है। डोंगला में खगोलीय घटनाओं की गणना के लिए आब्जरवेट्री बनाई गई है।

हमारी सरकार किसान हितैशी सरकार है- मध्यप्रदेश सरकार द्वारा किसान, युवा, महिला सभी वर्गों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। मध्यप्रदेश सरकार किसान हितैषी सरकार है। हम सभी ने किसानों को अपने परिश्रम से फसल को सोना बनाते हुए देखा है। किसान अपने कठोर परिश्रम और पुरुषार्थ से अनाज उगाते हैं। हमने किसानों से 2625 रुपए प्रति क्विंटल के मान से गेहूं उपार्जन के दौरान गेहूं खरीदा है। सोयाबीन की भावांतर राशि भी हमने किसानों को प्रदान की है।

विकास का क्रम निरंतर जारी रहेगा- विकास का यह क्रम निरंतर जारी रहेगा। मध्यप्रदेश सरकार के द्वारा यह वर्ष किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। वर्तमान में 65 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की जा रही है। हमारी सरकार के 05 वर्ष पूर्ण होने पर 100 लाख हेक्टेयर तक सिंचाई का रकबा पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार द्वारा प्रतिमाह लाडली बहनों के खातों में राशि का अंतरण किया जाता है। विकास के मामले में हम कृत संकल्पित होकर आगे बढ़ते रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंच से सबको यह संकल्प दिलवाया कि सभी वर्गों की भलाई के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे।

कार्यक्रम में स्वागत भाषण देते हुए सांसद श्री अनिल फिरोजिया ने कहा कि सभी किसानों के खेतों में पानी पहुंचेगा। वर्तमान में सबसे अधिक बांध महिदपुर में बनाए गए हैं। इसके अलावा राष्ट्रीय और स्टेट हाईवे भी महिदपुर के आस-पास बनाए गए हैं ताकि यहां की कनेक्टिविटी बढ़ सके। गरोठ रोड, आगर रोड फोर लेन का कार्य किया गया है। चितावद में रुदाहेडा डेम भी शीघ्र ही बनकर तैयार हो जाएगा। इसकी लागत 2 हजार करोड़ रुपए है। नारायणा गांव से डोंगला तक नया मार्ग बनाया जाएगा। कोटा से आलोट, महिदपुर और नागदा के बीच नई ट्रेन चलाई जाएगी।

हर खेत में सिंचाई के लिए पानी पहुंचेगा- कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने इस अवसर पर कहा कि देश की आत्मा यहां के गांवों में बसती है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का संकल्प है कि हर खेत में सिंचाई के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पहुंचना चाहिए। 2003-2004 में सिंचाई का रकबा प्रदेश में 07 लाख हेक्टेयर था। यह वर्तमान में बढ़कर 54 लाख हेक्टेयर हो गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के पदभार ग्रहण करने के पश्चात सिंचाई के रकबे में 2.5 लाख हेक्टेयर की वृद्धि हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के कुशल नेतृत्व में आगामी सिंहस्थ महापर्व 2028 का आयोजन किया जाना है। शिप्रा नदी के जल को निर्मल रखने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महत्वाकांक्षी कान्ह डायवर्सन परियोजना का संकल्प लिया जो शीघ्र ही पूर्ण होगी। सेवरखेडी-सिलारखेडी परियोजना के अंतर्गत भी 80 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। सिंहस्थ में शिप्रा नदी के जल से संत और श्रद्धालु स्नान करेंगे।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रिमोट के माध्यम से सामाकोटा परियोजना और विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इसके अलावा मुख्यमंत्री डॉ. यादव के द्वारा 19 करोड़ रुपए से अधिक की लागत के अन्य विकास कार्यों का भी लोकार्पण किया गया।

इनमें उच्च शिक्षा विभाग द्वारा निर्मित महाविद्यालय के नवीन भवन की लागत 4.35 करोड़ रुपये, लोक शिक्षण विभाग द्वारा शासकीय कन्या हाई स्कूल सेमलिया, शासकीय कन्या हाई स्कूल महिदपुर रोड तथा शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल कुंडीखेड़ा के भवनों की प्रत्येक की लागत 1.48 करोड़ रुपये, ऊर्जा विभाग द्वारा मोचीखेड़ा में नवीन 33/11 के.वी. उपकेंद्र की लागत 1.91 करोड़ रुपये तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा झारड़ा क्षेत्र के आक्यालिम्बा, पीपल्याधुमा, गोगाखेड़ा, भादवा, डूंगरखेड़ा, बरखेड़ाबुजुर्ग, मकला, चितावद, धाबलासिया, लसूड़ियानहाटा, नागगुराड़िया, नलखेड़ा एवं शक्करखेड़ी में निर्मित 13 उप स्वास्थ्य केंद्र भवनों की प्रत्येक की लागत 0.65 करोड़ रुपये का लोकार्पण किया गया। अतिथियों द्वारा मंच पर पहुंचकर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। मंत्री श्री सिलावट ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्वागत किया।

न्यूज ब्रीफ

भारी भीड़ को देखते हुए CM शुभेंदु का बड़ा एलान, जन-कल्याण शिविरों की अवधि एक दिन बढ़ाई

नई दिल्ली/ जीएनएस। बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने लोगों की जबरदस्त प्रतिक्रिया व भीड़ को देखते हुए राज्यभर में 15 जून से जारी सरकारी 'जनकल्याण शिविरों' की अवधि एक दिन बढ़ाकर 18 जून करने की बुधवार को घोषणा की। दक्षिण 24 परगना जिले के फलता में आयोजित जनकल्याण शिविर को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इन शिविरों में बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं इसलिए कार्यक्रम की अवधि एक दिन और बढ़ाई जा रही है। उन्होंने बताया कि जनकल्याण शिविर 17 जून तक चलने वाला था, लेकिन लोगों की भारी भीड़ और बढ़ती मांग को देखते हुए इसकी अवधि एक दिन बढ़ा दी गई है। अब यह शिविर 18 जून तक जारी रहेगा। इन शिविरों के माध्यम से लोग केंद्र और राज्य सरकार की उन सभी योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकेंगे जिनके लिए वे पात्र हैं।राज्य सरकार की ओर से आयोजित जनकल्याण शिविरों के माध्यम से विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभ के लिए आवेदन करने व जानकारी प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध है। मुख्यमंत्री ने इस दौरान कहा कि राज्य की नई भाजपा सरकार द्वारा महिलाओं के लिए पिछले माह शुरू की गई 3,000 रुपये की मासिक आर्थिक सहायता वाली अन्नपूर्णा भंडार योजना के तहत अब तक 1.05 करोड़ आवेदनों का सत्यापन कार्य पूरा कर लिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन आवेदनों का सत्यापन हो गया है उन महिला लाभार्थियों के बैंक खाते में एक जुलाई से धनराशि हस्तांतरित कर दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने फिर स्पष्ट किया कि राज्य और केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक बिना किसी भ्रष्टाचार के पहुंचाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्यभर में लगाए जा रहे इन जनकल्याण शिविरों का उद्देश्य आम लोगों को सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ दिलाना है, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति सुविधा से वंचित न रहे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि केंद्र और राज्य सरकार की सभी योजनाओं का लाभ पारदर्शी तरीके से लोगों तक पहुंचाने की व्यवस्था की गई है।

पुष्पा ने 25 साल से पुलिस की नाक में कर रखा था दम, महिला माओवादी ने अब कमिश्नर को सौंप दिए हथियार

कोलकाता/ जीएनएस। बंगाल के लालगढ़ और जंगलमहल आंदोलन के दौर से सक्रिय रहीं कुख्यात महिला माओवादी कमांडर पुष्पा उर्फ शकुंतला ने बुधवार को कोलकाता पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। वर्ष 2001 से प्रतिबंधित माओवादी संगठन से जुड़ी पुष्पा मुख्य रूप से झारखंड-ओडिशा और बंगाल के सीमावर्ती क्षेत्रों में हिंसक गतिविधियों का संचालन कर रही थी। लगभग 25 वर्षों तक भूमिगत रहने के बाद उनका मुख्यधारा में लौटना राज्य पुलिस के लिए एक बड़ी सफलता माना जा रहा है। कोलकाता पुलिस मुख्यालय लालबाजार में पुलिस कमिश्नर अजय नंद की उपस्थिति में आत्मसमर्पण करने के बाद पुष्पा ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में माओवादी विचारधारा और यह सशस्त्र आंदोलन अब आगे नहीं बढ़ सकता। उन्होंने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली सरकार की पुनर्वास नीति, आवास और परिवार के साथ सुरक्षित जीवन जीने के आश्वासन पर भरोसा जताते हुए हथियार डालने का फैसला किया है। गौरतलब है कि बंगाल में माओवादी नेटवर्क को तोड़ने की दिशा में यह लगातार तीसरी बड़ी सफलता है। इससे पहले कोलकाता पुलिस ने झारखंड क्षेत्रीय समिति की वरिष्ठ महिला माओवादी नेता श्रद्धा विश्वास उर्फ बेला को उत्तरी काशीपुर से गिरफ्तार किया था, और हुगली के रहने वाले माओवादी सुधाई पात्र ने भी आत्मसमर्पण किया था।

तेलंगाना के शहरी मतदाता ध्यान दें, तीन बीएलओ विजिट के बाद भी फॉर्म छूटा तो कट जाएगा नाम

हैदराबाद/ जीएनएस। तेलंगाना में मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के दौरान शहरी इलाकों के मतदाताओं में चिंता फैल गई है। अगर बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) तीन बार घर आएं लेकिन फॉर्म वापस न किया जाए तो मतदाता का नाम ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से कट सकता है।

मुख्य चुनाव अधिकारी सी. सुधर्शन रेड्डी के अनुसार, 25 जून से 24 जुलाई तक बीएलओ हर घर पर कम से कम तीन बार जाएंगे। वे पहले से प्रिंटेड एनुमरेशन फॉर्म (दो प्रतियों में) वितरित करेंगे, भरने में मदद करेंगे और फॉर्म वापस लेंगे। एक प्रति बीएलओ रखेंगे और दूसरी पर हस्ताक्षर कर मतदाता को रसीद देंगे। ये बातें जानना जरूरी

अगर मतदाता घर पर नहीं है तो परिवार का कोई वयस्क सदस्य फॉर्म भर सकता है।

फॉर्म जमा न करने पर बीएलओ पड़ोसियों से पूछताछ करेगा कि व्यक्ति अनुपस्थित, मृत, शिफ्ट हो चुका या डुप्लिकेट है या नहीं।

ऐसे मतदाताओं को 31 जुलाई को जारी होने वाली ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में शामिल नहीं किया जाएगा।

नाम कटने वाले मतदाता 31 जुलाई से 30 अगस्त तक दावा-आपत्ति के जरिए अपना नाम बहाल करा सकते हैं।

अंतिम वोटर लिस्ट 1 अक्टूबर को प्रकाशित होगी।

सुप्रीम कोर्ट से बिहार के एक ठेकेदार को राहत, चार हफ्ते तक गिरफ्तारी पर लगाई रोक

नई दिल्ली/ जीएनएस। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बिहार के एक ठेकेदार रिशुश्री को चार हफ्ते के लिए गिरफ्तारी से संरक्षण प्रदान कर दिया। उस पर बिहार सरकार के ठेके खास कंपनियों को दिलाने के लिए बिचौलिये के तौर पर काम करने और कुल निविदा मूल्य पर कमीशन लेने का आरोप है।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने रिशुश्री की वकील मीनाक्षी अरोड़ा की दलीलों पर ध्यान दिया और ईडी से कहा, हम (पटना) हाई कोर्ट में जमानत याचिका दाखिल करने की छूट के साथ चार हफ्तों के लिए (गिरफ्तारी से) संरक्षण देते हैं। हाई कोर्ट से अनुरोध है कि वह संरक्षण की अवधि में जमानत याचिका पर फैसला करे।

पीठ ने हाई कोर्ट के 18 मई के आदेश में दखल देने से इनकार कर दिया, जिसमें एफआईआर रद करने की आरोपित की याचिका खारिज कर दी गई थी।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, आपने जमानत याचिका दाखिल नहीं की है। आप वहां एफआईआर रद करवाने गए थे। एफआईआर रद करने की हाई कोर्ट की सीमाएं हो सकती हैं, लेकिन जमानत देने में ऐसा नहीं है।

बेंगलुरु में मादक पदार्थ के रैकेट का भंडाफोड़, दो विदेशी समेत 23 गिरफ्तार

बेंगलुरु/ जीएनएस। कर्नाटक में पुलिस ने मादक पदार्थों और तंबाकू उत्पादों की खरीद-बिक्री के आरोप में दो विदेशी नागरिकों समेत 23 लोगों को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने मंगलवार को बताया कि बेंगलुरु के विभिन्न थाना क्षेत्रों में केंद्रीय अपराध शाखा के मादक पदार्थ निरोधक दस्ते ने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर अलग-अलग तारीखों पर अभियान चलाया। इस दौरान दो विदेशी नागरिकों, अन्य राज्यों के छह लोगों और 15 स्थानीय निवासियों समेत कुल 23 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। जब्त मादक पदार्थ का बाजार मूल्य करीब आठ करोड़ रुपये आंका गया है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि विभिन्न थाना क्षेत्रों में प्रतिबंधित मादक पदार्थों की बिक्री की सूचना मिलने के बाद नार्कोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटांसेस (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत मामले दर्ज किए गए। इसके बाद पुलिस टीमों ने छापेमारी कर आरोपितों को गिरफ्तार किया।

आरोपितों ने स्वीकारा कि वे राज्य के बाहर और विदेश से जुड़े अज्ञात तस्करों से कम कीमत पर मादक पदार्थ खरीदकर अधिक दाम पर आम लोगों तथा कालेज में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को बेचकर मुनाफा कमाते थे। आरोपितों के कब्जे से 5.3 किलोग्राम 'हाइड्रोपोनिक' गांजा, 143 ग्राम कोकेन, 10.9 किलोग्राम गांजा, 237 ग्राम एमडीएमए, 107 ग्राम मेथामफेटामाइन, 180 डिब्बे ई-सिगरेट, 452 डिब्बे विदेशी सिगरेट, 1,206 हुक्का सिगरेट, 490 विदेशी सिगरेट, 126 हुक्का सेट और 100 ई-सिगरेट रिफिल बरामद कीं।

'हाइड्रोपोनिक' गांजा, गांजे की किस्म होती है, जिसे मिट्टी के बजाय पोषक तत्वों से भरपूर पानी में उगाया जाता है। सभी आरोपितों को अलग-अलग तिथियों पर संबंधित अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

ऑपरेशन तूफान के तहत मादक पदार्थ जब्त, 2,778 गिरफ्तार- केरल के गृह मंत्री रमेश चेन्निथला ने मंगलवार को बताया कि राज्यव्यापी नशा-विरोधी अभियान %ऑपरेशन तूफान% के पहले 15 दिनों में 10 करोड़ रुपये से ज़्यादा कीमत के मादक पदार्थ और तंबाकू उत्पाद जब्त किए गए हैं। इस मामले में 2,778 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

टीएमसी युवा नेता सौमित्र बनर्जी पर फेंके गए अंडे

कोलकाता/ जीएनएस। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के युवा नेता सौमित्र बनर्जी को मंगलवार को कोर्ट ले जाते समय भीड़ ने अंडे फेंककर हमला कर दिया। घटना रानीगंज में हुई, जहां पुलिस सौमित्र बनर्जी को कोर्ट पहुंचा रही थी। पुलिस ने तुरंत स्थिति संभाली और नेता को सुरक्षित रूप से कोर्ट पहुंचा दिया।

क्या है मामला- सौमित्र बनर्जी को भाजपा नेता रवि केशरी की शिकायत पर गिरफ्तार किया गया था। उन पर भाजपा कार्यकर्ताओं पर हमला करने का आरोप है। यह घटना उस वक्त हुई है जब कल ही वरिष्ठ टीएमसी नेता कुणाल घोष पर भी ममता बनर्जी के आवास के बाहर अंडे फेंके गए थे। राजनीतिक गलियारों में इन लगातार अंडा हमलों को पश्चिम बंगाल की तनावपूर्ण राजनीति का संकेत माना जा रहा है। टीएमसी और भाजपा दोनों पक्ष एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं। पुलिस ने मौके पर भीड़ को तितर-बितर किया और सौमित्र बनर्जी को किसी भी अनहोनी से बचाते हुए कोर्ट पहुंचाया।

कर्नाटक में होम गार्ड पत्नी की चाकू मारकर हत्या, पति गिरफ्तार; दो बच्चों के सामने की घटना

बेंगलुरु/ जीएनएस। कर्नाटक के बेंगलुरु में होम गार्ड की नौकरी करने वाली 32 वर्षीय महिला मंजुला की उसके पति ने चाकू मारकर हत्या कर दी। घटना रविवार रात करीब 9 बजे महादेवपुरा पुलिस स्टेशन क्षेत्र के पुष्पांजलि थिएटर के पास उसके मायके में हुई। हत्या दो छोटे बच्चों के सामने की गई।

पुलिस के अनुसार, आरोपी प्रदीप (पति) ऑनलाइन सट्टेबाजी की लत का शिकार था। इससे उसका परिवार आर्थिक संकट में फंस गया था। घटना से पहले प्रदीप ने एक वीडियो रिकॉर्ड किया था, जिसमें उसने कहा था कि सट्टेबाजी ने उसके परिवार को बर्बाद कर दिया है और वह अपनी पत्नी के साथ आत्महत्या कर लेगा। मंजुला कुछ समय से वैवाहिक विवाद के चलते अपने मायके में रह रही थी। प्रदीप माफी मांगने और उसे घर वापस ले जाने के बहाने मायके पहुंचा। वह उसके पैरों पर गिरकर रोया-धोया, लेकिन अचानक जैकेट में छुपाया चाकू निकालकर उस पर हमला कर दिया। उसने मंजुला पर बार-बार चाकू से वार किए।

हमले के बाद प्रदीप ने खुद की कलाई पर भी चाकू चलाकर आत्महत्या का प्रयास किया और मौके से फरार हो गया। महादेवपुरा पुलिस ने तलाशी अभियान चलाकर उसे गिरफ्तार कर लिया।

परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया कि प्रदीप अक्सर मंजुला को परेशान करता था, उसके चरित्र पर शक करता था और बच्चों की पैतृकता पर भी सवाल उठाता था। इसी वजह से मंजुला मायके चली आई थी।

मंजुला महादेवपुरा पुलिस स्टेशन से संबद्ध होम गार्ड के रूप में तैनात थी। शव का पोस्टमॉर्टम कराया गया है और महादेवपुरा पुलिस स्टेशन में हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

मोदी बेहद प्रभावशाली और शांत व्यक्ति हैं, ट्रंप ने की PM की तारीफ

नई दिल्ली/ जीएनएस। फ्रांस के एवियन में चल रहे त्र7 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की मुलाकात सबसे ज्यादा चर्चा में है। समिट के वर्किंग लंच सेशन में ट्रंप ने अचानक पीएम मोदी की ओर इशारा करते हुए उनकी तारीफों के पुल बांध दिए।

ट्रंप ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी बेहद शांत, संयमित और बहुत प्रभावशाली हैंज मैं वैसा बिल्कुल नहीं हूं। ट्रंप ने इससे पहले भी पीएम मोदी के लिए कूल और टोटल किलर जैसे शब्दों का प्रयोग किया है। टोटल किलर से अमेरिकी राष्ट्रपति का मतलब पीएम मोदी की नरम छवि के बावजूद सख्त फैसले लेने की क्षमता था।

प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप की यह मुलाकात 16 महीने के बाद हो रही है। व्यापार, ऊर्जा सहयोग और क्षेत्रीय सुरक्षा पर बातचीत से पहले इस मुलाकात को काफी अहम माना जा रहा है।

यह मुलाकात ऐसे समय में हो रही है जब भारत और अमेरिका के बीच व्यापार संबंधी कुछ मतभेद और होर्मुज जलडमरूमध्य में हालिया तनाव को लेकर माहौल संवेदनशील बना हुआ है।

हाउडी मोदी कार्यक्रम की यादें- ट्रंप ने कई मौकों पर मोदी की लंबी सत्ता यात्रा, मजबूत फैसले लेने की क्षमता और स्वस्थ नेतृत्व की सराहना की है। इस महीने की शुरुआत में उन्होंने मोदी को सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने पर बधाई भी दी थी। ट्रंप अक्सर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मोदी के साथ अपने अच्छे संबंधों का जिक्र करते हैं। ह्यूस्टन के हाउडी मोदी कार्यक्रम को वे बार-बार याद करते हैं।

भारत-अमेरिका के बीच व्यापार समझौता- दोनों देशों के अधिकारी उम्मीद जताते हैं कि इस बैठक में व्यापार समझौते, ऊर्जा क्षेत्र में साझेदारी, वीजा मुद्दों और भू-राजनीतिक चुनौतियों पर ठोस प्रगति होगी। व्यापार वार्ताएं पहले से ही चल रही हैं और दोनों पक्ष अंतरिम समझौते की संभावना पर सकारात्मक हैं।

G7 समिट में मोदी-ट्रंप की यह मुलाकात न सिर्फ भारत-अमेरिका संबंधों की मजबूती दिखाती है, बल्कि दोनों नेताओं के बीच बनी अनोखी व्यक्तिगत कूटनीति को भी रेखांकित करती है।

29.65 लाख की लूट का खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार; 22.60 लाख नकद बरामद

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के पंढरीनाथ थाना क्षेत्र में स्क्रैप व्यापारी के कर्मचारी से हुई 29.65 लाख रुपये की सनसनीखेज लूट का पुलिस ने पर्दाफाश कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों ने सुनियोजित तरीके से वारदात को अंजाम दिया था और पहचान छिपाने के लिए वाहन पर फर्जी नंबर प्लेट का इस्तेमाल किया था। पुलिस ने 800 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का विश्लेषण कर आरोपियों तक पहुंचने में सफलता हासिल की।

जानकारी के अनुसार 11 जून 2026 को मुकुल अग्रवाल विभिन्न व्यापारिक प्रतिष्ठानों से भुगतान राशि एकत्र कर दोपहिया वाहन से जा रहे थे। उनके पास कुल 29.65 लाख रुपये नकद थे। रात करीब 8:25 बजे जायसवाल धर्मशाला के पास एक्टिवा सवार दो बदमाशों ने उन्हें रोककर मारपीट की और नकदी से भरा बैग छीनकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पंढरीनाथ थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देश पर विशेष जांच टीमों का गठन किया गया। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल और संभावित मार्गों पर लगे 800 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। तकनीकी साक्ष्यों, मुखबिर तंत्र और लगातार दबिश के आधार पर आरोपियों की पहचान की गई। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने पहले से ही फरियादी की गतिविधियों पर नजर रखी हुई थी और भुगतान संग्रहण के शुरुआती स्थान से ही उसका पीछा कर रहे थे।

पूछताछ में मुख्य आरोपी चंद्रशेखर उर्फ चंदू मुकाती ने बताया कि क्रिप्टोकरेंसी में हुए भारी नुकसान और कर्ज के कारण उसने लूट की साजिश रची थी। उसने अपने साथियों प्रवीण भंडारी और अमर उर्फ भांजा अहिरवार को फरियादी की रेकी के लिए लगाया था। मौके का फायदा उठाकर तीनों ने वारदात को अंजाम दिया।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूट की रकम में से 22.60 लाख रुपये नकद बरामद किए हैं। इसके अलावा लूट की रकम से खरीदी गई एक आई-20 कार, नकदी रखने वाला बैग, हेलमेट तथा वारदात में इस्तेमाल अन्य सामग्री भी जब्त की गई है। शेष राशि की बरामदगी और मामले से जुड़े अन्य तथ्यों की जानकारी के लिए आरोपियों को पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

गिरफ्तार आरोपियों में पालदा निवासी प्रवीण भंडारी, परदेशीपुरा निवासी अमर उर्फ भांजा अहिरवार तथा देवास जिले के ग्राम सन्नोद निवासी चंद्रशेखर उर्फ चंदू मुकाती शामिल हैं। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

लिंबोदी तालाब के गहरीकरण-सौंदर्यीकरण कार्य का महापौर ने किया निरीक्षण

जल संरक्षण को मिलेगी मजबूती, तालाब किनारे होगा व्यापक पौधारोपण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में जल संरक्षण एवं भूजल संवर्धन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा लिंबोदी तालाब के गहरीकरण और सौंदर्यीकरण का कार्य तेज गति से किया जा रहा है। बुधवार को महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने तालाब परिसर का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान जलकार्य प्रभारी श्री अभिषेक शर्मा (बबलू), अपर आयुक्त श्री आशीष पाठक सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान महापौर श्री भार्गव ने बताया कि अमृत योजना के अंतर्गत लगभग 5.50 करोड़ रुपये की लागत से लिंबोदी तालाब में गहरीकरण, वॉल पिचिंग एवं सौंदर्यीकरण के कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नगर निगम शहर के जलाशयों और भूजल स्रोतों के संरक्षण के लिए लगातार प्रयासरत है, ताकि भविष्य में जल संकट की स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके। महापौर ने कहा कि आगामी वर्षा ऋतु में तालाब की जल भंडारण क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, जिससे अधिक मात्रा में वर्षा जल का संचयन संभव हो सकेगा। तालाब के भरने के बाद अतिरिक्त जल बिलावली तालाब तक पहुंचेगा, जिससे क्षेत्र के अन्य जल स्रोतों को भी लाभ मिलेगा और भूजल स्तर सुधारने में मदद मिलेगी।

उन्होंने बताया कि भविष्य में तालाब के आसपास बड़े पैमाने पर पौधारोपण किया जाएगा, जिससे यह क्षेत्र हरियाली से आच्छादित होकर एक आकर्षक एवं रमणीय स्थल के रूप में विकसित होगा। महापौर ने कहा कि नगर निगम जल संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ते हुए शहर के तालाबों और जल स्रोतों के पुनर्जीवन का अभियान निरंतर चला रहा है, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए जल संसाधनों का संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके।

29 लाख रुपये की लूट में रिटायर सैन्यकर्मी सहित तीन धराए

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्क्रेप व्यापारी मुकुल अग्रवाल के साथ हुई 29 लाख रुपये की लूट की पंढरीनाथ पुलिस ने गुत्थी सुलझा ली है। मामले में पुलिस ने रिटायर सैन्यकर्मी चंद्रशेखर उर्फ चंदू सहित तीन आरोपितों को पकड़ लिया है। पुलिस रुपयों की बरामदगी में जुटी है। पुलिस आयुक्त संतोष कुमारसिंह बुधवार को अधिकृत रुप से खुलासा करेंगे। रामचंद्रनगर(मल्हारगंज) निवासी 21 वर्षीय मुकुल के साथ मच्छीपुरा और निहालपुर के बीच में लूट की वारदात हुई थी। मुकुल अपने चाचा के साथ श्रृष्टि मेटल(सांवेर रोड़) पर काम करता है। वह सियागंज-छावनी और गाड़ी अड्डा क्षेत्र से रुपए एकत्र कर घर की ओर जा रहा था। जैसे ही पंढरीनाथ थाना के पीछे की तरफ मच्छीपुरा पहुंचा स्कूटर सवार बदमाशों ने पुलिसकर्मी बनकर मुकुल को रोका और एक बदमाश उसके पीछे बैठ गया। थोड़ी दूर जाकर उसने मोबाइल ऑफ करवाया और ई-स्कूटर पर रखा रुपयों से भरा बैग लेकर भाग गया। जोन-4 के डीसीपी सुनील मेहता ने चंदननगर,रावजी बाजार, छत्रीपुरा, भंवरकुआं और पंढरीनाथ थाना की टीम गठित की थी। पुलिस ने मुकुल के आने जाने के रुट की जानकारी ली तो चंदू का नाम सामने आया। चंदू सेना में 16 साल नौकरी कर चुका है। उसने भी मुकुल को रुपये दिए थे औ उसके बारे में जानकारी थी।

निर्माणाधीन मास्टर प्लान सड़कों का आयुक्त ने किया निरीक्षण

रिमूवल कार्रवाई के बाद मलबा तत्काल हटाने और कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में अधोसंरचना विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लेने के लिए नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल ने बुधवार सुबह विभिन्न निर्माणाधीन मास्टर प्लान सड़कों एवं संबंधित परियोजनाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान अपर आयुक्त श्री अभय राजनगांवकर, अधीक्षण यंत्री श्री नरेश जायसवाल, उप यंत्री श्री पराग अग्रवाल सहित निगम के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

निरीक्षण की शुरुआत गुटकेश्वर मंदिर से सदर बाजार रोड तथा जिंसी चौराहा से नेमिनाथ चौराहा तक प्रस्तावित एवं निर्माणाधीन सड़क मार्गों से हुई। आयुक्त ने सड़क चौड़ीकरण के लिए हाल ही में की गई रिमूवल कार्रवाई के बाद मार्ग पर पड़े मलबे को तत्काल हटाने और क्षेत्र को व्यवस्थित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में किसी प्रकार की बाधा नहीं आनी चाहिए तथा नागरिकों को आवागमन में असुविधा न हो, इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं।

इसके बाद आयुक्त ने जिंसी चौराहा से लक्ष्मीबाई प्रतिमा के मध्य निर्माणाधीन पुलिया का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित एजेंसी एवं अधिकारियों को गुणवत्ता बनाए रखते हुए कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने तथा निर्माण कार्यों की गति बढ़ाने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिंसी चौराहा से लक्ष्मीबाई प्रतिमा तिराहा और मधुमिलन चौराहा से छावनी तक निर्माणाधीन मास्टर प्लान सड़क का भी विस्तृत अवलोकन किया गया। आयुक्त ने सड़क निर्माण की प्रगति, तकनीकी गुणवत्ता, उपलब्ध संसाधनों और कार्य की गति की समीक्षा करते हुए निर्माण एजेंसियों को सभी कार्य समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

श्री सिंघल ने कहा कि शहर के विकास और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए मास्टर प्लान सड़कों का निर्माण अत्यंत महत्वपूर्ण है।

16 कुख्यात बदमाशों पर इंदौर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 11 जिलाबदर और 5 को थाना हाजिरी के आदेश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में अपराध और असामाजिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए इंदौर पुलिस ने 16 शातिर बदमाशों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने विभिन्न थानों से प्राप्त प्रतिवेदनों के आधार पर 11 कुख्यात अपराधियों को जिलाबदर करने तथा 5 अन्य आदतन बदमाशों के विरुद्ध निर्बंधन आदेश जारी किए हैं।

पुलिस के अनुसार संबंधित बदमाशों के खिलाफ हत्या, मारपीट, लूट, अवैध वसूली, धमकी और अन्य गंभीर अपराधों के कई प्रकरण दर्ज हैं। प्रतिबंधात्मक कार्रवाई के बावजूद उनकी आपराधिक गतिविधियां लगातार जारी थीं, जिससे क्षेत्र की शांति और कानून व्यवस्था प्रभावित हो रही थी। इसी के मद्देनजर मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 के तहत कार्रवाई करते हुए पुलिस आयुक्त ने 11 बदमाशों को निर्धारित अवधि के लिए इंदौर शहर, इंदौर ग्रामीण और उससे लगे सीमावर्ती जिलों की राजस्व सीमाओं से बाहर रहने के आदेश जारी किए हैं।

जिलाबदर किए गए बदमाशों में अनस उर्फ मंजरा, सरफराज, अमित उर्फ काला, प्रदीप उर्फ भांजा, सुमित उर्फ विठ्ठल, राज उर्फ भूरा, विशाल उर्फ चिरोंजी, दीपक उर्फ भूरा, अभिषेक उर्फ बाबू, आशीष कौशल और लक्की कुशवाह शामिल हैं। इन सभी को तीन माह से लेकर एक वर्ष तक की अवधि के लिए जिलाबदर किया गया है।

इसके अलावा मुज्जु उर्फ मुज्जफर रहमान, नौमान उर्फ अरमान, हेमंत उर्फ लाला, लखन जाटव और जितेंद्र सिलावट के विरुद्ध निर्बंधन आदेश जारी किए गए हैं। आदेश के तहत इन्हें निर्धारित अवधि तक संबंधित थाने में नियमित हाजिरी देना होगी तथा किसी भी प्रकार की अवैधानिक गतिविधि या लोकशांति भंग करने वाली गतिविधियों से दूर रहना होगा। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि निर्बंधन आदेशों की किसी भी शर्त का उल्लंघन करने पर संबंधित बदमाशों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस कमिश्नरेट का कहना है कि अपराधियों के खिलाफ इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी, ताकि शहर में कानून व्यवस्था बनाए रखते हुए आम नागरिकों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

पुलिस से मारपीट के आरोपी को सत्र न्यायालय ने किया दोषमुक्त

अभियोजन के 12 गवाहों के बावजूद आरोप साबित नहीं हुए, अधिवक्ताओं की दलीलें स्वीकार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिसकर्मी से मारपीट और शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने के एक पुराने मामले में पंद्रहवें अपर सत्र न्यायाधीश इंदौर ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए सभी आरोपियों को दोषमुक्त कर दिया। न्यायालय ने न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी द्वारा सुनाई गई सजा के खिलाफ दायर अपील स्वीकार करते हुए राका उर्फ राकेश, नीलेश, विजय और महेश को भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं से बरी कर दिया।

मामला 1 मार्च 2010 का है, जब होली और धुलेड़ी के दौरान बक्षीबाग क्षेत्र में झगड़े की सूचना पर आरक्षक जयप्रकाश मौके पर पहुंचे थे। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने नीतू नामक व्यक्ति के साथ मारपीट की थी तथा पुलिसकर्मी द्वारा रोकने पर उसके साथ भी अभद्रता करते हुए शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाई थी। इस संबंध में थाना स्तर पर मामला दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्रकरण कायम किया गया था।

सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने अपने आरोपों को साबित करने के लिए 12 गवाह न्यायालय में प्रस्तुत किए। इसके बावजूद न्यायालय ने साक्ष्यों और गवाहों के बयानों का परीक्षण करने के बाद पाया कि आरोप संदेह से परे सिद्ध नहीं हो सके। इससे पूर्व न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी ने आरोपियों को दोषी मानते हुए तीन-तीन माह के सश्रम कारावास और अर्थदंड की सजा सुनाई थी।

इस आदेश के विरुद्ध दायर अपील पर सुनवाई करते हुए पंद्रहवें अपर सत्र न्यायाधीश माननीय नरसिंह बघेल ने बचाव पक्ष की दलीलों को स्वीकार किया और कहा कि अभियोजन आरोपों को पर्याप्त रूप से सिद्ध नहीं कर पाया है। परिणामस्वरूप सभी अपीलार्थियों को दोषमुक्त कर दिया गया।

प्रकरण में आरोपियों की ओर से अधिवक्ता ललित नरवरे, शुभम नरवरे और गजानंद सुनहरे ने प्रभावी पैरवी की। उनके साथ अधिवक्ता अभिषेक चौघानिया, मिहिर नरवरे, प्रफुल्ल गुर्जर, हर्ष सुनहरे, सचिन चंदेल, सिद्धि जोशी और जयेश माखनिया ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। न्यायालय के इस फैसले से आरोपियों को बड़ी राहत मिली है।

इंदौर में NEET (UG) 2026 की परीक्षा को लेकर तैयारियां अंतिम दौर में

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में रविवार 21 जून को NEET (UG) 2026 की पुनः परीक्षा आयोजित की जायेगी। परीक्षा के सफल एवं सुचारू आयोजन को लेकर व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह और कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने आज केंद्रीय विद्यालय में बनाए गए परीक्षा केंद्र पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री रोशन राय सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। निरीक्षण के दौरान पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह ने सुरक्षा व्यवस्थाओं की जानकारी लिए उन्होंने बताया कि सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम परीक्षा के दौरान रहेंगे। ह्श्वश्वञ्ज परीक्षा के लिए इंदौर जिले में कुल 57 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें 23,089 परीक्षार्थी शामिल होंगे। परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम सवा 5 बजे तक आयोजित होगी। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में परीक्षा के सफल एवं सुचारू और सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर व्यापक इंतजाम किये जा रहे हैं। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने निर्देश दिए है कि ऐसी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए जिससे विद्यार्थियों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। परीक्षा केंद्रों में शीतल जल, छाया और बिजली की वैकल्पिक व्यवस्था भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री वर्मा ने यह भी कहा है कि परीक्षा की गोपनीयता एवं सुचिता का पूरा ध्यान रखा जाए। गड़बड़ी करने वाले या अपवाह फैलाने वालों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन द्वारा परीक्षा केन्द्रों पर पहुंचने के लिये एआईसीटीएसएल की बसें उपलब्ध कराई जायेंगी। सभी परीक्षा केन्द्रों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात रहेगा। यातायात की सुगमता के लिये भी विशेष व्यवस्था की गई है। सभी परीक्षा केन्द्रों पर मेडिकल स्टॉफ एवं पांच केन्द्रों पर एक एम्बुलेंस की व्यवस्था की गई है। दिव्यांग परीक्षार्थियों के लिये व्हीलचेयर आदि की व्यवस्था रहेगी। परीक्षा केन्द्रों पर जनरेटर्स की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। परीक्षार्थियों के अभिभावकों के लिये टेंट एवं पीने के पानी की व्यवस्था केन्द्र के बाहर रहेगी। परीक्षार्थियों से आग्रह किया गया है कि वे किसी भी भ्रामक जानकारी और अफवाहों पर ध्यान नहीं दें। जिला प्रशासन द्वारा परीक्षा केन्द्रों पर ड्यूटी मजिस्टेट तैनात किये गये है। उड़नदस्तों द्वारा भी प्रत्येक केन्द्र का भ्रमण कर सतत निगरानी रखी जायेगी। बताया गया कि परीक्षा की व्यवस्थाओं को लेकर कलेक्टर कार्यालय के कक्ष क्रमांक-109 में कंट्रोल रूम बनाया गया है। कंट्रोल रूम के प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी रहेंगी।

महाराणा प्रताप जयंती पर महापौर ने किया माल्यार्पण, वीरता और राष्ट्रभक्ति को किया नमन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वीरता, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति के प्रतीक महान योद्धा महाराणा प्रताप की जयंती पर बुधवार सुबह महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने महू नाका चौराहा स्थित प्रताप उद्यान पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर महापौर ने महाराणा प्रताप के अद्वितीय साहस, त्याग और मातृभूमि के प्रति समर्पण को स्मरण करते हुए कहा कि उनका जीवन संघर्ष, स्वाभिमान और राष्ट्रप्रेम की प्रेरणादायी गाथा है। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप ने विपरीत परिस्थितियों में भी अपने सिद्धांतों और स्वाभिमान से कभी समझौता नहीं किया। उनका जीवन आज भी युवाओं और समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है। महापौर ने कहा कि महाराणा प्रताप के आदर्श हमें राष्ट्रहित, कर्तव्यनिष्ठा और आत्मसम्मान के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। उनके जीवन से त्याग, समर्पण और देशभक्ति की भावना सीखने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में महापौर प्रतिनिधि भारत पारख सहित बड़ी संख्या में नागरिक, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और गणमान्यजन उपस्थित रहे। सभी ने महाराणा प्रताप के चित्र और प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

पीएससी में प्रदेश में दूसरा स्थान हासिल कर दीपांजलि यादव बनीं असिस्टेंट प्रोफेसर

बाणगंगा की बेटी ने मेहनत और लगन से रचा सफलता का नया अध्याय, जेपीएस स्कूल पहुंचकर शिक्षकों का जताया आभार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बाणगंगा क्षेत्र की प्रतिभाशाली छात्रा दीपांजलि यादव ने मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (पीएससी) परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए गर्ल्स कैटेगरी में प्रदेश में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि के साथ उनका चयन असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए हुआ है। मध्यमवर्गीय परिवार से आने वाली दीपांजलि की सफलता उन युवाओं के लिए प्रेरणा बन गई है, जो सीमित संसाधनों और आर्थिक चुनौतियों के बावजूद बड़े सपने देखते हैं।

दीपांजलि ने बताया कि उनकी सफलता की नींव स्कूल शिक्षा के दौरान ही पड़ गई थी। जेपीएस स्कूल में कक्षा दसवीं में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण होने पर उन्हें छात्रवृत्ति मिली थी, जिसने उन्हें आगे भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद उन्होंने लगातार मेहनत जारी रखी और शिक्षकों के मार्गदर्शन तथा माता-पिता के सहयोग से अपने लक्ष्य की ओर बढ़ती रहीं।

उन्होंने बताया कि इस मुकाम तक पहुंचने में उन्हें करीब सात वर्षों का कठिन संघर्ष करना पड़ा। इस दौरान कई लोगों ने उनके प्रयासों पर सवाल उठाए, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। आज सफलता मिलने के बाद वही लोग उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दे रहे हैं। दीपांजलि का कहना है कि माता-पिता का विश्वास और शिक्षकों का सही समय पर मिला मार्गदर्शन ही उनकी सबसे बड़ी ताकत रहा।

असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में चयनित होने के बाद दीपांजलि का सपना विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना और समाज में शिक्षा के महत्व को बढ़ावा देना है। उनका मानना है कि आज की युवा पीढ़ी को अपने माता-पिता और शिक्षकों के सम्मान तथा उनके मार्गदर्शन के महत्व को समझना चाहिए।

परिणाम घोषित होने के बाद दीपांजलि सबसे पहले अपने पुराने विद्यालय जेपीएस स्कूल पहुंचीं, जहां उन्होंने शिक्षकों का आभार व्यक्त किया और अपनी सफलता की कहानी साझा की। विद्यालय परिवार ने उनका स्वागत कर उन्हें सम्मानित किया तथा उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर सुनील यादव, श्रीमती ज्योति दुबे, सचिन यादव, श्रीमती प्रीति दुबे, महेश दुबे सहित विद्यालय परिवार के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

लक्ष्मीबाई नगर रेलवे स्टेशन का टिकट काउंटर नए भवन में स्थानांतरित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल अंतर्गत लक्ष्मीबाई नगर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्य में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। स्टेशन के नवीन भवन में यात्री सुविधाओं और परिचालन व्यवस्थाओं को चरणबद्ध तरीके से स्थानांतरित किया जा रहा है। इसी क्रम में टिकट बुकिंग काउंटर को पुराने स्टेशन भवन से नए स्टेशन भवन में स्थानांतरित कर दिया गया है। पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी श्री मुकेश कुमार द्वारा जारी जानकारी के अनुसार स्टेशन पर दो नए प्लेटफॉर्म तथा अतिरिक्त रेलवे लाइन के निर्माण का कार्य प्रस्तावित है। इसके लिए पुराने स्टेशन भवन को हटाया जाना है, जिसके चलते भवन को पूरी तरह खाली कर दिया गया है।

जीएसटी ट्रिब्यूनल में 30 जून तक दायर करें अपील, करदाता-वकील को करवाना होगा पंजीयन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जीएसटी अपीलेट ट्रिब्यूनल अब सुनवाई शुरू करने जा रहा है। बीते वर्षों के कर निर्धारण मामलों में अपील दाखिल करने के लिए 30 जून अंतिम तिथि निर्धारित है। देरी पर रियायत भी मिल सकती है लेकिन उसके भी नियम है।

आने वाले समय में ट्रिब्यूनल में पैरवी करने वाले वकील-करसलाहकार खुद को तराशते दिखे। मंगलवार को कमर्शियल टैक्स प्रेक्टिशनर्स एसोसिएशन और मप्र टैक्स ला बार एसोसिएशन ने राज्य स्तरीय जीएसटी कार्यशाला में ट्रिब्यूनल में अपील की तकनीकी बारिकियों को समझाया गया। नवलखा स्थित माहेश्वरी भवन में आयोजित हुई कार्यशाला में 300 से अधिक कर सलाहकार शामिल हुए। मुख्य वक्ता के रूप में एडवोकेट अमित दवे ने अपील की तैयारियों के बारे में जानकारी दी। जबकि तकनीकी पहलूओं को समझाने के लिए एडवोकेट पल्लवी लखोटिया ने प्रेजेंटेशन दिया। दवे ने कहा कि करदाताओं के अधिकारों की रक्षा अपील से की जा सकती है। हालांकि सफलता तथ्यों, दस्तावेजों और समय-सीमा के पालन पर निर्भर करती है।

नर्मदा पाइपलाइन लीकेज सुधार कार्य युद्धस्तर पर पूरा, दोपहर में पुनः शुरू हुई जलापूर्ति

आयुक्त ने बिजलपुर कंट्रोल रूम पहुंचकर की समीक्षा, प्रभावित क्षेत्रों में टैंकरों से जल उपलब्ध कराने के निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जलूद क्षेत्र में नर्मदा पाइपलाइन में हुए लीकेज के बाद नगर निगम द्वारा युद्धस्तर पर सुधार कार्य कर दोपहर तक पंपों को पुनः चालू कर दिया गया। नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल ने बिजलपुर स्थित नर्मदा कंट्रोल रूम पहुंचकर लीकेज सुधार कार्य, प्रभावित क्षेत्रों तथा जलापूर्ति व्यवस्था की समीक्षा की। इस दौरान अपर आयुक्त श्री आशीष पाठक सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

अधिकारियों ने आयुक्त को बताया कि नर्मदा प्रथम एवं द्वितीय चरण की 1400 एम.एम. व्यास की जीआरपी पाइपलाइन में बुधवार सुबह लगभग 6:45 बजे लीकेज होने से दोनों चरणों के सभी पंप तत्काल बंद करने पड़े। इसके बाद मरम्मत कार्य युद्धस्तर पर शुरू किया गया और आवश्यक सुधार कार्य पूर्ण होने के पश्चात दोपहर 2:25 बजे दोनों चरणों के पंप पुनः चालू कर दिए गए।

समीक्षा के दौरान आयुक्त ने प्रभावित क्षेत्रों में अतिरिक्त पेयजल टैंकरों की व्यवस्था करने तथा नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न होने देने के निर्देश दिए। उन्होंने जलापूर्ति व्यवस्था की लगातार निगरानी रखने और जरूरत पड़ने पर त्वरित राहत उपलब्ध कराने पर जोर दिया।

पाइपलाइन लीकेज के कारण बुधवार को बिलावली एवं अन्नपूर्णा टंकी क्षेत्र में प्रत्यक्ष जलप्रदाय प्रभावित रहा। वहीं पंप बंद रहने से गुरुवार सुबह संबंधित जलाशयों और टंकियों में पूर्ण क्षमता के अनुरूप जल भंडारण नहीं हो सकेगा, जिसके चलते कुछ क्षेत्रों में जलापूर्ति कम मात्रा में की जाएगी। इन क्षेत्रों में नगर निगम द्वारा टैंकरों के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा।

प्रभावित क्षेत्रों में अन्नपूर्णा, स्कीम नंबर-103, छत्रीबाग, राज मोहल्ला, द्रविड़ नगर, लोकमान्य नगर, महाराणा क्षेत्र, नरवल, अगरबत्ती क्षेत्र, कुशवाह मोहल्ला, टिगरिया, बाणगंगा, सुभाष चौक, सदर बाजार, जिंसी हाट, मल्हार आश्रम, गांधी हॉल क्षेत्र तथा भक्त प्रह्लाद नगर शामिल हैं।

जिले में 22 जून से 22 जुलाई तक विशेष राजस्व महाअभियान

राजस्व प्रकरणों के मौके पर निराकरण हेतु लगेंगे विशेष राजस्व शिविर

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशन में आमजन के राजस्व संबंधी प्रकरणों, रास्ता विवादों, सीमांकन, नामांतरण, बंटवारा एवं परम्परागत रास्ता विवादों के त्वरित निराकरण हेतु नीमच जिले में 22 जून से 22 जुलाई 2026 तक विशेष राजस्व महाअभियान आयोजित किया जा रहा है।

इस संबंध में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जिले के सभी राजस्व अधिकारियों की बैठक में कलेक्टर श्री चंद्रा ने महाअभियान की विस्तृत रूपरेखा बताते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

महाअभियान के प्रमुख बिंदु- मौके पर निराकरण- विशेष राजस्व महाअभियान के दौरान सीएम हेल्पलाइन एवं जनसुनवाई में राजस्व विभाग से संबंधित प्राप्त शिकायतों व आवेदनों का निराकरण राजस्व टीम द्वारा मौके पर जाकर किया जाएगा। पटवारी एवं राजस्व अधिकारी दोनों पक्षकारों के समक्ष उपस्थित होकर रास्ता विवादों का मौके पर ही समाधान करेंगे।

विशेष शिविरों का आयोजन- पुलिस में दर्ज जमीन संबंधी विवादों की शिकायतों पर भी विशेष शिविर लगाकर मौके पर ही समाधान किया जाएगा।

मानसून पूर्व सीमांकन- कलेक्टर ने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया कि सीमांकन से संबंधित सभी प्रकरणों का मानसून पूर्व शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही सात दिवस में सीमांकन के सभी लंबित प्रकरणों का मौके पर निराकरण कराया जाए।

आरसीएमएस में प्रगति- कलेक्टर ने आरसीएमएस पोर्टल में दर्ज राजस्व प्रकरणों के निराकरण का प्रतिशत बढ़ाकर 65 प्रतिशत से ऊपर करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि 3 माह से अधिक अवधि का एक भी राजस्व प्रकरण न्यायालय में लंबित न रहे।

फार्मर रजिस्ट्री- सभी राजस्व अधिकारियों को पटवारियों से 60 प्रतिशत से अधिक फार्मर रजिस्ट्री का कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। इसके पश्चात ही स्थानांतरित पटवारियों को कार्यमुक्त किया जाएगा।

कलेक्टर श्री चंद्रा ने कहा, कि राजस्व प्रकरणों का त्वरित निराकरण शासन की प्राथमिकता है। महाअभियान के दौरान आमजन को अपने राजस्व संबंधी कार्यों के लिए अनावश्यक भटकना न पड़े, यह सुनिश्चित किया जाए। सभी एसडीएम अपने क्षेत्र में अभियान की दैनिक मॉनिटरिंग करेंगे।

सिंगोली प्रवास पर रतनगढ़ पहुंचे जिलाध्यक्ष शिवनारायण सेन चुकनी का ब्लॉक कांग्रेस एवं समाज जनों द्वारा स्वागत अभिनंदन

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला कांग्रेस केश शिल्पी कला प्रकोष्ठ के नवनियुक्त अध्यक्ष एवं गांधीवादी विचारक श्री शिवनारायण सेन चुकनी के सिंगोली तहसील प्रवास के दौरान रतनगढ़ नगर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आत्मीय स्वागत कर अभिनंदन किया। स्वागत समारोह में ब्लॉक अध्यक्ष श्री शंभू भाई चारण, वरिष्ठ ब्लॉक कोषाध्यक्ष श्री सुभाष व्यास, नगर कांग्रेस अध्यक्ष लखन भाटी अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ के ब्लॉक अध्यक्ष श्री रामस्वरूप सोलंकी, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के ब्लॉक अध्यक्ष श्री राजू भाई पठान, जिला अल्पसंख्यक महामंत्री श्री जाहिद अंसारी रतनगढ़,पूर्व सरपंच श्री पारसमल सेन ताल, युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष श्री श्रवण सेन झांतला व श्री बबलू सेन कांकरिया तलाई प्रमुख रूप से मौजूद रहे। इस अवसर पर श्री सेन ने कहा, यह सम्मान नहीं, जिम्मेदारी है। गांधी जी के सत्य-अहिंसा के मार्ग पर चलकर समाज के अंतिम व्यक्ति तक कांग्रेस की विचारधारा पहुंचाना और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना ही मेरा संकल्प है।÷ उन्होंने सभी कांग्रेसजनों से एकजुट होकर जनसेवा में जुटने का आह्वान किया।

मंदसौर जिला माहेश्वरी समाज के चुनाव निर्विरोध संपन्न, सत्यनारायण मंत्री बने जिलाध्यक्ष

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला माहेश्वरी समाज के संगठनात्मक चुनाव हाल ही में सौहार्दपूर्ण वातावरण में निर्विरोध संपन्न हुए। चुनाव प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराने में जिला चुनाव अधिकारी दिनेश डागा, प्रदेश चुनाव पर्यवेक्षक मांगीलाल अजमेरा तथा पश्चिम मध्य प्रदेश प्रादेशिक सभा के प्रतिनिधि मनोहर तोषनीवाल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों की उपस्थिति और आपसी सहमति से आगामी कार्यकाल के लिए नई कार्यकारिणी का गठन निर्विरोध किया गया।

नई कार्यकारिणी में पिपलियामंडी के सत्यनारायण मंत्री को सर्वसम्मति से जिला अध्यक्ष चुना गया है। इसके साथ ही वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर दलोदा के मांगीलाल राठी और मंदसौर के अशोक मंडोवरा को जिम्मेदारी सौंपी गई है। समाज के प्रशासनिक कार्यों को गति देने के लिए दलोदा के राजेश सोमानी को जिला सचिव मनोनीत किया गया है, जबकि दलोदा के ही जुगल तोतला और मंदसौर के संजय मंडोवरा सह-सचिव के रूप में अपनी सेवाएं देंगे। कार्यकारिणी के अन्य महत्वपूर्ण पदों पर पिपलियामंडी के अनिल मूंदड़ा को कोषाध्यक्ष, मंदसौर के शिव प्रकाश काबरा को संगठन मंत्री तथा दलोदा के मुरली धर चिचानी को प्रचार मंत्री नियुक्त किया गया है। इसके अतिरिक्त प्रादेशिक स्तर पर समाज का प्रतिनिधित्व करने के लिए बाबूलाल डागा, हरिवल्लभ मालू, महेश बंकट सोमानी और महेश केशरीमल सोमानी को प्रदेश प्रतिनिधि चुना गया है। वहीं, राष्ट्रीय स्तर पर अपनी सहभागिता दर्ज कराने के लिए पंकज डागा को अखिल भारतीय प्रतिनिधि के रूप में निर्विरोध निर्वाचित किया गया है। सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को समाज बंधुओं ने बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की है।

सांवलिया सेठ के दरबार में अनोखी आस्था, संकट टला तो भक्त ने चढ़ाई चांदी की हथकड़ी

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के समीप राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में सांवलिया सेठ के दरबार में भक्तों की अनूठी आस्था के कई रूप देखने को मिलते हैं। भक्त अपनी आस्था के अनुसार मंदिर में उपहार स्वरूप कई तरह की कीमती वस्तुएं भेंट करते हैं। लेकिन मंगलवार को प्राकट्य स्थल मंदिर में एक ऐसा अनोखा नजारा देखने को मिला जिसने सबको हैरान कर दिया। एक भक्त ने अपनी मनोकामना पूरी होने पर सांवरिया सेठ को सोने-चांदी के पारंपरिक आभूषणों के बजाय चांदी की हथकड़ी ही भेंट कर दी।

यह है पूरा मामला- जानकारी के अनुसार, क्षेत्र के प्राकट्य स्थल सांवलिया जी मंदिर में मंगलवार को एक श्रद्धालु पहुंचा और उसने मंदिर मंडल के पदाधिकारियों को करीब 50 ग्राम चांदी से निर्मित एक हथकड़ी सौंपी। इस अजीबोगरीब उपहार को देखकर एकबारगी वहां मौजूद सभी लोग दंग रह गए। पूछताछ में भक्त ने अपनी पहचान उजागर न करने की शर्त पर बताया कि वह किसी कानूनी मामले में फंस गया था और उसके जेल जाने की पूरी आशंका थी। संकट की इस घड़ी में उसने सांवरिया सेठ से मन्नत मांगी कि यदि वह इस मुसीबत से बच गया, तो भगवान को हथकड़ी चढ़ाएगा।

इस संकट से बच निकलने के बाद अब भक्त ने अपनी मन्नत पूरी होने पर उसने स्थानीय स्वर्णकार से विशेष रूप से चांदी की यह हथकड़ी तैयार करवाई और सांवरिया सेठ मंदिर में ठाकुरजी के चरणों में अर्पित कर दी। इस अनोखी भेंट के बाद मंदिर मंडल की ओर से भक्त को भगवान का प्रसाद देकर उसका स्वागत किया गया। पूरे क्षेत्र में इस अनूठी मन्नत और भेंट की चर्चा बनी हुई है।

कलेक्टर ने पिकनिक स्थलों का किया निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्थाएं सुदृढ़ करने के दिये निर्देश

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह ने वर्षाकाल को दृष्टिगत रखते हुए माही नदी क्षेत्र, गड़खंगाई माताजी, श्रीराम प्वाइंट तथा जामडपाटड़ी पिकनिक प्वाइंट का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को आमजन एवं पर्यटकों की सुरक्षा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने संवेदनशील स्थलों पर चेतावनी बोर्ड, पानी की गहराई संबंधी सूचना बोर्ड, तालाब में जाना वर्जित है तथा बारिश के दौरान बहते हुए पानी में प्रवेश करना मना है जैसे सूचना बोर्ड लगाने के निर्देश दिए। खतरनाक क्षेत्रों में बांस-बल्लियां एवं बैरिकेडिंग कर प्रवेश नियंत्रित करने तथा ड्रॉप प्वाइंट चिन्हित करने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने निर्देशित किया कि सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्ती से कार्रवाई की जाए। बहते पानी या प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश करने पर एवं निर्धारित स्थानों के अतिरिक्त सड़क पार करने पर जुर्माना लगाने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने प्रमुख स्थलों पर पुलिस प्वाइंट स्थापित करने, पर्याप्त संख्या में नौकाएं उपलब्ध रखने, प्रशिक्षित स्विमर्स/राहतकर्मियों की तैनाती करने तथा लोगों की आवाजाही को नियंत्रित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि प्रतिबंधित क्षेत्र में किसी भी व्यक्ति को आगे जाने की अनुमति नहीं दी जाए तथा सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि वर्षाकाल में संभावित दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए सभी आवश्यक सुरक्षा उपाय समय पर पूर्ण किए जाएं, ताकि पिकनिक स्थलों एवं नदी क्षेत्र में आने वाले नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

सीतामऊ में रियासतकालीन प्राचीन तालाब का सीमांकन राजस्व विभाग प्रशासन दल नेब किया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। छोटीकाशी (सीतामऊ) के रियासत कालीन प्राचीन तालाब सीमांकन एवं नक्शा नवीनीकरण संबधित विगत समय मंदसौर कलेक्टर एवं भू अभिलेख विभाग जिला अधिकारियों एवं स्थानीय अधिकारियों से सीतामऊ नगर परिषद सभापति विवेक सोनगरा के द्वारा पत्र प्रेषित कर प्रत्यक्ष मिलकर जनहित में निरंतर मांग की गई जा रही थी। जिला भूअभिलेख विभाग के अधिकारियों एवं स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों की स्वीकृति आदेश के पश्चात दिनांक 17 जून 2026 को तालाब के सम्पूर्ण क्षेत्रफल सीमांकन नवीन नक्शा बनाने की प्रक्रिया हेतु राजस्व विभाग सीमांकन गठित दल द्वारा एवं सीतामऊ नगर परिषद द्वारा गठित प्रशासनिक सहयोग दल अमला उपस्थित में हुआ। सम्पूर्ण तालाब क्षेत्रफल का सीमांकन रोवर मशीन द्वारा सीमाएं बाउंड्री स्थानों को चिन्हित किया गया एवं लाइनिंग की गई। उक्त संदर्भ विषय में सम्पूर्ण तालाब सीमांकन नक्शा नवीनीकरण संबधित कार्यों को पूरा किया गया। प्रशासनिक अधिकारियों राजस्व विभाग दल द्वारा मौके पर 10 बीघा से अधिक अतिक्रमण मुक्ति हेतु स्थान को चिन्हित कर लाइनिंग कर आगामी नियमानुसार प्रभावी कार्यवाही की जायेगी। ÷उक्त तालाब सम्पूर्ण सीमांकन क्षेत्रफल 100 बीघा से अधिक नवीनीकरण नक्शे पंचनामा कार्यवाही के अनुसार अतिशीघ्र नगर परिषद सीतामऊ द्वारा तारफेंसिंग पोल लगाए जाएंगे। इस अवसर पर मौके स्थल पर सीतामऊ नप अध्यक्ष मनोज शुक्ला एवं उपाध्यक्ष सुमित रावत, सभापति पार्षद विवेक सोनगरा, जनप्रतिनिधियों, स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों सीतामऊ अनुविभागीय दंडाधिकारी अधिकारी शिवानी गर्ग, तहसीलदार मोहित सीनम, मुख्य राजस्व निरीक्षक प्रभारी नितेश घाटिया, कस्बा पटवारी विकास राठौर, सहयोगी राजस्व दल, नप प्रशासन सहयोगी दल, वीडियोग्राफी टीम,पत्रकारगण, प्रशासनिक अमला जनसमुदाय उपस्थित रहे। सीतामऊ नगर परिषद सभापति पार्षद विवेक सोनगरा ने शासन प्रशासन जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों का तालाब सीमांकन करने सहयोग के लिए जनहित में आभार व्यक्त किया।

प्रशासन आपके द्वारः आज 18 जून को कजार्डा में रात्रि चौपाल एवं जनसमस्या निवारण शिविर

कलेक्टर सहित सभी जिला अधिकारी एक की यात्री बस से पहुचेंगे

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशानुसार आज 18 जून 2026, गुरूवार को ग्राम कजार्डा विकासखण्ड मनासा में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर एवं रात्रि चौपाल आयोजित की जा रही है।

सामूहिक प्रस्थान अनिवार्य कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा सहित सभी जिला अधिकारीगण कलेक्ट्रेट परिसर, नीमच से शाम 400 बजे जिला प्रशासन द्वारा निर्धारित यात्री बस से कजार्डा रात्रि चौपाल के लिए प्रस्थान करेंगे।

वाहन प्रतिबंध कोई भी अधिकारी शासकीय अथवा निजी वाहन का उपयोग जनसमस्या निवारण शिविर में जाने के लिए नहीं करेंगे।

समय की पाबंदी- सभी संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी समय पर कलेक्ट्रेट परिसर में उपस्थित होना सुनिश्चित करें। बस की व्यवस्था जिला प्रशासन द्वारा की गई है।

इस रात्रि चौपाल एवं जनसमस्या निवारण शिविर में ग्राम कजार्डा एवं आसपास के ग्रामों के नागरिकों की राजस्व, पेयजल, विद्युत, स्वास्थ्य, पेंशन, राशन एवं अन्य शासकीय योजनाओं से संबंधित समस्याओं का मौके पर ही निराकरण किया जाएगा। पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाया जाएगा। क्षेत्र के ग्रामीणों से अपील की गई है, कि अपनी समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु आवश्यक दस्तावेजों सहित रात्रि चौपाल एवं जनसमस्या निवारण शिविर में उपस्थित होकर लाभ उठाए।

अवैध खनिज परिवहन पर तीन वाहन मालिकों पर कुल 69 हजार से अधिक का जुर्माना अधिरोपित

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशानुसार जिले में खनिज के अवैध परिवहन के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में तीन अलग-अलग प्रकरणों में वाहन मालिकों पर कुल 69 हजार 414 रूपये का अर्थदंड अधिरोपित किया गया है।

प्रकरण क्रमांक 0044/अ-67/2026-27- में पारित आदेशानुसार पुलिस थाना चेनपुरा द्वारा जप्त टैक्टर क्रमांक MP44ZB5779 में बिना रॉयल्टी खण्डा पत्थर का परिवहन पाए जाने पर वाहन मालिक बाबुलाल पिता भंवरलाल लौहार निवासी दारू पर 13414 रूपये की शास्ति लगाई गई। इसमें रॉयल्टी का 15 गुना 2700 रूपये एवं पर्यावरण क्षतिपूर्ति 10714 रूपये शामिल है।

प्रकरण क्रमांक 0047/अ-67/2026-27- में पारित आदेशानुसार ग्राम सेमली इस्तमुराम तहसील नीमच में जप्त ट्रेक्टर मेशी फर्गुसन 7250 DI 7250 MP14AC7028 में रॉयल्टी से अधिक मात्रा में रेत परिवहन पर वाहन मालिक लालसिह पिता जुझारसिह राजपुत निवासी सेमली पर 28750 रूपये का जुर्माना लगाया गया। इसमें रॉयल्टी का 15 गुना 3750 रूपये एवं पर्यावरण क्षतिपूर्ति 25000 रूपये शामिल है।

प्रकरण क्रमांक 0046/अ-67/2026-27- पारित आदेशानुसार ग्राम सावन में ट्रेक्टर क्र. MP44AA5705, बिना रॉयल्टी के अवैध उत्खनन मुरूम पर वाहन मालिक लालसिह पिता जीतमल निवासी सावन तहसील व जिला नीमच पर 27250 रूपये की शास्ति अधिरोपित की गई। इसमें रॉयल्टी का 15 गुना 2250 रूपये एवं पर्यावरण क्षतिपूर्ति 25000 रूपये शामिल है।

सभी प्रकरणों में मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के तहत कार्रवाई की गई है। कलेक्टर द्वारा खनि अधिकारी को निर्देशित किया गया है कि अधिरोपित जुर्माना राशि 15 दिवस के अन्दर शासकीय कोष में जमा होने की पुष्टि पर ही जप्तशुदा वाहन मुक्त किए जाएं।

राष्ट्र के प्रति समर्पण का भाव नई पीढ़ी को महाराणा प्रताप से सीखना चाहिए- राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर

जिला राजपूत समाज संगठन के तत्वावधान में महाराणा प्रताप जयंती पर चल समारोह एवं सभा सम्पन्न

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला राजपूत समाज संगठन के तत्वावधान में आयोजित महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर आयोजित सामाजिक सभा को सम्बोधित करते हुए समारोह के मुख्य अतिथि राज्य सभा सांसद बंशीलाल गुर्जर ने कहा कि राष्ट्र के प्रति समर्पण का भाव महाराणा प्रताप में कूट-कूट कर भरा हुआ था। घास की रोटी खाकर भी राष्ट्र को बचाने के लिए उन्होंने कभी समझौता नहीं किया, राष्ट्र भक्ति ही उनके लिए सर्वोपरि थी। महाराणा प्रताप के इस व्यक्तित्व को आने वाली पीढ़ी और समाज को अनुसरण करना चाहिए। वे सभी जाति धर्म को जोड़कर चलने का कार्य करते थे। हमारे देश की संस्कृति भी सबको जोड़ने की है। श्री गुर्जर ने परिवार के विघटनों को लेकर कहा कि आज हमारे समाज में परिवार छोटे-छोटे हो गए है उनका विघटन होता जा रहा है आने वाली पीढ़ी एकांकी हो गई हैं। इससे राष्ट्र और समाज में कई प्रकार की समस्याएं सामने आ रही है। पहले के जमाने में पूरा परिवार एक साथ बैठकर भोजन करता था जिससे पारिवारिक एकता के भाव आते थे। लेकिन आज सामाजिक संतुलन बिगड़ता जा रहा है। इससे जनसंख्या आदि समस्याएं सामने आ रही है। जो समाज सामाजिक संतुलन बनाए रखने का कार्य करता है वही समाज नेतृत्व कर पाता है। समाज को इस दिशा में चिंतन करना चाहिए। स्वाभिमान और वीरता महाराणा प्रताप के चरित्र में स्पष्ट दिखाई देती थी यही कारण है कि उनका दुश्मन भी उनके इस व्यक्तित्व का कायल था। उनका पूरा व्यक्तित्व राष्ट्र प्रबल भावना की प्रेरणा देता है।

इस अवसर पर समाज के संरक्षक पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसौदिया ने कहा कि महाराणा प्रताप को किसी एक जाति या समाज में नहीं बांधा जा सकता है। उनका पूरा जीवन सभी जातियों को साथ लेकर चलने की प्रेरणा देता है। त्याग और राष्ट्र भाव के कारण उन्होंने कभी भी मुगलों की गुलामी सहन नहीं की। राजपूत समाज और संस्कृति का उल्लेख करते हुए उन्होंने इसे वर्तमान दौर में उत्कृष्ट बताया। इस अवसर पर उन्होंने राजपूत समाज के कार्यक्रम में सहयोग करने के लिए रमा देवी गुर्जर का भी आभार प्रकट किया। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष महेन्द्रसिंह गुर्जर, नगर पालिका अध्यक्ष रमा देवी गुर्जर ने आयोजन पर बधाई देते हुए कहा कि महाराणा प्रताप के व्यक्तित्व को ज्यादा से ज्यादा युवाओं को सीखने की आवश्यकता है ताकि त्याग और स्वाभिमान उनमें उत्पन्न हो सके। इस अवसर पर नगर परिषद शामगढ़ की अध्यक्ष कविता यादव ने कहा कि मेरे मन में यह विचार हमेशा आता रहता है कि महाराणा प्रताप के पराक्रम की कहानियां युवाओं को सुनाना चाहिए ताकि वे उनके व्यक्तित्व से प्रेरित होकर अच्छे चरित्र का निर्माण कर सके।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए समाज के जिलाध्यक्ष ठा. रूघनाथसिंह काचरिया ने अतिथियों का स्वागत उदबोधन देते हुए समाज के कार्यो का वर्णन करते हुए सभी साथियों के परिश्रम व सहयोग का उल्लेख करते हुए महाराणा प्रताप जयंती को आने वाले समय में और भी भव्य बनाने का संकल्प लेकर उन्हें धन्यवाद दिया। इस अवसर पर सभा को सर्वश्री तेजपालसिंह धाकड़ी, अजय सिंह चौहान, शिवराजसिंह घटावदा, अशोकसिंह जादौन सिंह सामाजिक संगठन ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन जिला संगठन मंत्री डॉ. प्रीतिपालसिंह राणा ने किया एवं आभार जिला सचिव भूपेन्द्रसिंह राठौर ने माना। इस अवसर पर शामगढ़ नगर पंचायत द्वारा बहुमूल्य चौराहे पर महाराणा प्रताप की अदम्य प्रतिमा को स्थापित करने के लिए जिला राजपूत समाज एवं शामगढ़ इकाई द्वारा विशेष सम्मान किया गया। आरम्भ में अतिथियों ने महाराणा प्रताप के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुरूआत किया। इस अवसर पर मंच पर सर्वश्री सुरेन्द्रसिंह खेजड़िया, ओमसिंह भाटी, भोपालसिंह सिसौदिया, महेन्द्रसिंह फतेहगढ़, नरेन्द्रसिह चौहान, जितेन्द्रसिंह कोटड़ा माता, योगेन्द्रसिह चुण्डावत, बलवन्तसिंह पंवार, मांगूसिंह ढिकोला, इन्द्रा कुंवर राणावत जिलाध्यक्ष महिला विंग, श्रीमती दुर्गेश भाटी मंचासीन थे। चल समारोह का शुभारम्भ राजपूत समाज के अध्यक्ष श्री काचरिया एवं ट्रस्ट अध्यक्ष श्री चौहान द्वारा महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। चल समारोह में अग्रवाल समाज मंदसौर, ग्वाला समाज मंदसौर, विनोद डगवार भाजपा मण्डल अध्यक्ष मित्र मण्डल, बस स्टेण्ड मित्र मण्डल, विश्व हिन्दू परिषद, शहर कांग्रेस कमेटी, सकल जैन समाज मंदसौर, सिंधी समाज सभ्यता किराना की ओर से, पोरवाल समाज की ओर से प्रबंधक गुप्ता कचोरी सेन्टर आदि ने चल समारोह का स्वागत किया। समस्त अतिथियों का स्वागत जिलाध्यक्ष रूघनाथसिंह काचरिया के अलावा जिला कार्यकारिणी, नगर कार्यकारिणी, तहसीलों की कार्यकारिणी सभी ने अतिथियों का स्वागत किया। चल समारोह एवं सभा में समाज के गणमान्य नागरिकों में सर्वश्री के.के. सिंह भाटी, भूपेन्द्रसिंह राठौर, दशरथ सिंह चन्द्रावत, रिपुदमनसिंह चन्द्रावत, प्रीतिपाल सिंह राणा, राजेन्द्रसिंह राणा, धर्मपालसिंह देवड़ा, नागेन्द्रसिंह सगवाली, गोविन्दसिंह पंवार, महेन्द्रसिंह भाटी दलौदा, मदनसिंह देवड़ा, धनसिंह सिसौदिया, नेपालसिंह राणावत, जितेन्द्रसिंह राणा, कुशालसिंह शक्तावत, हनुमन्त सिंह राणावत, गोपालसिंह कोचवी, भगवानसिंह शक्तावत, निर्मलसिंह करोली, ज्ञानसिंह राठौर, भारतसिंह पंवार, इन्द्रपालसिंह सिसौदिया, महेन्द्रसिंह सोलंकी, कुलदीपसिंह शक्तावत, इन्द्रसिंह राणावत, विजय सिंह पुरावत, दिग्विजयसिंह सिसौदिया, युवराजसिंह पंवार, विजयसिंह राठौर, भानुप्रतापसिंह सौलंकी, महेन्द्रसिंह राठौर, दौलतसिंह चौहान, भंवरसिंह परासली, रघुवीरसिंह धाराखेड़ी, रघुराजसिंह नैनोरा, शिवप्रतापसिंह राणावत, सज्जनसिंह चौहान, सत्येन्द्रसिंह सोम, डॉ. के.पी.सिंह सिसौदिया, राजकुमार सिंह देवड़ा, चन्द्रविनोद सिंह सेंगर, महिला इकाई उमाकुंवर झाला, ज्योति राठौर, जयश्री शक्तावत, सुधा राठौर, निरूपमा कुशवाह, मेघना चौहान, उमा चन्द्रावत, श्रीमती साखतली, सीमा कुशवाह, अर्पणा कुशवाह, हिम्मतसिंह राठौर, शैलेन्द्रसिंह पंवार, गजेन्द्रसिंह राठौर, अरविन्दसिंह राठौर, ब्रजराजसिंह राठौर, श्यामसिंह भाटी, कृष्णपालसिंह पंवार, कालूसिंह पंवार, राजेन्द्रसिंह शक्तावत, सुरेन्द्रसिंह सिसौदिया, बलवन्तसिंह सौलंकी, हरिसिंह चावड़ा, अमरसिंह सौलंकी, बनेसिंह पंवार, श्री हरिसिंह बेखेड़ा, मानसिंह शक्तावत, जितेन्द्रसिंह सोनगरा, शिवराजसिंह राठौर, तेजपालसिंह सिसौदिया, हनुमन्तसिंह सौलंकी, लोकेन्द्रसिंह शक्तावत, कमलसिंह शक्तावत, हिम्मतसिंह चौहान, छविराजसिंह शक्तावत, पप्पूसिंह झाला, मदनसिंह गुड़भेली, पप्पूसिंह नांदवेल, सुरेन्द्रसिंह भदौरिया, पूरनसिंह तोमर, कमलसिंह चौहान, नारायणसिंह भदौरिया, नरेन्द्रसिंह तोमर, हेमन्त सिंह चन्द्रावत, प्रतापसिंह रघुवंशी, बलवन्तसिंह पंवार, राजेन्द्रसिंह कुशवाह, दीपसिंह शामगढ़ एवं आसपास क्षेत्र दलौदा, मल्हारगढ़, सीतामऊ मंदसौर ग्रामीण, धुंधड़का के गणमान्य समाजजन उपस्थित थे। उक्त जानकारी समाज के जिला सचिव भूपेन्द्रसिंह खेड़ी ने दी।

सीतामऊ पुलिस ने पकड़ा सीजन में सबसे ज्यादा 16 क्विंटल डोडाचूरा, ट्रक में प्याज के नीचे छिपाया, दो आरोपी गिरफ्तार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सीतामऊ थाना पुलिस ने इस सीजन में सबसे ज्यादा 16 क्विंटल डोडाचूरा पकड़ा है। डोडाचूरा को ट्रक में प्याज के नीचे छिपाया था। मामले दो आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं। सीतामऊ थाना, पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा अवैध मादक पदार्थो तस्करी के विरुद्ध एक विशेष अभियान में खरा उतरा है। यह कार्रवाई पुलिस कप्तान विनोद कुमार मीणा के निर्देशन में एवं एसडीओपी सीतामऊ दिनेश प्रजापति के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक कमलेश प्रजापति ने मुखबीर सूचना अपनी टीम के साथ तत्परता से की है।

थाना पुलिस के अनुसार 16 जून 2026 को मुखबिर द्वारा उनि मूलचंद धाकड़ चौकी प्रभारी साताखेड़ी व टीम ने मुखबिर सूचना के लदुना दलावदा रोड पर घेराबंदी की गई। लदुना तरफ से मुखबिर द्वारा बताए अनुसार पंजाब पासिंग एक अशोक लिलैण्ड ट्रक आता दिखा। जिसे हमराही फोर्स की मदद से घेराबंदी कर रोका व ड्राईवर का नाम पता पूछते उसने अपना नाम राकेश पिता गुरुचरणसिंह रविदास उम्र 32 वर्ष निवासी खनोरी तहसील मुक्क थाना खनोरी जिला संगरूर पंजाब तथा क्लीनर साईड में बैठे व्यक्ति का नाम पता पूछते उसने अपना नाम बालुसिंह पिता कालुसिंह सौधिया उम्र 41 वर्ष निवासी ग्राम माकड़ी चामुण्डा थाना शामगढ़ का रहने वाला बताया जो पुलिस को देखकर घबरा गया। बाद उनके आधिपत्य वाली ट्रक तलाशी लेते ट्रक में प्याज के कट्टे भरे थे। जिसे खाली करते देखते ट्रक के अंदर प्याज के कट्टो के निचे 87 कट्टो में भरा हुआ 16 क्विंटल किमती 32 लाख रुपये होना पाई गई। मौके की सम्पूर्ण कार्यवाही के बाद थाना सीतामऊ पर आरोपिगण के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15,29 में पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। गिरफ्तार आरोपिगण राकेश एवं बालुसिंह से उक्त डोडाचूरा के स्त्रोत व खपत के संबंध में अग्रिम पूछताछ की जा रही है। ट्रक में कवरिंग के लिए 129 कट्टे प्याज के रखे थे। जिनकी कीमत एक लाख 40 हजार

सम्पादकीय

पिछली तारीख से कर वसूली पर बहसः निवेश माहौल के लिए कितना बड़ा खतरा?

सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्मों के विरुद्ध सरकार के साथ माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की गणना को लेकर चल रहे विवाद में दिए गए निर्णय को पिछली तारीखों से लागू किया है। दूसरे शब्दों में, इन प्लेटफॉर्मों को अपने पिछले लेनदेन पर अधिक जीएसटी चुकाना होगा, जिसकी राशि कथित रूप से लाखों करोड़ रुपयों तक पहुंच सकती है।

बड़े पैमाने पर पिछली तारीखों से कराधान के कई मामले पहले भी रहे हैं। पिछले दो दशकों के उदाहरणों में 2012 में कर कानून में बदलाव (और 2021 में उनका आंशिक उलट) से उत्पन्न केयर्न एनर्जी और वोडाफोन से जुड़े कर विवाद , 2019 का दूरसंचार समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) मामला, 2024 का खनन रॉयल्टी मामला और अब 2026 का ऑनलाइन गेमिंग मामला शामिल हैं। इसके अलावा राज्यों के स्तर पर भी बड़े और छोटे पैमाने पर पिछली तारीखों से नीतिगत बदलाव हुए हैं।

पिछली तारीखों से कराधान के लाभ एकदम स्पष्ट हैं। यह सरकार को कर नीति में मौजूद खामियों को बाद में बेहतर जानकारी मिलने पर उलटने की अनुमति देता है। इस तरह से वसूला गया राजस्व अपनी अतीत की प्रकृति के कारण हाल की देनदारियों से कई गुना अधिक हो सकता है। इसका अर्थ यह भी है कि जो लोग व्यवस्था की कमियों का लाभ उठाते हैं उन्हें बाद में भुगतान करना पड़ सकता है।

इस प्रकार यह तर्क दिया जा सकता है कि इससे पिछली तारीखों से नीति-निर्माण में अनजाने में हुई नीतिगत त्रुटियों को सुधारने में मदद मिलती है। यह भी कहा जा सकता है कि यदि निवेशकों को पता हो कि असाधारण रूप से उच्च लाभ पर पिछली तारीखों से कर लगाया जा सकता है तो वे कमियों का लाभ उठाने की को?शिश कम करेंगे।

ऑनलाइन गेमिंग-जुआ पर हालिया निर्णय इसका उदाहरण है। यह ऐसा क्षेत्र नहीं है जो बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा करता हो न ही यह लोगों की वास्तविक आवश्यकताओं को पूरा करता है। वास्तव में यह अत्यधिक असमान व्यवसाय है। इसमें लत का जोखिम है और परिणामस्वरूप घरेलू स्तर पर गहरी परेशानी का खतरा है।

इसलिए इसे उच्चतम कर दर में वर्गीकृत करने का कुछ औचित्य है। और यदि यह शुरुआत में नहीं किया गया था तो पिछली तारीखों से ऐसा करना उन सभी संस्थाओं को सही संदेश देगा जो ग्राहकों और सरकार का निजी लाभ के लिए शोषण करना चाहती हैं। हालांकि, पिछली तारीखों से समाधान एक दोधारी तलवार है और इसका दूसरा पहलू राजस्व हासिल करने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे पहलू की तुलना में ज्यादा तीखा और नुकसानदेह है।

अदालतों में अपनी दलीलों और अन्य मंचों पर केंद्र सरकार के अधिकारियों ने स्पष्ट रूप से स्वीकार किया है कि पिछली तारीखों से कराधान से गंभीर नुकसान हुआ है। कई मामलों में केंद्र सरकार ने पिछली तारीखों से करों का विरोध भी किया है। इसका कारण यह है कि नुकसान केवल उन कंपनियों तक सीमित नहीं है जिन्हें पिछली तारीखों से भुगतान करने के लिए कहा जाता है, बल्कि उन निवेशकों तक भी पहुंचता है जो नए निवेश की योजना बना रहे होते हैं।

यहां मुख्य बात यह है कि सरकार को जो लाभ मिलता है वह सीमित और संकीर्ण दायरे में होता है लेकिन पूरे तंत्र को जो नुकसान होता है वह व्यापक और प्रणालीगत स्तर पर होता है। कई क्षेत्रों में अदालतों ने विभिन्न राज्य सरकारों, सार्वजनिक क्षेत्र या अन्य सरकारी-संबद्ध संस्थाओं के पक्ष में निर्णय दिया है जो पिछली तारीखों से कर वसूल रहे थे। चिंताजनक बात यह है कि ऐसा अतीत में कई बार हुआ है। यह आज भी जारी है और ऐसा कर कई वर्षों पीछे जाकर पिछली तारीखों से लगाया जा सकता है। इससे लागत बढ़ती है, अनिश्चितताएं बढ़ती हैं और परिणामस्वरूप परियोजनाओं की व्यवहार्यता घट जाती है।

भारत की कर संहिता, नियम और नीतियां अत्यधिक जटिल मानी जाती हैं। लेकिन कारोबारी सुगमता में सुधार, अपराधमुक्तिकरण के प्रयास और कानूनों की संख्या में कमी ने भारत में व्यापार करने की जटिलता को कम करने में उल्लेखनीय योगदान दिया है। लेकिन यह अब भी एक विशाल महासागर है और आज भी व्यापारिक वातावरण कंपनियों को ऐसे क्षेत्र में काम करने के लिए बाध्य करता है जहां एक ओर कानूनों और नीतियों में स्पष्ट रूप से दर्ज प्रावधान हैं तो दूसरी ओर वे बातें भी हैं जो दर्ज नहीं हैं। यह धुंधला क्षेत्र है, जहां यह स्पष्ट नहीं होता कि क्या अनुमति है और क्या नहीं।

कंपनियों को कई संस्थाओं के साथ काम करना पड़ता है और इन संपर्कों में कई अस्पष्टताएं मौजूद रहती हैं। इससे बड़ा और छोटा, वैश्विक और राष्ट्रीय, प्रत्यक्ष और पोर्टफोलियो, हर प्रकार का निवेश प्रभावित होता है। ऐसी परिस्थितियों में आर्थिक सिद्धांत बाजार विफलता की भविष्यवाणी करता है जिसमें निवेश कम हो जाते हैं और विडंबना यह है कि अधिक जोखिम वाली परियोजनाओं को अपनाने की आशंका बढ़ जाती है।

उम्मीद की जा सकती है कि न्यायपालिका निष्पक्ष निर्णय देगी। लेकिन न्यायपालिका निवेशकों का समर्थन नहीं कर पाएगी क्योंकि वर्तमान कानून और केस लॉ दोनों ही पिछली तारीखों से कराधान नीतियों की अनुमति देते हैं। पिछली तारीखों से नीति को सीमित करने वाले कानून केवल आपराधिक क्षेत्रों और 2012 से पहले के अप्रत्यक्ष कराधान तक ही सीमित हैं।

सहजयोग में कुंडलिनी जागरण द्वारा जीवन को सार्थक दिशा प्राप्त होती है

लोगों को समय और जीवन बर्बाद करते देख मन में बहुत चिंता सी होती है किस तरह लोग अपना समय व्यर्थ, कर रहे हैं। क्या केवल खाना-पीना, मौज - मस्ती करना ही जीवन है ? क्या केवल मंदिर जाना, पूजा-पाठ, करना तीर्थ करना ही धर्म का सार है देखिए आपको क्या लगता है? सोचकर देखिए आखिर जीवन क्या है? जीवन का उद्देश्य क्या है क्या आप यूं ही जीवन व्यतीत करते- करते पंचतत्व में विलीन होना चाहते हैं? सोचिए आप किस तरह अपना जीवन व्यतीत करना चाहते हैं। जरा, सोचिए ऐसी कौनसी शक्ति है, जो सारे संसार को चालना देती है कौनसी सी शक्ति है जो आपको चला रही है? आपका हृदय कौन चला रहा है ? आपकी श्वासों का नियंत्रण कैसे हो रहा है? कौन सी शक्ति है, जो शरीर को स्वस्थ रखती है? सोचकर देखिए संसार में इतने जीवंत कार्य किस प्रकार हो रहे हैं?, अलग-अलग फूलों का खिलना, पेड़ों का बढ़ना, जन्म-मरण आदि । कभी सोचा है, ईश्वर कौन है? यदि आप ईश्वर की शक्ति महसूस करना चाहते हैं तो स्वयं का आत्म परीक्षण कर अपनी शक्ति से अपनी आत्मा से साक्षात्कार कीजिए जो केवल कुंडलिनी जागरण से ही संभव है। सहजयोग में कुंडलिनी जागरण के पश्चात् आप उस परमेश्वरी शक्ति से एकाकार हो जाते हैं जो इस ब्रह्माण्ड को चला रही है। इसके लिए आपको अंतस्थ होना होगा ध्यान के माध्यम से आप इस स्थिति को बड़ी सहजता और सरलता से प्राप्त कर सकते हैं। ध्यान के माध्यम से आपकी शक्ति जागृत होती है जो धीरे-धीरे सूक्ष्म चक्रों से गुजरती है और उन्हें प्लावित करती है। इस शक्ति के माध्यम से आपका शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक तथा आध्यात्मिक हर स्तर का विकास होता है। हम वर्तमान में जीना सीखते हैं। भूत, भविष्य की बेड़ियों से मुक्त हो कर साक्षी स्वरूप हो जाते हैं। आनंद के उस शिखर पर स्थापित हो जाते हैं जहां मात्र निरानंद, शांति और सुकून होता है। सुख-दुख, जीवन - मरण के बंधन छूट जाते हैं तथा उस शक्ति से एकाकार हो जाते हैं जिसने हमें बनाया है। सहजयोग ध्यान के माध्यम से अपनी शक्तियों की अनुभूति प्राप्त करने हेतु अपने नज़दीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 अथवा वेबसाइट www.sahajayoga.org.in से प्राप्त कर सकते हैं। सहज योग सदैव निःशुल्क है।

पत्तियाँ काटने से नहीं, जड़ों को काटकर ही मिटेगा परीक्षा माफिया

भारत की परीक्षा-व्यवस्था एक बार फिर उस मोड़ पर है जहाँ प्रश्न केवल नकल या लीक का नहीं, बल्कि भरोसे की बुनियाद के दरकने का है। नीट-यूजी री-एग्जाम से ठीक पहले टेलीग्राम पर अस्थायी प्रतिबंध ने इस बहस को और तीखा बना दिया है। यह कदम नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की सिफारिश पर सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 69 के तहत उठाया गया है। इसके तहत 22 जून तक टेलीग्राम की एक्सेस बंद रहेगी और मैसेज एडिटिंग फीचर 30 जून तक निष्क्रिय रहेगा। एक ओर इसे परीक्षा सुरक्षा की तात्कालिक ढाल माना जा रहा है, वहीं दूसरी ओर इसे डिजिटल स्वतंत्रता पर असंतुलित हस्तक्षेप के रूप में देखा जा रहा है। सवाल यह है कि क्या यह अस्थायी बैन परीक्षा सुधार की दिशा में एक ठोस जीत है या फिर जड़ों को छोड़कर पत्तियों को काटने की पुरानी आदत?

नीट-यूजी परीक्षा लीक का दर्द नया नहीं है। मई 2026 में नीट-यूजी परीक्षा (3 मई को आयोजित) रद्द करनी पड़ी क्योंकि राजस्थान (विशेषकर सीकर-जयपुर क्षेत्र) में गेस पेपर सर्कुलेशन और कथित पेपर लिक के आरोपों ने परीक्षा की निष्पक्षता पर सवाल खड़े कर दिए थे। इससे लगभग 22-23 लाख छात्र प्रभावित हुए। कुछ छात्रों की आत्महत्याओं ने इस त्रासदी को प्रशासनिक विफलता से आगे बढ़ाकर मानवीय संकट में बदल दिया। सरकार और एनटीए का तर्क इस कदम को आपातकालीन सुरक्षा कवच के रूप में प्रस्तुत करता है। उनका कहना है कि टेलीग्राम पर सक्रिय चैनल न केवल फर्जी पेपर बेच रहे थे, बल्कि संदेशों को एडिट कर बाद में उन्हें ÷प्रमाण÷ की तरह पेश कर रहे थे।

यही तकनीकी लचीलापन धोखाधड़ी का नया हथियार बन गया। री-एग्जाम की अत्यंत संवेदनशील अवधि में ऐसे नेटवर्क को प्रभावी रूप से रोकने के लिए अस्थायी प्रतिबंध को आवश्यक एवं तात्कालिक कदम माना गया। यह किसी स्थायी सेंसरशिप की शुरुआत नहीं, बल्कि सीमित समय के लिए डिजिटल दरारों को बंद करने की कोशिश है। पर सवाल यह है कि क्या व्यवस्था की यह 'तात्कालिक मरम्मत' दीर्घकालिक सुरक्षा की गारंटी दे सकती है, या यह केवल एक अस्थायी पट्टी है जो गहरे घाव को छुपा देती है?

फिर भी, इस कदम की आलोचना जायज है। टेलीग्राम पर करोड़ों भारतीय निर्भर हैं ङ्क छात्र सामग्री शेयर करते हैं, छोटे व्यापारी काम चलाते हैं, पत्रकार सूचना इकट्ठा करते हैं। एक पूरे प्लेटफॉर्म को ब्लॉक करना वीपीएन के दौर में कितना प्रभावी होगा, यह बहस का विषय है। इंटरनेट फ्रीडम फाउंडेशन जैसी संस्थाएं इसे अतिरंजित और असंवैधानिक बता रही हैं। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता मौलिक अधिकार है, लेकिन जब वह लाखों ईमानदार छात्रों के हक में बाधक बन जाए तो क्या सरकार को हाथ पर हाथ रखकर बैठना चाहिए? संतुलन जरूरी है। बैन अस्थायी है, लक्षित है, लेकिन लंबे समय में यह समाधान नहीं।

पर समस्या केवल डिजिटल मंचों की नहीं, बल्कि उस पूरी संरचना की है जो लीक को जन्म देती है। परीक्षा प्रणाली की कमजोर कड़ियाँ–प्रिंटिंग प्रेस की सुरक्षा, परिवहन की निगरानी, केंद्रों की जवाबदेही और भ्रष्टाचार की छायाएँ–सब मिलकर इस संकट की जमीन तैयार करती हैं। टेलीग्राम या कोई अन्य प्लेटफॉर्म केवल माध्यम है, अपराध का मूल स्रोत नहीं। यदि संरचना ही छिद्रपूर्ण रहेगी, तो अपराधी हर नए माध्यम को अपने हित में ढाल लेंगे। इसलिए केवल डिजिटल नियंत्रण से समाधान की उम्मीद करना वैसा ही है जैसे दीवारों पर रंग कर भवन की नींव को मजबूत मान लेना।

अब समय आ गया है कि परीक्षा व्यवस्था को तकनीकी और संरचनात्मक दोनों स्तरों पर पुनर्परिभाषित किया जाए। कंप्यूटर बेस्ड टेस्टिंग (सीबीटी) का व्यापक उपयोग केवल आधुनिकता नहीं, बल्कि सुरक्षा की आवश्यकता है। एआई आधारित प्रॉक्टरिंग, बायोमेट्रिक सत्यापन और एन्क्रिप्टेड प्रश्नपत्र वितरण प्रणाली लीक की संभावना को काफी हद तक कम कर सकते हैं। ब्लॉकचेन जैसी तकनीक प्रश्नपत्र की ट्रेसबिलिटी और पारदर्शिता को नई मजबूती दे सकती है। यदि तकनीक को केवल सहायक नहीं, बल्कि प्रणाली का केंद्र बनाया जाए, तो भरोसे की नींव पुनः स्थापित की जा सकती है।

डिजिटल प्लेटफॉर्म रेगुलेशन का प्रश्न अब टालने योग्य नहीं है। धारा 69 आवश्यक है, पर इसका उपयोग संतुलित और पारदर्शी होना चाहिए। टेलीग्राम समाधान नहीं, यह केवल आपातकालीन कदम है जो तत्काल धोखाधड़ी रोक सकता है। सरकार को टेलीग्राम जैसे प्लेटफॉर्म्स के साथ मिलकर प्रभावी रिपोर्टिंग मैकेनिज्म विकसित करना चाहिए, ताकि संदिग्ध चैनल तुरंत ब्लॉक हो सकें। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, शिक्षा मंत्रालय और एनटीए के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। प्लेटफॉर्म्स के साथ साझेदारी आधारित निगरानी तंत्र विकसित होना चाहिए, जहाँ संदिग्ध गतिविधियों की तेज पहचान और निष्कासन हो सके। नियंत्रण और स्वतंत्रता के बीच संतुलन जरूरी है। एनटीए का दावा है कि इससे फ्रॉड पर अंकुश लगेगा, लेकिन असली सफलता तभी होगी जब छात्रों को बार-बार री-एग्जाम न देना पड़े और उनकी मेहनत सुरक्षित रहे, वरना लगातार विवाद उसकी विश्वसनीयता को कमजोर करते रहेंगे।

परीक्षाओं की पवित्रता राष्ट के भविष्य से जुड़ी है। टेलीग्राम पर यह अस्थायी प्रतिबंध न तो विजय का शंखनाद है और न ही लोकतांत्रिक अधिकारों पर स्थायी चोट। यह एक आपातकालीन प्रतिक्रिया है–एक ऐसे तंत्र की जो बार-बार दरकता है और हर बार अस्थायी सहारे से खड़ा किया जाता है। असली प्रश्न यह है कि क्या हम हर संकट पर प्लेटफॉर्म बदलते रहेंगे या उस व्यवस्था को ही बदलेंगे जो संकट को जन्म देती है। परीक्षा की शुचिता कोई प्रशासनिक औपचारिकता नहीं, बल्कि सामाजिक विश्वास की रीढ़ है। यदि यह रीढ़ टूटती रही, तो न केवल परीक्षाएँ, बल्कि पूरा शिक्षा-तंत्र अविश्वास की धूल में बदल जाएगा। अब समय है कि हम सतह पर नहीं, जड़ों पर वार करें–और एक ऐसी व्यवस्था गढ़ें जहाँ 'लीक' असंभव नहीं तो कम से कम असहज अवश्य हो। तभी छात्रों का विश्वास लौटेगा और सपनों का हत्यारा माफिया बेकार हो जाएगा।

-प्रो. आरके जैन

जी-7 की बैठक

फ्रांस में जी-7 की बैठक के चलते विश्व का ध्यान उन्नत अर्थव्यवस्थाओं और लोकतंत्र वाले देशों के इस संगठन की ओर जाना स्वाभाविक है। वैसे तो इस संगठन के सदस्य देशों में अमेरिका के अतिरिक्त ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, कनाडा और जापान भी शामिल हैं, लेकिन कुल मिलाकर इस पर अमेरिका का ही दबदबा रहता है।

प्रति वर्ष जब भी जी-7 देशों की बैठक होती है तो यह संगठन चर्चा में तो आता है, लेकिन अभी तक का अनुभव यही बताता है कि वह कोई विशेष प्रभाव नहीं छोड़ पाता। इस बार भी ऐसा ही हो तो हैरत नहीं, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप सदस्य देशों को सहयोगी कम, अपना अनुयायी अधिक समझते हैं। राष्ट्रपति के रूप में अपने इस दूसरे कार्यकाल में उन्होंने करीब-करीब सभी सदस्य देशों के साथ टैरिफ और अन्य मामलों में मनमाना व्यवहार किया है।

कुछ सदस्य देशों के साथ तो उन्होंने बहुत ही बुरा बर्ताव किया है। उनके अपनी ही चलाने वाले रवैये के कारण अमेरिका के अन्य देशों के साथ मतभेद बढ़े हैं। इसे देखते हुए इसके आसार कम ही हैं कि यह संगठन टैरिफ, जलवायु परिवर्तन, एआइ के उचित उपयोग आदि के मामले में किसी सहमति पर पहुंच कर ऐसे कोई निर्णय ले पाएगा, जो विश्व की समस्याओं के समाधान में सहायक बनेंगे।

यह एक तथ्य है कि आपसी मतभेदों के कारण ही जी-7 संगठन न तो रूस-यूक्रेन युद्ध को थाम पाया और न ही पश्चिम एशिया संकट समेत अन्य वैश्विक समस्याओं को समय रहते सुलझा सका। इस बार बैठक का एक प्रमुख एजेंडा व्यापारिक असंतुलन दूर करना भी है, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि इस असंतुलन का एक बड़ा कारण तो खुद अमेरिका है।

ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका ने सदस्य देशों के साथ ही अन्य कई देशों पर जैसी धौंस जमाने की कोशिश की है, उसकी मिसाल मिलना कठिन है। चूंकि पिछले वर्षों की तरह इस बार भी भारतीय प्रधानमंत्री को मेहमान के रूप में इस संगठन में आमंत्रित किया गया है, इसलिए भारत के साथ विकासशील एवं निर्धन देशों का ध्यान भी इस बैठक की ओर जाएगा, क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी ने इन देशों की आकांक्षाओं को रेखांकित करने की बात कही है।

वे पहले भी ऐसा करते रहे हैं। जी-7 बैठक के दौरान भारतीय प्रधानमंत्री की अमेरिकी राष्ट्रपति से अलग से मुलाकात होने के चलते यह भी विशेष रूप से देखना होगा कि दोनों देशों के संबंधों में व्यापक सुधार का रास्ता साफ होता है या नहीं? यदि अमेरिका इस संगठन को प्रभावी बनाना चाहता है तो उसे सदस्य देशों के साथ समानता का व्यवहार करना होगा।

निःसंदेह ऐसी ही अपेक्षा भारत और अन्य मेहमान देशों की भी रहेगी। अमेरिकी राष्ट्रपति को यह आभास होना चाहिए कि अब अमेरिका पहले जितना सक्षम नहीं रहा।

-धनंजय राजौरा

विश्व शांति एवं संतुलन के लिए आत्ममंथन हो जी-7 बैठक में

फ्रांस में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन पर इस समय पूरी दुनिया की निगाहें टिकी हुई हैं। वैश्विक अर्थव्यवस्था, अंतरराष्ट्रीय राजनीति, व्यापार, जलवायु परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऊर्जा सुरक्षा और युद्ध जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के लिए दुनिया की सात प्रमुख विकसित अर्थव्यवस्थाओं का यह मंच एकत्रित हुआ है। ऐसे समय में यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या जी-7 आज भी उतना ही प्रासंगिक और प्रभावशाली है, जितना उसकी स्थापना के समय था? क्या यह संगठन वास्तव में वैश्विक समस्याओं के समाधान का मंच बन पाया है अथवा यह कुछ शक्तिशाली देशों के हितों की रक्षा का माध्यम बनकर रह गया है? क्या इस मंच की प्रासंगिकता एवं उपयोगिता को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने स्वार्थों के चलते धुंधलाने में लगे हैं? विश्व में शांति स्थापना, संतुलित आर्थिक विकास और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बने विभिन्न वैश्विक संगठनों की सफलता का मूल्यांकन उनके परिणामों से होता है, न कि उनके घोषणापत्रों से। दुर्भाग्य से जी-7 के संदर्भ में यह प्रश्न बार-बार उठता रहा है कि उसके निर्णयों और घोषणाओं का वास्तविक प्रभाव कितना है। पिछले वर्षों में रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया का संकट, वैश्विक आर्थिक अस्थिरता, जलवायु परिवर्तन की चुनौती और बढ़ती व्यापारिक प्रतिस्पर्धा जैसी समस्याओं के समाधान में यह संगठन अपेक्षित भूमिका निभाने में सफल नहीं दिखा है।

जी-7 में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, कनाडा और जापान शामिल हैं, लेकिन व्यवहारिक रूप से इसकी दिशा और नीति निर्धारण पर अमेरिका का प्रभाव सबसे अधिक दिखाई देता है। विशेष रूप से राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका की विदेश नीति ने सहयोग के बजाय दबाव और वर्चस्व की प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया है। ट्रंप ने अपने सहयोगी देशों के साथ भी कई बार ऐसा व्यवहार किया है, मानो वे साझेदार नहीं बल्कि अमेरिकी नीतियों का अनुसरण करने वाले अनुयायी हों। टैरिफ युद्ध, व्यापारिक प्रतिबंध, रक्षा व्यय को लेकर दबाव और अनेक एकतरफा निर्णयों ने सदस्य देशों के बीच अविश्वास बढ़ाया है। विशेषतः ईरान- इजरायल युद्ध ने समूची दुनिया की अर्थव्यवस्था का धराशायी कर दिया और यह अब अमेरिका के कारण ही हुआ है क्योंकि पिछले कुछ महीनों में हिंसक संघर्ष ने पूरे क्षेत्र को एक व्यापक युद्ध की आशंका से भर दिया था। ईरान, इजरायल और इस क्षेत्र के अनेक गैर-राज्यीय समूह आमने-सामने खड़े दिखाई दे रहे थे। इस संघर्ष का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र होर्मुज जलमार्ग बन गया था, जहां से विश्व के लगभग पांचवें हिस्से का तेल गुजरता है। जी-7 समूह के देश भी इसको लेकर बंटे हुए थे।

यही कारण है कि जी-7 के भीतर आज पहले जैसी एकजुटता दिखाई नहीं देती। फ्रांस, जर्मनी, कनाडा और जापान जैसे देश कई मुद्दों पर अमेरिका से अलग दृष्टिकोण रखते हैं। ईरान युद्ध ही नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन के प्रश्न पर, वैश्विक व्यापार के नियमों पर और बहुपक्षीय संस्थाओं की भूमिका को लेकर भी मतभेद सामने आते रहे हैं। ऐसे में यह अपेक्षा करना कठिन है कि यह संगठन विश्व की जटिल समस्याओं के समाधान के लिए कोई सर्वमान्य और प्रभावी रणनीति प्रस्तुत कर पाएगा। इस सम्मेलन में भारत की उपस्थिति विशेष महत्व रखती है। भारत भले ही जी-7 का सदस्य न हो, लेकिन उसकी बढ़ती आर्थिक शक्ति, वैश्विक प्रतिष्ठा और विकासशील देशों के प्रतिनिधि स्वरूप ने उसे इस मंच का एक महत्वपूर्ण सहभागी बना दिया है। यह अवसर केवल भारत की उपलब्धियों को प्रस्तुत करने का नहीं, बल्कि उन विकासशील और निर्धन देशों की आकांक्षाओं को मुखर करने का भी है, जिनकी आवाज अक्सर वैश्विक निर्णय प्रक्रिया में दब जाती है।

आज अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के अनेक देश आर्थिक संकट, खाद्य असुरक्षा, जलवायु आपदाओं और ऋष्टा के बोझ से जूझ रहे हैं। उनकी प्राथमिकताएं जी-7 देशों की प्राथमिकताओं से भिन्न हैं। इसलिए भारत को यह प्रश्न उठाना चाहिए कि क्या विश्व की दिशा तय करने का अधिकार केवल कुछ विकसित देशों तक सीमित रहना चाहिए? क्या वैश्विक शासन व्यवस्था को अधिक लोकतांत्रिक, समावेशी और प्रतिनिधिक नहीं बनाया जाना चाहिए? यह समय विकासशील देशों की आवाज को मजबूती देने और वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) की चिंताओं को केंद्र में लाने का है। जी-7 की प्रासंगिकता पर सबसे बड़ा प्रश्न उसकी प्रभावशीलता को लेकर है। यदि कोई संगठन विश्व की प्रमुख समस्याओं को रोकने या सुलझाने में सक्षम नहीं है, तो उसकी उपयोगिता स्वतः प्रश्नों के घेरे में आ जाती है। रूस-यूक्रेन युद्ध वर्षों से जारी है। पश्चिम एशिया लगातार अशांत बना हुआ है। आतंकवाद और कट्टरता की चुनौतियां बनी हुई हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण पूरी दुनिया अभूतपूर्व संकटों का सामना कर रही है। इसके बावजूद वैश्विक नेतृत्व देने का दावा करने वाले मंचों की उपलब्धियां सीमित दिखाई देती हैं।

हाल के दिनों में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम होने तथा शांति और सहमति की दिशा में बढ़ने की खबरों ने पूरी दुनिया को राहत दी है। लंबे समय से चल रहे तनाव के कारण पश्चिम एशिया में अस्थिरता बढ़ रही थी और इसका प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी पड़ रहा था। जैसे ही दोनों देशों के बीच समझौते और संवाद की संभावनाएं मजबूत हुईं, दुनिया भर के वित्तीय बाजारों में सकारात्मक संकेत दिखाई दिए। निवेशकों का विश्वास बढ़ा, ऊर्जा बाजार में स्थिरता के संकेत मिले और तेल की कीमतों में नरमी आई। इससे स्पष्ट है कि शांति केवल राजनीतिक उपलब्धि नहीं होती, बल्कि उसका सीधा संबंध वैश्विक आर्थिक स्थिरता और आम नागरिक के जीवन से भी होता है। लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है। यदि संवाद और समझौता ही अंततः समाधान का मार्ग था, तो फिर टकराव और तनाव की स्थिति को इतना लंबा क्यों खींचा गया? आखिर राष्ट्रपति ट्रंप को समझौते और सहमति के लिए राजी होने की आवश्यकता क्यों महसूस हुई? क्या इसके पीछे आर्थिक दबाव थे? क्या वैश्विक बाजारों की चिंता थी? क्या अमेरिकी जनता की अपेक्षाएं थीं? या फिर यह स्वीकारोक्ति थी कि युद्ध और दबाव की राजनीति की भी सीमाएं होती हैं? ये ऐसे प्रश्न हैं जिन पर जी-7 जैसे मंचों में गंभीर चर्चा होनी चाहिए।

विश्व समुदाय केवल औपचारिक शांति समझौतों से संतुष्ट नहीं हो सकता। आवश्यकता इस बात की है कि शांति स्थायी, विश्वसनीय और न्यायपूर्ण हो। यदि समझौते केवल राजनीतिक छवि निर्माण, चुनावी लाभ या अस्थायी रणनीतिक उद्देश्यों के लिए किए जाते हैं, तो वे लंबे समय तक टिक नहीं पाते। जी-7 को यह सुनिश्चित करने की दिशा में पहल करनी चाहिए कि विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में होने वाले शांति प्रयास वास्तविक हों और उनका उद्देश्य मानवता के हितों की रक्षा करना हो। आज वैश्विक व्यवस्था एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ी है। दुनिया अब एकध्रूवीय नहीं रही। भारत, चीन, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, इंडोनेशिया और अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाएं वैश्विक शक्ति संतुलन को नया स्वरूप दे रही हैं। ऐसे समय में जी-7 को भी अपनी कार्यशैली और दृष्टिकोण में परिवर्तन करना होगा। यदि यह मंच केवल अमेरिकी नेतृत्व और पश्चिमी हितों का प्रतिनिधि बना रहेगा, तो इसकी स्वीकार्यता और प्रभावशीलता लगातार घटती जाएगी।

आवश्यकता इस बात की है कि जी-7 स्वयं को अधिक समावेशी बनाए, विकासशील देशों को निर्णय प्रक्रिया में अधिक स्थान दे, आर्थिक न्याय और जलवायु न्याय के प्रश्नों पर ठोस पहल करे तथा वैश्विक शांति को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करे। अमेरिका को भी यह समझना होगा कि नेतृत्व और प्रभुत्व में अंतर होता है। नेतृत्व विश्वास अर्जित करता है, जबकि प्रभुत्व विरोध को जन्म देता है। फ्रांस में हो रहा यह सम्मेलन केवल आर्थिक या राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा का मंच नहीं होना चाहिए, बल्कि यह आत्ममंथन का अवसर भी बनना चाहिए। जी-7 को यह विचार करना होगा कि बदलती दुनिया में उसकी भूमिका क्या है और वह किस प्रकार अधिक उपयोगी, प्रभावी और विश्वसनीय बन सकता है। यदि यह संगठन अपने भीतर बढ़ते मतभेदों को दूर कर, समानता और सहयोग की भावना के साथ आगे बढ़ता है, तभी वह विश्व समुदाय की अपेक्षाओं पर खरा उतर सकेगा।

भारत को इस अवसर पर साहसपूर्वक यह संदेश देना चाहिए कि विश्व का भविष्य शक्ति-संतुलन, संवाद, सहयोग और समावेशिता में निहित है। किसी एक देश या समूह की प्रभुत्ववादी सोच से नहीं, बल्कि साझी जिम्मेदारी और साझा विकास की भावना से ही विश्व में स्थायी शांति, आर्थिक स्थिरता और मानव कल्याण का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। यही इस समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और यही जी-7 जैसे मंचों की वास्तविक कसौटी भी।

- ललित गर्ग

भविष्य की दिशा में बढ़ती भारतीय रेल

पिछले दिनों पश्चिम एशिया संकट को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से पेट्रोल-डीजल का सीमित और समझदारी से इस्तेमाल करने की अपील की। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि सार्वजनिक परिवहन के उपयोग को बढ़ावा दें और जहां निजी वाहन की जरूरत हो वहां कारपूलिंग अपनाई जाए। उन्होंने कहा कि हमें विदेशी मुद्रा बचानी होगी।

प्रधानमंत्री की अपील का जनता पर कितना असर पड़ा यह तो आने वाला समय ही बताएगा, लेकिन भारतीय रेल द्वारा विद्युतीकरण मुहिम के जरिये डीजल की बचत की जा रही है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारतीय रेल ने विद्युतीकरण के जरिये 185 करोड़ किलो लीटर डीजल बचाया। यह मात्रा देश की कुल चार दिन की डीजल की मांग के बराबर है। सबसे बड़ी बात यह है कि विद्युत कर्षण (रेल के पहियों को खींचने में लगने वाली ऊर्जा) पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ-साथ डीजल ट्रैक्शन की तुलना में 70 प्रतिशत किफायती भी है।

उल्लेखनीय है कि 2014 से पहले देश में मात्र 21,801 किलोमीटर रेल लाइनों का विद्युतीकरण हुआ था। इसी को देखते हुए प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी ने रेल विद्युतीकरण को प्राथमिकता दी। तत्कालीन रेल मंत्री के निर्देशन में रेल विद्युतीकरण मिशन शुरू किया गया। इस मिशन का लक्ष्य रेलवे के पूरे नेटवर्क का 100 प्रतिशत विद्युतीकरण करना है।

रेलवे ने यह मिशन डीजल इंजनों से होने वाले प्रदूषण को कम करने और ट्रेनों की सामान्य गति को बढ़ाने के लिए तैयार की है। डीजल इंजनों की कार्यक्षमता काफी कम होती है और इन्हें चलाने में बहुत लागत आती है। मार्च 2026 तक रेलवे के कुल 70,175 किलोमीटर ब्राडगेज नेटवर्क में 69,906 किलोमीटर नेटवर्क का विद्युतीकरण किया जा चुका है। अर्थात कुल ब्राडगेज नेटवर्क का 99.6 प्रतिशत विद्युतीकृत किया जा चुका है।

अब मात्र 269 किलोमीटर रेलवे नेटवर्क ऐसा है, जिसका विद्युतीकरण किया जाना बाकी है। जिन राज्यों में रेल विद्युतीकरण अभी लंबित है, उनमें गोवा, तमिलनाडु, कर्नाटक, असम और राजस्थान शामिल हैं। गोवा में 91 प्रतिशत, तमिलनाडु में 97 प्रतिशत, कर्नाटक में 97 प्रतिशत, असम में 98 प्रतिशत, राजस्थान में 99 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। वर्ष 2014 से पहले देश में प्रतिदिन औसत 1.42 किलोमीटर रेल लाइनों का विद्युतीकरण हुआ।

वहीं रेल विद्युतीकरण मिशन शुरू होने के बाद 2019-2025 में प्रतिदिन औसतन 15 किलोमीटर रेललाइनों का विद्युतीकरण किया गया। 2023-24 में रेल विद्युतीकरण का रिकार्ड बना जब प्रतिदिन औसतन 19.7 किलोमीटर रेल लाइनों का विद्युतीकरण हुआ। यह परिवर्तन भारतीय रेल को अधिक तेज, स्वच्छ और आत्मनिर्भर बनाते हुए नए भारत की विकास रीढ़ को और मजबूत कर रहा है।

स्पष्ट है कि 1925 में बांबे वीटी (वर्तमान छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस) और कुर्ला के बीच हार्बर लाइन पर चली पहली बिजली चालित रेलगाड़ी के 100 वर्ष बाद भारतीय रेल ने शत प्रतिशत विद्युतीकरण का लक्ष्य हासिल कर लिया है। रेल विद्युतीकरण के मामले में भारत दुनिया की कई अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं को पीछे छोड़ चुका है। जहां भारत में 96.6 प्रतिशत रेल लाइनों का विद्युतीकरण हो चुका है वहीं ब्रिटेन में 39 प्रतिशत, रूस में 52 प्रतिशत और चीन में 82 प्रतिशत रेलमार्गों का ही विद्युतीकरण हो पाया है। रेल विद्युतीकरण की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि रेलवे स्वच्छ ऊर्जा स्त्रोतों क इस्तेमाल को बढ़ावा दे रहा है। नवंबर 2025 तक रेलवे अपने कुल परिचालन में 898 मेगावाट सौर ऊर्जा का इस्तेमाल कर रहा था। 2014 में मात्र 3.68 मेगावाट सौर ऊर्जा का इस्तेमाल रेलवे कर रहा था। 898 मेगावाट में से 629 मेगावाट का उपयोग रेलगाड़ियों को चलाने के लिए किया जा रहा है, जबकि 269 मेगावाट अन्य जरूरतों को पूरा करने में। इनमें स्टेशन की लाइटिंग, वर्कशाप, सर्विस बिल्डिंग और रेलवे क्वार्टर शामिल हैं।

वर्तमान में 2,626 रेलवे स्टेशन सौर ऊर्जा का उपयोग कर रहे हैं। इस तरह के उपाय 2030 तक शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को हासिल करने के लिए भारतीय रेल की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं। भारत ने हाइड्रोजन ऊर्जा मिशन के तहत 2030 तक प्रतिवर्ष 50 लाख टन हरित हाइड्रोजन उत्पादन तथा 2070 तक नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है। रेलवे ने हरित ऊर्जा स्त्रोतों को विविधीकरण करते हुए हरियाणा कजींद-सोनीपत रूट पर देश की पहली हाइड्रोजन ईंधन से चलने वाली 10 कोच वाली ट्रेन को मंजूरी दे दी है। इससे प्रदूषण काफी कम होगा। रेलवे अपने ऊर्जा स्त्रोतों को विविधीकृत कर रहा है। वर्तमान में रेलवे ने अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए 4,260 मेगावाट सौर और 3,427 मेगावाट पवन ऊर्जा के लिए समझौता किया है। इसके अलावा भी रेलवे ने 1,500 मेगावाट रिन्यूएबल एनर्जी के लिए अनुबंध किया है। रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर पावर लिमिटेड अपने सोलर पार्क से भारतीय रेलवे को सौर ऊर्जा की आपूर्ति कर रही है। इसके साथ-साथ 2025-26 में रेलवे ने 81.59 लाख पौधे लगाए, 185 जल पुनर्चक्रण संयंत्र एवं 8,313 वर्षा जल संचयन संरचनाएं भी स्थापित किए।

-सुनील कुमार महला

उप निरीक्षक प्रेम यादव की टीम की बड़ी कार्रवाई, बाइक से ले जाई जा रही 8 पेटी अवैध शराब जब्त

सोनकच्छ में आबकारी विभाग की दबिश, 72 बल्क लीटर शराब सहित आरोपी गिरफ्तार

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर ऋतुराज सिंह के निर्देशन एवं सहायक आबकारी आयुक्त मनीष खरे के मार्गदर्शन में जिलेभर में अवैध मदिरा के निर्माण, विक्रय और परिवहन के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में वृत्त सोनकच्छ में आबकारी उप निरीक्षक प्रेम यादव के नेतृत्व में टीम ने मुखबिर की सूचना पर बड़ी कार्रवाई करते हुए मोटरसाइकिल से अवैध शराब का परिवहन कर रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान आरोपी के कब्जे से 8 पेटी देशी मदिरा प्लेन (72 बल्क लीटर) बरामद की गई।

जानकारी के अनुसार ग्राम बीसाखेड़ी, तहसील सोनकच्छ क्षेत्र में अवैध शराब परिवहन की सूचना मिलने पर उप निरीक्षक प्रेम यादव अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घेराबंदी की। कुछ देर बाद सूचना के अनुसार एक मोटरसाइकिल को रोककर तलाशी ली गई। वाहन की सीट के दोनों ओर टंगे प्लास्टिक के बोरों से 8 पेटी देशी मदिरा प्लेन बरामद हुई।

पूछताछ में आरोपी की पहचान भारत चौहान निवासी मानासा, तहसील सोनकच्छ के रूप में हुई। आरोपी के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(1)(क) एवं 34(2) के तहत प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। जब्त शराब एवं मोटरसाइकिल सहित कुल सामग्री का अनुमानित मूल्य 80 हजार 400 रुपये बताया गया है।

कार्रवाई में उप निरीक्षक प्रेम यादव, आबकारी मुख्य आरक्षक राजाराम रायकवार तथा आबकारी आरक्षक अरविंद जिनवाल, निकिता परमार, गीतेश सैनिक, किशोर सिसोदिया एवं अनिल चौहान शामिल रहे। आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया है कि अवैध शराब कारोबारियों के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

तीर्थ यात्रा में संवेदनशीलता की मिसाल, अनुरक्षकों ने यात्रियों को परिवार की तरह संभाला

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत 13 जून को वैष्णो देवी यात्रा के लिए रवाना हुए सीहोर जिले के तीर्थ यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए तैनात अनुरक्षकों ने जिम्मेदारी और संवेदनशीलता का परिचय दिया।

यात्रा के दौरान तीर्थ यात्री अनोखीलाल थकान के कारण देवी भवन मार्ग से आगे नहीं निकल पाए और वहीं रुक गए थे। इसकी जानकारी मिलने पर सीहोर के अनुरक्षक श्री नवल किशोर शुक्ला एवं श्री प्रदीप वानिया तथा ट्रेन कोच अटेंडर उन्हें लेने के लिए पहुंचे और सुरक्षित अपने साथ लाए। अनोखीलाल पूरी तरह स्वस्थ हैं । अनुरक्षकों के साथ अनोखी लाल 4 घंटे बाद वापस अपने तीर्थ यात्रियों के दल में ट्रेन में आ गए। तीर्थ यात्रियों का दल 18 जून को वापस सीहोर पहुंचेगा।

अनोखीलाल ने बताया कि अनुरक्षकों ने उनका परिवार के सदस्य की तरह ध्यान रखा और हर संभव सहायता की। उन्होंने मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के माध्यम से मिल रही सुविधाओं की सराहना करते हुए प्रदेश सरकार एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार व्यक्त किया।

यात्रा में शामिल अन्य तीर्थ यात्रियों ने भी बताया कि उन्हें किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं हुई। उन्होंने कहा कि पूरी यात्रा सुविधाजनक और व्यवस्थित रही। अनुरक्षकों द्वारा लगातार यात्रियों की देखरेख और सहायता की जा रही है, जिससे बुजुर्ग तीर्थ यात्रियों को सुरक्षित एवं सुखद यात्रा का अनुभव मिल रहा है।

महाविद्यालयीन छात्रावासों में विशेष कोचिंग के लिए आवेदन 20 जून तक आमंत्रित

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला संयोजक जनजातिय कार्य विभाग देवास ने बताया कि अनुसूचित जाति कल्याण विभाग अन्तर्गत जिला एवं विकासखण्ड स्तर पर संचालित विभागीय बालक/कन्या सीनियर उत्कृष्ट तथा महाविद्यालयीन छात्रावासों में प्रवेशित छात्र/छात्राओं को विभिन्न विषयों में विशेष कोचिंग कराये जाने के लिए केवल देवास जिले के शासकीय शिक्षकों/अतिथि शिक्षकों से आमंत्रित हैं। इच्छुक शिक्षक अपने संकुल प्राचार्यो की अनुशंसा सहित अपना आवेदन पत्र जिला संयोजक कार्यालय जनजातीय कार्य विभाग बालगढ़ रोड भोलेनाथ मंदिर के सामने देवास में 20 जून 2026 तक जमा कर करते हैं।

उन्होंने बताया कि कोचिंग का कार्य गणित/अंग्रेजी/विज्ञान/कम्प्यूटर सामान्य ज्ञान एवं जीव विज्ञान/भौतिक शास्त्र/रसायन शास्त्र इत्यादि मुख्य विषयों में किया जाना है। कक्षा 9वीं 10वीं में कोचिंग देने वाले शिक्षकों के लिये सम्बन्धित विषय में ग्रेज्यूएशन स्तर पर न्यूनतम 60 प्रतिशत तथा कक्षा 11वीं 12वीं के कोचिंग के लिये सम्बन्धित विषय मे पोस्ट ग्रेज्यूएशन मे न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक या विषय विशेष योग्यता होना अनिवार्य है। कक्षा 9वीं से कक्षा 12वीं के लिये विषयवार नियुक्त शिक्षक उसी दिन कक्षावार अलग-अलग कालखण्ड मे पढ़ायेगे।

महाविद्यालयीन बालक/कन्या छात्रावासों में अंग्रेजी विषय के लिये ही आवेदन मान्य किया जायेगा। प्रत्येक कालखण्ड 01 घण्टे का रहेगा। चयनित शिक्षक के द्वारा पढ़ाये गये प्रति कालखण्ड का मानदेय 300 रूपये निर्धारित होगा।

प्रत्येक माह में अधिकतम 20 कालखण्ड का मानदेय भुगतान किया जायेगा। केवल कम्प्यूटर/ सामान्य ज्ञान कोचिंग कार्य के लिए माह में अधिकतम 05 कालखण्ड का भुगतान किया जायेगा। संचालनालय के निर्देशानुसार केवल शासकीय संस्थाओं के शिक्षक अतिथि शिक्षक ही कोचिंग कार्य हेतु पात्र रहेंगे।

भारतीय इतिहास के महानायक हैं वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप - राजस्व मंत्री

साहस, त्याग, पराक्रम और राष्ट्रभक्ति की अद्वितीय मिसाल है महाराणा प्रताप का जीवन - राजस्व मंत्री

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर सीहोर में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अनावरण एवं भव्य चल समारोह आयोजित किया गया। पावर हाउस चौराहा स्थित कार्यक्रम स्थल पर आयोजित समारोह में राजस्व मंत्री श्री करणसिंह वर्मा एवं श्री कार्तिकेय चौहान ने महाराणा प्रताप की प्रतिमा का विधिवत अनावरण किया। इस अवसर पर नगर में भव्य चल समारोह निकाला गया। चल समारोह में महाराणा प्रताप के जीवन एवं शौर्य को दर्शाती झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। इस अवसर पर विधायक श्री सुदेश राय, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री नरेश मेवाड़ा और नगर पालिका अध्यक्ष श्री प्रिंस राठौर भी शामिल हुए।

इस अवसर पर राजस्व मंत्री श्री करणसिंह वर्मा ने कहा कि महाराणा प्रताप भारतीय इतिहास के ऐसे महानायक हैं, जिन्होंने राष्ट्र, धर्म और स्वाभिमान की रक्षा के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी कभी अपने आत्मसम्मान से समझौता नहीं किया और संघर्ष के मार्ग पर अडिग रहे। उनका जीवन साहस, त्याग, पराक्रम और राष्ट्रभक्ति की अद्वितीय मिसाल है। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप के आदर्श आज भी युवाओं को राष्ट्रहित में कार्य करने तथा अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करने की प्रेरणा देते हैं।

उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप केवल एक वीर योद्धा ही नहीं, बल्कि स्वाभिमान और स्वतंत्रता के प्रतीक थे। उनका जीवन हमें सिखाता है कि कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी अपने सिद्धांतों और मूल्यों का त्याग नहीं करना चाहिए। महाराणा प्रताप की गौरवगाथा आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करती रहेगी।

राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेकर ही समाज और राष्ट्र का सशक्त निर्माण किया जा सकता है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे महाराणा प्रताप के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें तथा राष्ट्र की एकता, अखंडता और विकास में सक्रिय योगदान दें। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्री प्रिंस राठौर ने भी संबोधित किया।

पुलिस में उत्कृष्ट खिलाड़ियों की सीधी भर्ती होगी पुनः प्रारंभ

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सतत प्रयासों एवं मार्गदर्शन से वर्ष 2021 के बाद उत्कृष्ट खिलाड़ियों की सीधी भर्ती प्रक्रिया पुनः प्रारंभ की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की यह पहल खिलाड़ियों के लिए सम्मानजनक रोजगार सुनिश्चित करने के साथ उन्हें अपने खेल प्रशिक्षण और प्रतिस्पर्धात्मक तैयारी को निरंतर जारी रखने में भी सहायक सिद्ध होगी। गृह विभाग ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देशानुसार 'मध्यप्रदेश पुलिस (उत्कृष्ट खिलाड़ियों की नियुक्ति) नियम, 2021'में महत्वपूर्ण संशोधन किए हैं। शासकीय राजपत्र में 15 जून 2026 को अधिसूचना प्रकाशित कर दी गई है।

संशोधित नियमों में उत्कृष्ट खिलाड़ियों के चयन, पात्रता एवं मूल्यांकन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सुव्यवस्थित और प्रभावी बनाया गया है। अब मध्यप्रदेश के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को शासकीय सेवा में अवसर प्राप्त होंगे। प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को पुलिस में उप निरीक्षक के 10 एवं आरक्षक के 50 पदों पर सीधी नियुक्ति का अवसर मिलेगा।

नए प्रावधानों में खेल कोटे से भर्ती प्रक्रिया नियमित रूप से प्रत्येक वर्ष आयोजित की जाएगी। इससे खिलाड़ियों को स्थायी अवसर उपलब्ध होंगे। खेल संस्कृति को प्रोत्साहित करने की दिशा में यह ऐतिहासिक कदम है। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने मुख्यमंत्री श्री यादव की इस खिलाड़ी-हितैषी पहल के लिए उनका आभार माना है। वार्षिक भर्ती प्रक्रिया में पुलिस मुख्यालय की चयन एवं भर्ती शाखा द्वारा प्रतिवर्ष आरक्षक एवं उप निरीक्षक पदों की रिक्तियां विज्ञापित की जाएंगी। पदक विजेताओं के साथ अब ओलम्पिक, एशियाई एवं राष्ट्रमण्डल खेलों में सहभागिता करने वाले खिलाड़ी भी सीधी भर्ती के लिए पात्र होंगे। उत्कृष्ट खिलाड़ियों को निर्धारित शैक्षणिक योग्यता एवं शारीरिक मापदंड (ऊंचाई) में पूरी छूट दी जाएगी।

सिंगल यूज़ प्लास्टिक के खिलाफ नगर निगम की सख्ती, जागरूकता रैली के साथ हुई चालानी कार्रवाई

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम आयुक्त के निर्देशानुसार नगर निगम देवास की सहयोगी संस्था टीम फीडबैक फाउंडेशन चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा शहर में सिंगल यूज़ प्लास्टिक प्रतिबंध को लेकर व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान सुपरमार्केट एवं शुक्रवारिया हाट क्षेत्र में जागरूकता रैली निकालकर नागरिकों एवं व्यापारियों को प्लास्टिक के दुष्प्रभावों तथा इसके उपयोग पर प्रतिबंध संबंधी जानकारी दी गई। अभियान के दौरान प्रतिबंधित सिंगल यूज़ प्लास्टिक का उपयोग करते पाए जाने पर चालानी कार्रवाई भी की गई तथा मौके पर बड़ी मात्रा में पॉलीथिन एवं प्लास्टिक सामग्री जप्त की गई। लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए कपड़े के झोले वितरित किए गए और दैनिक जीवन में इनके उपयोग के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में एसआई विजय सांगते, टीम लीडर सोहेल पटेल, आईईसी एक्सपर्ट विभा गोयल, सुपरवाइजर परवेज चावड़ा, अभिषेक पवार सहित पूरी आईईसी टीम उपस्थित रही।

विश्व संगीत दिवस पर देवास में होगा भव्य संगीत महोत्सव

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व संगीत दिवस के अवसर पर देवास कलाकार संगठन द्वारा 21 जून 2026, रविवार को देवास में एक भव्य संगीत महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य संगीत, कला एवं कलाकारों को एक सशक्त मंच प्रदान करना तथा क्षेत्र की छिपी हुई प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना है। आयोजकों ने बताया कि इस आयोजन के माध्यम से देवास एवं आसपास के क्षेत्रों में संगीत साधना कर रहे कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम में गायन, वादन, नृत्य एवं संगीत से जुड़ी अन्य विधाओं के कलाकार भाग ले सकेंगे। सभी प्रतिभागियों से अपने वाद्य यंत्र एवं प्रस्तुति की तैयारी के साथ कार्यक्रम में उपस्थित होने का आग्रह किया गया है। देवास कलाकार संगठन के अनुसार यह सभी कलाकारों को कार्यक्रम की गरिमा एवं समयानुसार अपनी प्रस्तुति देने का अवसर प्रदान किया जाएगा। आयोजन का मुख्य उद्देश्य कला एवं संस्कृति के संरक्षण के साथ-साथ युवा एवं उभरती प्रतिभाओं को मंच उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम में केवल कलाकार ही नहीं, बल्कि संगीत प्रेमी एवं श्रोता भी पूरे दिन संगीत की विभिन्न प्रस्तुतियों का आनंद ले सकेंगे। आयोजकों ने शहर एवं आसपास के क्षेत्रों के संगीत प्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है। आयोजकों का कहना है कि संगीत समाज को जोड़ने का सशक्त माध्यम है और विश्व संगीत दिवस के अवसर पर आयोजित यह महोत्सव कलाकारों के उत्साहवर्धन के साथ-साथ संगीत संस्कृति के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। देवास कलाकार संगठन ने सभी कलाकारों एवं संगीत प्रेमियों से इस संदेश को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का आग्रह करते हुए कहा है कि आइए, हम सभी मिलकर विश्व संगीत दिवस 2026 को एक यादगार उत्सव बनाएं और संगीत की साधना को जन-जन तक पहुंचाएं।

साइबर अपराधों के विरुद्ध 15 दिवसीय "Safe Click 2.0' वृहद जनजागरूकता अभियान चलेगा

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश में साइबर अपराधों की रोकथाम तथा नागरिकों को सुरक्षित डिजिटल व्यवहार के प्रति जागरूक बनाने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा 15 दिवसीय प्रदेशव्यापी साइबर वृहद जन-जागरूकता अभियान 24 जून से 8 जुलाई तक Safe Click 2.0 नाम से प्रारंभ किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य साइबर सुरक्षा को जनआंदोलन का स्वरूप प्रदान करते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग तक साइबर अपराधों से बचाव संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी पहुंचाना है। पुलिस मुख्यालय में आयोजित बैठक के दौरान पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा ने अभियान की तैयारियों की समीक्षा करते हुए वीडियो कॉफ्रेंसिंग के माध्यम से समस्त जोनल पुलिस महानिरीक्षकों एवं पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिए कि इस अभियान को अधिक व्यापक, प्रभावी एवं जनसहभागिता आधारित स्वरूप में संचालित किया जाए।

कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन, जनकल्याण शिविर और विभागीय योजनाओं की समीक्षा; लापरवाही पर मत्स्य अधिकारी व कृषि विभाग को नोटिस

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि आगामी समय-सीमा (टीएल) बैठकों में विकासखंड स्तर के सभी अधिकारी अनिवार्य रूप से संबंधित एसडीएम कार्यालय से ही शामिल हों। अलग-अलग स्थानों से ऑनलाइन जुड़ने की व्यवस्था अब स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि निर्देशों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर ऋतुराज सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा बैठक में लंबित प्रकरणों, सीएम हेल्पलाइन, जनकल्याण शिविरों और विभिन्न विभागीय योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में अपर कलेक्टर शोभाराम सोलंकी, संजीव जैन, संयुक्त कलेक्टर अंशु जावला, विशाखा देशमुख सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सीएम हेल्पलाइन के लिए 4 दिवसीय विशेष अभियान- कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए सभी विभागों को 20 जून को जारी होने वाली प्रदेश स्तरीय रैंकिंग से पहले चार दिवसीय विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अधिकारी स्वयं शिकायतकर्ताओं से संपर्क कर संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें तथा सभी विभागों को 'ए-ग्रेड' में लाने के लिए प्रयास करें।

जनकल्याण शिविरों में पात्र हितग्राहियों को मिले योजनाओं का लाभ- जनकल्याण शिविरों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि शिविरों का उद्देश्य अंतिम छोर तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक आवेदन पोर्टल पर दर्ज किया जाए तथा विभाग अपने निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्य करते हुए अधिकतम पात्र नागरिकों को लाभान्वित करें। शिविरों के संचालन और आवेदनों के निराकरण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

लापरवाही पर मत्स्य अधिकारी और कृषि विभाग को नोटिस- बैठक में विभागीय कार्यों की समीक्षा के दौरान मत्स्य विभाग में लापरवाही पाए जाने पर मत्स्य पालन अधिकारी एस. मंडलोई को दो वेतन वृद्धि रोकने संबंधी शोकॉज नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। वहीं केसीसी कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं मिलने पर सहायक संचालक कृषि लोकेश गंगराड़े को भी कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए।

फार्मर आईडी, ई-केवाईसी और नजूल पट्टों पर सख्ती- कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों को शत-प्रतिशत फार्मर आईडी बनाने की कार्रवाई शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी नगरीय निकायों और जनपद पंचायतों में ई-केवाईसी अभियान तेज करने को कहा। देवास शहर के 1150 नजूल पट्टों के नवीनीकरण नहीं होने पर संबंधित पट्टाधारियों को एक माह का नोटिस जारी करने तथा समय सीमा में नवीनीकरण नहीं होने पर पट्टे निरस्त करने की कार्रवाई के निर्देश भी दिए।

'एक पेड़ मां के नाम' और जल संरक्षण अभियान की समीक्षा- कलेक्टर ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत अधिकाधिक पौधरोपण और उसकी ऑनलाइन प्रविष्टि सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वहीं 'जल गंगा संवर्धन अभियान' की समीक्षा करते हुए तालाबों से अतिक्रमण हटाने, जल स्रोतों के संरक्षण और निर्धारित कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने पर जोर दिया। वन विभाग द्वारा कंटूर ट्रेंच निर्माण कार्य में धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए अगली बैठक तक कार्य पूर्ण नहीं होने पर कार्रवाई की चेतावनी दी।

महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने पर जोर - लखपति दीदी एवं लखपति पशुपालक दीदी योजनाओं की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने अधिक से अधिक महिलाओं को योजनाओं से जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पात्र महिलाओं को समय पर ऋण उपलब्ध कराकर स्वरोजगार और दुग्ध उत्पादन से जोड़ा जाए, जिससे उनकी आय में स्थायी वृद्धि हो सके।

स्वास्थ्य, आवास और स्वरोजगार योजनाओं की भी समीक्षा- बैठक में जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, पीएम स्वनिधि, प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना, पीएम विश्वकर्मा, मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, कुसुम-बी योजना सहित विभिन्न स्वरोजगार और जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा कर पात्र हितग्राहियों तक लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए गए। गर्भवती महिलाओं के एएनसी पंजीयन, टीबी मुक्त भारत अभियान तथा गंभीर एनीमिया प्रबंधन की भी समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

श्री शरद कुमार शर्मा द्वारा की गई शिकायत तथ्यहीन

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पोलायकलॉ निवासी श्री शरद कुमार शर्मा द्वारा जिला स्तरीय जनसुनवाई में गत दिवस 16 जून 2026 को हंगामे के सबंध में समाचार पत्रो में प्रकाशित खबर के संबंध में अनुविभागीय अधिकारी शुजालपुर श्री राजकुमार हलदर द्वारा शिकायत के संबंध में वस्तुस्थिति से अवगत कराया गया है।

अनुविभागीय अधिकारी शुजालपुर श्री हलदर ने बताया कि शिकायतकर्ता श्री शरद कुमार शर्मा द्वारा कई दिनों से सीएम हेल्पलाइन व अन्य माध्यमों से शिकायते की जा रही है।

शिकायतकर्ता द्वारा सी.एम.हेल्पलाइन में शिकायत के समय नाम श्री मानसिंह दर्ज करवाया जाता है तथा मोबाइल नंबर 7415314573 का उपयोग किया जा रहा है जोकि श्री शरद कुमार शर्मा का मोबाइल नम्बर है। आवेदक द्वारा जिस भूमि के सीमांकन की मांग की जा रही है, उक्त भूमि शिकायतकर्ता श्री शरद कुमार शर्मा व श्री मानसिंह दोनों के नाम से ना होकर किरण शर्मा, मायाशर्मा तथा शकुन्तला शर्मा के नाम से दर्ज है। उक्त भूमि पर अतिक्रमण के संबंध में श्री शरद कुमार शर्मा द्वारा बार बार शिकायत की जा रही है जबकि भूमिस्वामी के आवेदन पर उक्त भूमि का सीमांकन न्यायालय तहसीलदार तहसील पोलायकला के आदेश के पालन में राजस्व दल द्वारा 02 सितंबर 2022 को किया गया, जिसमें आवेदक की भूमि पर किसी अन्य का आधिपत्य नहीं पाया गया, किंतु शिकायतकर्ता समीपस्थ शासकीय विद्यालय की भूमि को अपनी भूमि बताकर अपनी इच्छा अनुरूप सीमांकन चाहता है।

शिकायतकर्ता ने सीमांकन दल से वाद-विवाद किया तथा सीमांकन से संतुष्ट नहीं हुआ, जिसकी सूचना तहसीलदार पोलायकला ने अनुविभागीय अधिकारी शुजालपुर को दी तथा अनुविभागीय अधिकारी द्वारा पुनः सीमांकन हेतु दल गठित किया गया था जिसमें कालापीपल तहसील के राजस्व निरीक्षक श्री नितेश विलेय तथा अकोदिया तहसील के पटवारी श्री विष्णु जावरिया, श्री मुकेश टेलर एवं कस्बा पोलायकलां के पटवारी को सीमांकन के लिए आदेशित किया गया था, जिसके विरुद्ध शिकायतकर्ता श्री शरद कुमार शर्मा द्वारा 3 फरवरी 2023 को अनुविभागीय अधिकारी को लिखित आपत्ति प्रस्तुत की, जिसमें बताया कि मेरी भूमि के सीमांकन में पोलायकलां तहसील से कोई कर्मचारी/अधिकारी की ड्यूटी नहीं लगाई जाए। शिकायतकर्ता श्री शरद कुमार शर्मा द्वारा बार बार भूमि सर्वे क्र 4446/3/1, 4446/3/2, 4446/3/3 के नक्शे को पोर्टल पर दर्ज करने शिकायत भी की जाती है। न्यायालय तहसीलदार तहसील पोलायकला के प्रकरण क्र 04/अ-3/2023-24 आदेश दिनांक 27.06.2023 के द्वारा उक्त भूमि का नक्शा बटांकन स्वीकृत किया गया है जिसके अनुपालन में नक्शा अमल किया जा चुका है तथा सूचना आवेदकों को दी जा चुकी है। उक्त भूमि में नक्शा संबंधी कोई कार्य शेष नहीं है। जिस भूमि का उल्लेख शिकायतों में किया जा रहा है उस भूमि का नक्शा पोर्टल पर अपडेट किया जा चुका है तथा शिकायतकर्ता पोलायकला के किसी भी कर्मचारी अधिकारी से सीमांकन न करवा कर जिले से बाहर की टीम से करवाना चाहता है। जो कि नियमानुसार किया जाना संभव नहीं है।

जनकल्याण अभियान में सीहोर जिले में 36 हजार 33 आवेदनों का हुआ निराकरण

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व पर्यावरण दिवस 05 जून से 21 जून तक प्रदेशभर में संचालित किए जा रहे जनकल्याण अभियान के तहत सीहोर जिले में भी नागरिकों को शासन की जनहितैषी योजनाओं से जोड़ने और उनके द्वारा दिए गए आवेदनों का त्वरित निराकरण करने के लिए विशेष शिविरों का आयोजन किया गया। कलेक्टर श्री बालागुरु के. के निर्देशन में जिले के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में आयोजित इन शिविरों में बड़ी संख्या में नागरिक लाभान्वित हुए।

12 जून से 17 जून तक आयोजित जनकल्याण शिविरों में जिलेभर से कुल 36 हजार 56 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 36 हजार 33 आवेदनों का निराकरण किया जा चुका है। केवल 23 आवेदन लंबित हैं, जिनका निराकरण भी शीघ्र किया जा रहा है।

शिविरों में जनपद पंचायत एवं नगरीय निकाय स्तर पर नागरिकों द्वारा दिए गए आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई की गई। 17 जून तक ग्रामीण क्षेत्रों में ब्लॉक सीहोर में 7899 आवेदनों में से 7887, भैरूंदा में 5230 में से 5229, आष्टा में 4637 में से 4637, इछावर में 4542 में से 4542 तथा बुधनी में 4293 में से 4283 आवेदनों का निराकरण किया गया।

इसी प्रकार नगरीय क्षेत्रों में नगर पालिका सीहोर के 2809, नगर पालिका आष्टा के 1915, नगर परिषद बुधनी के 1019, इछावर के 771, रेहटी के 635, भैरूंदा के 627, कोठरी के 601, जावर के 577 तथा शाहगंज के 501 आवेदनों का निराकरण किया गया।

जनकल्याण शिविरों में नागरिकों द्वारा प्रस्तुत आवेदनों पर संबंधित विभागों द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए पात्र हितग्राहियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाया गया। शिविरों के माध्यम से लोगों को योजनाओं की जानकारी भी उपलब्ध कराई गई।

कलेक्टर श्री बालागुरु के. ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अभियान के अंतर्गत प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचे तथा नागरिकों द्वारा दिए गए आवेदनों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनकल्याण अभियान शासन और आमजन के बीच बेहतर संवाद एवं समन्वय का सशक्त माध्यम बन रहा है, जिससे लोगों को स्थानीय स्तर पर ही विभिन्न शासकीय सेवाओं और योजनाओं का लाभ प्राप्त हो रहा है।

शिविर मे पहुंच कर योजनाओं का लाभ उठायें - विधायक मालवीय

जनकल्याण शिविर में अतिथियों ने हितग्राहियों को वितरित किया हितलाभ

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह के मार्गदर्शन में जिले में जनकल्याणकारी योजनाओं/सेवाओं में पात्रता रखने वाले हितग्राहियों को लाभ प्रदान करने हेतु शासन के निर्देशानुसार नगरीय निकाय/विकासखंड मुख्यालय पर 3 दिवसीय जनकल्याण शिविरो का आयोजन किया जा रहा है।

तहसील आलोट में तीन दिवसीय जनकल्याण शिविर का आयोजन जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर आलोट विधायक श्री चिंतामणी मालवीय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षो से अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभप पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने आमजन को संबोधित करते हुए कहा कि शिविर मे पहुंच कर योजनाओं का लाभ उठायें ।

शिविर में नगर परिषद आलोट तथा नगर पालिका ताल के कुल 2642 आवेदन प्राप्त हुए। शिविर में बड़ी संख्या में हितग्राहियों ने अपनी समस्याओं का निराकरण कराया और शासकीय योजनाओं का लाभ लिया।

शिविर स्थल पर आमजन को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के उद्देश्य से शासन की योजनाओं एवं उपलब्धियों को प्रदर्शित करती हुई, प्रदर्शनी भी लगाई गई।

शिविर में विभागों द्वारा योजनाओं/सेवाओं में पात्रता रखने वाले हितग्राहियों को लाभ प्रदान करने हेतु स्टॉल लगाए गए है एवं योजनाओं से संबंधित जानकारी विभागों द्वारा नागरिकों को प्रदान की जा रही है ।

राज्य शासन द्वारा आयोजित जनकल्याण शिविरों में विभिन्न विभागों की 100 से अधिक जनहितैषी सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ नागरिकों को एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया जा रहा है। शिविरों में अनुसूचित जाति-जनजाति कल्याण, उच्च शिक्षा, उद्यानिकी, ऊर्जा, कृषि, जनजातीय कार्य, नगरीय विकास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, परिवहन, पशुपालन, मत्स्य पालन, महिला एवं बाल विकास, राजस्व, स्वास्थ्य, श्रम, सहकारिता, सामाजिक न्याय तथा सामान्य प्रशासन विभाग की सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। शासन का उद्देश्य नागरिकों को उनकी आवश्यक सेवाएं समयबद्ध एवं सरल तरीके से उपलब्ध कराना है, जिससे उन्हें कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और योजनाओं का लाभ आसानी से मिल सके।

शिविरों में जाति, आय, निवास, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, किसान सम्मान निधि, मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना/मुख्यमंत्री निकाह योजना, आयुष्मान कार्ड, लाड़ली लक्ष्मी योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, पीएम स्वनिधि, पीएम सूर्य घर योजना, लखपति दीदी योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, भवन निर्माण अनुज्ञा, नवीन विद्युत एवं नल कनेक्शन, ट्रेड लाइसेंस, आयुष्मान भारत योजना, आवेदक की आयु का चिकित्सा सत्यापन, प्रसूति सहायता का लाभ प्रदान करना, अंकसूची में सुधार, जाति प्रमाण -पत्र, सामाजिक सुरक्षा पेंशन सहित अनेक योजनाओं के आवेदन एवं निराकरण की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

शिविर में एसडीएम आलोट श्रीमती रचना शर्मा एवं अन्य जिला स्तरीय अधिकारियों सहित विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति में ग्रामीणजनो के आवेदन प्राप्त कर उनका निराकरण किया गया ।

देपालपुर क्षेत्र की पूर्व सरपंच श्रीमती गंगाबाई पंवार का निधन

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षेत्र की वरिष्ठ समाजसेवी एवं पूर्व सरपंच श्रीमती गंगाबाई पंवार का निधन हो गया। उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है। वे स्वर्गीय श्री अंतरसिंह जी पंवार की धर्मपत्नी थीं तथा जनपद अध्यक्ष देपालपुर गुमानसिंह पंवार की माताजी, अर्जुनसिंह पंवार की दादी एवं राजवीर पंवार की परदादी थीं। श्रीमती गंगाबाई पंवार ने अपने जीवनकाल में ग्राम एवं समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके निधन का समाचार मिलते ही जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों एवं क्षेत्रवासियों ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। परिजनों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार उनकी अंतिम यात्रा 17 जून 2026, बुधवार को प्रातः 10 बजे उनके निज निवास से निकाली, जिसके पश्चात उनका अंतिम संस्कार बोरसी मुक्ति धाम में किया गया । क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों ने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने तथा परिवार को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

हर वर्ग तक पहुंचाए केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ- प्रदेश मंत्री श्री भाटी

खरगोन/ अंजू त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश मंत्री बलवंत भाटी बुधवार को जिले के प्रवास पर पहुंचे। उनके आगमन पर भाजपा कार्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। भाटी का यह प्रवास जिले में पिछड़ा वर्ग मोर्चा को सशक्त करने और संगठन की गतिविधियों को गति प्रदान करने के उद्देश्य से किया गया है। भाजपा पिछड़ा वर्ग प्रदेश पदाधिकारी जितेंद्र यादव, मोर्चा जिलाध्यक्ष गणेश पटेल, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष शीला पटेल आदि ने स्वागत किया। इस दौरान प्रदेश मंत्री श्री भाटी ने एक परिचयात्मक बैठक में हिस्सा लिया। मोर्चा जिलाध्यक्ष श्री पटेल ने कहा कि प्रदेश मंत्री का यह प्रवास जिले में पार्टी के पिछड़ा वर्ग मोर्चा के लिए नई ऊर्जा और दिशा प्रदान करने वाला सिद्ध होगा, जिससे संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूती मिलेगी। बैठक के दौरान भाटी ने संगठन की वर्तमान स्थिति और भविष्य की कार्य योजना पर चर्चा की। उन्होंने पिछड़ा वर्ग समुदाय के बीच पार्टी की पहुंच बढ़ाने, केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याण कारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने तथा सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी कांतिलाल कर्मा ने बताया मोर्चा प्रदेश मंत्री श्री भाटी औंकारेश्वर में दर्शन के लिए पहुंचे थे। यहां से बड़वाह, सनावद में पार्टी पदाधिकारियों-कार्यकर्ताओं सहित जनप्रतिनिधियों से मुलाकात करने के बाद दोपहर 3 बजे मुख्यालय पहुंचे। बैठक के बाद श्री भाटी बड़वानी के लिए रवाना हुए। कार्यालय पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रभा राठौड़, मंडल अध्यक्ष अभिलाष अत्रे, अजजा मोर्चा जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर भालसे, महिला मोर्चा नगर अध्यक्ष शीतल राठौड़, रवि जायसवाल, राजेश सागोरे, गुंजन गडकरी, गोकुल वर्मा, आकाश गुप्ता, मनोज राठौड़, सीमा पाठक, सीमा वर्मा, मालती चंदेल, उमेश दुबे, दर्शना मोयदे सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता-पदाधिकारी मौजूद रहे।

वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप एवं महाराजा छत्रसाल जयंती पर शाजापुर में निकली भव्य शौर्य यात्रा

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप एवं महाराजा छत्रसाल जयंती के पावन अवसर पर समस्त राजपूत समाज द्वारा शाजापुर नगर में भव्य शौर्य यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा में समाज के वरिष्ठजनों एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी एकता, संस्कृति एवं गौरवशाली परंपराओं का परिचय दिया।

शौर्य यात्रा का शुभारंभ महाराणा प्रताप छात्रावास, आदर्श कॉलोनी, शाजापुर से शुरू हुई यात्रा में राजपूत समाज के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक जसवंत सिंह हाड़ा, योगेंद्र सिंह ÷बंटी÷ बना, रामवीर सिंह सिकरवार, प्रताप सिंह गोहिल, भंवर सिंह कनाड़िया सहित समाज के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

युवाओं की टीम ने यात्रा को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हजारों की संख्या में समाजबंधुओं की उपस्थिति ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक एवं भव्य स्वरूप प्रदान किया।

यात्रा के दौरान महाराणा प्रताप एवं महाराजा छत्रसाल के जयघोषों से पूरा नगर गुंजायमान हो उठा। नगर के विभिन्न मार्गों एवं प्रमुख चौराहों पर सर्व समाज के लोगों द्वारा पुष्पवर्षा कर एवं स्वागत मंच लगाकर शौर्य यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं व्यापारिक संगठनों ने भी यात्रा का अभिनंदन करते हुए सहभागिता निभाई, जिससे सामाजिक समरसता एवं भाईचारे का उत्कृष्ट संदेश प्रसारित हुआ।

वक्ताओं ने दोनों महापुरुषों के शौर्य, त्याग, राष्ट्रभक्ति एवं स्वाभिमान से प्रेरणा लेकर समाज एवं राष्ट्रहित में कार्य करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन पर समस्त राजपूत समाज, सर्व समाज के नागरिकों, वरिष्ठजनों, युवाओं एवं सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया गया। श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना शाजापुर जिला अध्यक्ष कुं. धर्मेन्द्र सिंह सिसोदिया द्वारा दी गई।

नशामुक्त भारत अभियान के तहत जिला स्तरीय मास्टर वालंटियर्स प्रशिक्षण संपन्न

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग और वाल्मी संस्था द्वारा संचालित ÷नशामुक्त भारत अभियान÷ के अंतर्गत जिला स्तरीय मास्टर वालंटियर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन जनपद पंचायत सभाकक्ष, खंडवा में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में नशामुक्ति के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना तथा प्रशिक्षित वालंटियर्स के माध्यम से लोगों तक नशामुक्त भारत का प्रभावी संदेश पहुंचाना था। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित भोपाल के राज्य स्तरीय प्रशिक्षक डॉ मनोज अग्रवाल ने कहा कि अधिकांश युवा गलत संगत के कारण नशे की गिरफ्त में आते हैं और अक्सर नशे की शुरुआत किसी मित्र के माध्यम से ही होती है। इसलिए किशोर एवं युवावस्था में विशेष सतर्कता और मार्गदर्शन की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति नशे की गिरफ्त में हे तो हमारा यह कर्तव्य हे कि उसे हम नशे से बाहर निकाले । नशा केवल व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि उसके पूरे परिवार को प्रभावित करता है। ऐसे परिवारों को बचाने के लिए समाज में निरंतर जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है, जिसमें मास्टर वालंटियर्स की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रशिक्षण के प्रथम सत्र में प्रजापिता ईश्वरीय ब्रम्हाकुमारीज विश्व विद्यालय शाखा खंडवा की बी के शक्ति दीदी के नेतृत्व में नशा मुक्ति संबंधित नुक्कड़ नाटक का आयोजन सुशीला दीदी, सुनील तीर्थंक एवं अन्य के द्वारा किया गया।

सुसनेर थाने में बड़ा फेरबदल, 10 पुलिसकर्मी हुए स्थानांतरित, 7 की हुई नई पदस्थापना

पुलिस अधीक्षक के आदेश के बाद थाने में बदली कार्य व्यवस्था

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सोनी द्वारा जिले के विभिन्न थानों में पदस्थ पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के तबादले संबंधी आदेश जारी किए गए हैं। प्रशासनिक दृष्टि से किए गए इस फेरबदल में थाना सुसनेर से 10 पुलिसकर्मियों का अन्य थानों में स्थानांतरण किया गया है। जबकि 7 पुलिसकर्मियों की नवीन पदस्थापना थाना सुसनेर में की गई है।

आदेश के बाद संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को तत्काल नवीन पदस्थापना स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।

जारी आदेश के अनुसार थाना सुसनेर से उप निरीक्षक आलोक परेटिया को थाना कानड़, कार्यवाहक सउनि सुमेर सिंह मीणा को थाना कानड़, सउनि सुरेन्द्र सिंह यादव को थाना कानड़, प्रधान आरक्षक धर्मेन्द्र पाटीदार को थाना बड़ौद, प्रधान आरक्षक बालकृष्ण त्रिकार को थाना यातायात, प्रधान आरक्षक हरीश यादव को थाना कानड़, आरक्षक देवेन्द्र सिंह गुर्जर को थाना नलखेड़ा, आरक्षक रामेश्वर यादव को थाना नलखेड़ा, आरक्षक पलाश नागर को थाना नलखेड़ा तथा आरक्षक मेहरबान सिंह को थाना सोयतकलां स्थानांतरित किया गया है।

वहीं थाना सुसनेर में उनि सचिन धाकड़ को थाना कोतवाली से, प्रधान आरक्षक अजय पाल को थाना कोतवाली से, प्रधान आरक्षक दुलीचंद गवली को थाना कानड़ से, प्रधान आरक्षक प्रकाश मालवीय को थाना कोतवाली से, आरक्षक राहुल दांगी को थाना सोयतकलां से, आरक्षक रोड़ीलाल दांगी को थाना नलखेड़ा से तथा आरक्षक संदीप दांगी को थाना सोयतकलां से सुसनेर पदस्थ किया गया है। पुलिस विभाग में हुए इस प्रशासनिक फेरबदल को कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूत एवं प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। नए अधिकारियों एवं कर्मचारियों के कार्यभार संभालने के बाद थाना सुसनेर की कार्यप्रणाली में भी बदलाव देखने को मिलेगा। पुलिस अधीक्षक ने सभी स्थानांतरित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शीघ्र नवीन पदस्थापना स्थल पर उपस्थित होकर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए है।

CATC -76 शिविर का भव्य शुभारंभ

खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। 36 एमपी बटालियन एनसीसी, खंडवा के तत्वावधान में जे.आई.टी. बोरावाँ में कंबाइंड एनुअल ट्रेनिंग कैंप -76 का भव्य शुभारंभ किया गया। 15 से 24 जून तक आयोजित इस दस दिवसीय शिविर में खंडवा, खरगोन, बडवानी, हरदा, बुरहानपुर एवं इंदौर सहित विभिन्न जिलों से लगभग 750 एनसीसी कैडेट्स सहभागिता कर रहे हैं। शिविर का संचालन कमान अधिकारी कर्नल के. राजेश के मार्गदर्शन में प्रशासनिक अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल राजेंद्र पांचाल, सूबेदार मेजर राजेंद्र खत्री तथा कैंप एडजुटेंट डॉ. एस.एस. रावत द्वारा किया जा रहा है। शिविर के उद्घाटन अवसर पर कमान अधिकारी कर्नल के. राजेश ने कैडेट्स को संबोधित करते हुए कहा कि National Cadet Corps विश्व का सबसे बडा युवा संगठन है। आज के कैडेट्स ही भविष्य के नेतृत्वकर्ता हैं, जो विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सेवाएं देकर राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि एनसीसी कैडेट्स समाज के 'चेंज मेकर्स' हैं, जो स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, साक्षरता अभियान, नशामुक्ति तथा आपदा प्रबंधन जैसे कार्यों में अग्रणी भूमिका निभा सकते हैं। कर्नल राजेश ने बताया कि एनसीसी केवल सैन्य प्रशिक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व क्षमता, साहसिक गतिविधियों और सामाजिक सेवा के अवसर भी प्रदान करता है। शिविर के माध्यम से कैडेट्स में आत्मविश्वास, जिम्मेदारी और आत्मनिर्भरता की भावना विकसित होगी। उन्होंने कहा कि शिविर में पहली बार घर से दूर रह रहे कैडेट्स को अपने कार्य स्वयं करने का अवसर मिलेगा, जिससे उनके जीवन कौशल में वृद्धि होगी। शिविर में महिला सशक्तिकरण की सशक्त उपस्थिति भी देखने को मिल रही है, जहां बडी संख्या में गर्ल कैडेट्स उत्साहपूर्वक भाग ले रही हैं। कर्नल राजेश ने गर्ल कैडेट्स की सराहना करते हुए कहा कि एनसीसी उन्हें शारीरिक, मानसिक और प्रशासनिक रूप से सशक्त बनाता है, जिससे वे सेना, पुलिस, प्रशासन, कॉर्पोरेट एवं राजनीति जैसे क्षेत्रों में नेतृत्व की भूमिका निभाने में सक्षम बनती हैं। उन्होंने कैडेट्स को प्रेरित करते हुए कहा कि निरंतर आत्मविकास ही सफलता की कुंजी है। प्रत्येक कैडेट को शिविर की सभी गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता करनी चाहिए और अनुशासन को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए।

अहिल्या महिला मंडल, एनटीपीसी खरगोन द्वारा नव्या जन कल्याण समिति को सहयोग प्रदान

खरगोन/ अंजू त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सामुदायिक कल्याण एवं सामाजिक विकास के प्रति अपनी निरंतर प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए अहिल्या महिला मंडल, एनटीपीसी खरगोन द्वारा समाज के वंचित वर्गो के उत्थान के लिए कार्यरत नव्या जन कल्याण समिति को आवश्यक सामग्री प्रदान की गई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में अहिल्या महिला मंडल द्वारा संस्था को एक 15 लीटर का वाटर कूलर, दो स्टील अलमारी एवं आवश्यक बर्तन प्रदान किए गए, जिससे संस्था की दैनिक गतिविधियों एवं लाभार्थियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं को और सुदृढ़ किया जा सके।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्रीमती शैला मोहन, अध्यक्षा, अहिल्या महिला मंडल, ने सामुदायिक कल्याण के लिए सामूहिक प्रयासों के महत्व पर बल दिया। उन्होंने नव्या जन कल्याण समिति द्वारा किए जा रहे सराहनीय कार्यों की प्रशंसा करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि प्रदान की गई सामग्री संस्था को अपने लाभार्थियों की और अधिक प्रभावी ढंग से सेवा करने में सहायक सिद्ध होगी।

नव्या जन कल्याण समिति के प्रतिनिधियों ने इस सहयोग के लिए अहिल्या महिला मंडल एवं एनटीपीसी खरगोन के प्रति आभार व्यक्त किया तथा कहा कि ऐसे सहयोग सामाजिक संस्थाओं को अपने कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह पहल अहिल्या महिला मंडल एवं एनटीपीसी खरगोन की सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने, जमीनी स्तर पर कार्यरत संस्थाओं को सहयोग प्रदान करने तथा परियोजना क्षेत्र एवं आसपास के समुदायों के समग्र विकास में योगदान देने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

अर्हं योग प्रणेता प्रणम्यसागरजी के सानिध्य में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर हजारों योग प्रेमी जुटेंगे

योग का प्रभाव शारीरिक ही नही मानसिक विचारों पर भी सकारात्मक रूप में पड़ता है-मुनिश्री प्रणम्यसागरजी महाराज

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय, मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान, जिला प्रशासन व सकल जैन समाज मंदसौर द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर 21 जून रविवार को शहर के नूतन स्टेडियम में दिगंबर जैन मुनिश्री प्रणम्यसागर जी महाराज की निश्रा में विशाल योग साधना कार्यक्रम का आयोजन होगा। मुनिश्री प्रणम्यसागर जी द्वारा प्रणीत अर्हं योग की साधना भी इस ऐतिहासिक आयोजन में कराई जाएगी। कार्यक्रम में मंदसौर शहर के सभी समाज, सभी संस्थाएं, विद्यार्थी, व्यापारी वर्ग तथा सभी योग प्रेमी सम्मिलित होकर भव्यता प्रदान करेंगे। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के वृहद आयोजन के निमित्त 17 जून, बुधवार को स्थानीय तारबंगला पर प्रणम्यसागर जी महाराज की पत्रकारवार्ता का आयोजन किया गया, जिसमें जानकारियां दी गई।

पत्रकारवार्ता में मुनिश्री ने बताया ध्यान योग भारत वर्ष की असंख्य वर्षों की प्राचीन पद्धति है योग का प्रभाव शारीरिक ही नही मानसिक विचारों पर भी सकारात्मक रूप में पड़ता है। ध्यान से आत्मशक्ति बढ़ती है। एक प्रश्न के उत्तर में मुनिश्री ने कहा जिम में जाकर शरीर के साथ खिलवाड़ ना करें। आपने कहा कि राजनीति को धर्मनीति के साथ जोड़कर चलने के लिए गुरू की आवश्यकता होती है। मुनिश्री ने कहा शराब व कत्लखानों से ही सरकार को रेवेन्यू सबसे अधिक मिलता है इसलिए सरकार इन्हे बंद कराने की दिशा में कार्य नहीं कर रही। मुनिश्री ने अर्हं योग के बारे में जानकारी देते हुए बताया अर्हं योग साधना स्वस्थ तन, प्रसन्न मन और निर्मल चेतना का उपहार प्रदान करती है। जो आत्मा संसार परिभ्रमण से मुक्त हो गई है उसे एक शब्द में अर्हं कहा जाता है। उन्होंने कहा 'ऊँ' शक्ति का प्रतीक है व 'अर्हं' से विचारो में पवित्रता आती है। अर्हं योग आत्मविश्वास बढ़ाने और बुद्धि को स्थिर रखकर संसार की चिंताओं से मुक्त रहते हुए सुख और शांति प्राप्त करने का अद्भुत माध्यम है। मीडिया प्रभारी डॉ. चंदा कोठारी ने बताया कि मुनिश्री की यह योग साधना जन-जन के लिये वरदान है। ग्यारह वर्ष पूर्व मंदसौर में चातुर्मासिक प्रवास के दौरान बीज रूप में अर्हम योग की शुरुआत हुई थी। अर्हं योग के विश्व के अनेक देशों में 1100 से अधिक सर्टिफाइड ट्रेनर्स हैं। मुनिश्री अर्हं योग ध्यान साधना के माध्यम से शून्य से अनंत की और अहं से अर्हं की यात्रा करवाते हैं। मुनिश्री के सानिध्य में अर्हं योग के विशाल और भव्य आयोजन लाल किला दिल्ली, ताजमहल आगरा, सवाई मानसिंह स्टेडियम जयपुर, खजुराहो, झांसी, फतेहपुर सीकरी, कुतुब मीनार दिल्ली, आदि अनेक स्थानों पर हो चुके हैं, जहाँ हजारों की संख्या में योग साधकों ने एक साथ अर्हं योग की साधना कर जीवन में नई चेतना का संचार किया। इस अवसर पर सकल जैन समाज अध्यक्ष लोकेन्द्र जैन, महामंत्री शेखर कासमा व समाजजन सर्वश्री शांतिलाल बड़जात्या, डॉ. राजकुमार बाकलीवाल, नरेश दोशी, नंदकिशोर अग्रवाल, राजमल गर्ग, अजय बाकलीवाल, जयकुमार बड़जात्या, अरविंद मेहता, संजय दोशी, भूपेन्द्र कोठारी, भरत कोठारी, जितेन्द्र कोठारी, संदीप जैन, समर गांधी, डॉ. चंदा कोठारी एवं महिला प्रकोष्ठ की सदस्याएं उपस्थित थी। संचालन डॉ. चंदा कोठारी ने किया, आभार सकल जैन समाज अध्यक्ष लोकेन्द्र जैन ने व्यक्त किया।

पॉश-पॉक्सो कानूनों, सोशल मीडिया व महिला सुरक्षा, पर एनसीसी कैडेट्स को एडवोकेट तनुज दीक्षित ने किया संबोधित

एनसीसी के वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में बोले अधिवक्ता तनुज दीक्षित, कहा डिजिटल युग में युवतियों की जागरूकता ही सबसे बड़ी सुरक्षा

खरगोन/ अंजू त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। 1 एमपी गर्ल्स बटालियन राष्ट्रीय कैडेट कोर के वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में बुधवार को महिला सुरक्षा, पॉश अधिनियम, पॉक्सो अधिनियम, सोशल मीडिया सुरक्षा एवं कानूनी उत्तरदायित्व विषय पर एक विशेष जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सुप्रीम कोर्ट एवं मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के अधिवक्ता तनुज दीक्षित मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने 550 से अधिक कैडेट्स को बदलते डिजिटल परिवेश में कानून, सुरक्षा और सामाजिक उत्तरदायित्व के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया।

अपने संबोधन में अधिवक्ता तनुज दीक्षित ने कहा कि वर्तमान समय में मोबाइल फोन और सामाजिक माध्यम युवाओं के जीवन का अभिन्न अंग बन चुके हैं। इन माध्यमों ने जहाँ शिक्षा, संवाद और अवसरों के नए द्वार खोले हैं, वहीं साइबर अपराध, ऑनलाइन ठगी, फर्जी पहचान, डिजिटल उत्पीड़न और निजी जानकारी के दुरुपयोग जैसी गंभीर चुनौतियाँ भी सामने आई हैं। उन्होंने कहा कि तकनीक का उपयोग केवल सुविधा का विषय नहीं, बल्कि जिम्मेदारी का विषय भी है। डिजिटल माध्यमों पर की गई छोटी-सी असावधानी भी व्यक्ति की प्रतिष्ठा, सुरक्षा और भविष्य को प्रभावित कर सकती है।

उन्होंने महिला सुरक्षा से जुड़े कानूनी प्रावधानों, कार्यस्थलों एवं संस्थानों में सम्मानजनक वातावरण की आवश्यकता तथा बालकों एवं बालिकाओं को लैंगिक अपराधों से संरक्षण प्रदान करने वाले पॉक्सो अधिनियम के महत्वपूर्ण प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कानून का उद्देश्य केवल अपराधियों को दंडित करना नहीं, बल्कि समाज में सुरक्षा, सम्मान और विश्वास का वातावरण स्थापित करना भी है। महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध किसी भी प्रकार के अपराध या उत्पीड़न के प्रति संवेदनशील रहना प्रत्येक नागरिक का नैतिक एवं सामाजिक दायित्व है।

अधिवक्ता दीक्षित ने कैडेट्स को सोशल मीडिया के सुरक्षित एवं जिम्मेदार उपयोग के संबंध में भी मार्गदर्शन दिया। उन्होंने फर्जी प्रोफाइल, साइबर ठगी, ऑनलाइन ब्लैकमेलिंग, निजी तस्वीरों एवं व्यक्तिगत जानकारी के दुरुपयोग जैसी घटनाओं से सावधान रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि इंटरनेट पर साझा की गई प्रत्येक जानकारी एक स्थायी डिजिटल पहचान का हिस्सा बन जाती है, इसलिए किसी भी सामग्री को साझा करने से पूर्व उसके परिणामों पर अवश्य विचार करना चाहिए। उन्होंने युवतियों से किसी भी प्रकार के उत्पीड़न, धमकी अथवा अपराध की स्थिति में मौन न रहने और तत्काल विधिक सहायता प्राप्त करने का आह्वान किया।

सत्र के दौरान कैडेट्स के साथ संवादात्मक चर्चा भी आयोजित की गई, जिसमें साइबर सुरक्षा, व्यक्तिगत गोपनीयता, सामाजिक माध्यमों पर मर्यादित आचरण, महिला अधिकारों तथा कानूनी संरक्षण से जुड़े अनेक प्रश्नों पर विस्तार से चर्चा हुई। अधिवक्ता दीक्षित ने व्यवहारिक उदाहरणों एवं समसामयिक घटनाओं के माध्यम से कैडेट्स की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए उन्हें जागरूक, सतर्क एवं उत्तरदायी नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के समापन पर अधिवक्ता तनुज दीक्षित ने कहा कि, जागरूक युवा ही सुरक्षित समाज और सशक्त राष्ट्र की आधारशिला हैं। यदि कानून की जानकारी, नैतिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता और तकनीक के प्रति जिम्मेदार दृष्टिकोण एक साथ विकसित हो जाए, तो न केवल व्यक्ति स्वयं सुरक्षित रहता है, बल्कि समाज और राष्ट्र को भी नई दिशा प्रदान कर सकता है।

इस अवसर पर कर्नल टी. एन. सिंह, मेजर एकता जायसवाल, एएनओ, जीसीआई, पीआई स्टाफ तथा बड़ी संख्या में राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन सुरक्षित, जागरूक एवं उत्तरदायी युवा शक्ति के निर्माण के संकल्प के साथ हुआ।

जन कल्याण शिविरों में कलेक्टर ने सुनीं समस्याएं, अधिकारियों को दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने जनपद पंचायत पेटलावद के क्लस्टर बोलासा, बरवेट एवं करवड़ में आयोजित जन कल्याण शिविरों का निरीक्षण कर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध निराकरण के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी ली तथा शिविरों में उपस्थित नागरिकों से संवाद किया।

क्लस्टर बोलासा में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने पर जोर- क्लस्टर बोलासा में निरीक्षण के दौरान विद्युत विभाग के कर्मचारी जितेंद्र वाघेला के अनुपस्थित पाए जाने पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने किसानों से रासायनिक उर्वरकों का सीमित उपयोग कर गोबर खाद एवं केंचुआ खाद जैसी जैविक खादों को अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती से भूमि की उर्वरा शक्ति लंबे समय तक बनी रहती है तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए भी कृषि भूमि सुरक्षित रहती है। प्रारंभिक वर्षों में उत्पादन कम हो सकता है, लेकिन समय के साथ बेहतर परिणाम प्राप्त होते हैं।

कलेक्टर ने कहा कि मुख्यमंत्री की पहल से प्रशासन गांव-गांव पहुंचकर लोगों की समस्याओं का निराकरण कर रहा है। खाद की कालाबाजारी रोकने के लिए ई-टोकन व्यवस्था लागू की गई है, जिसके माध्यम से किसान अपनी आवश्यकता अनुसार उर्वरक प्राप्त कर सकते हैं।

उन्होंने जिले में उद्यानिकी फसलों की संभावनाओं पर भी चर्चा की और अधिकारियों को किसानों को मिर्च, टमाटर, खीरा सहित अन्य सब्जी फसलों, विपणन व्यवस्था तथा शीत भंडारण सुविधाओं की जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए उद्यानिकी एवं मूल्य संवर्धन आधारित खेती को बढ़ावा देना आवश्यक है।

कलेक्टर ने यह भी कहा कि सर्पदंश अथवा पानी में डूबने से मृत्यु संबंधी झूठी जानकारी देकर शासकीय सहायता प्राप्त करना दंडनीय अपराध है। ऐसे मामलों में संबंधित हितग्राहियों के साथ-साथ मिलीभगत करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध भी कठोर कार्रवाई की जाएगी।

शिविर में उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों द्वारा विभागीय योजनाओं, ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया, फल एवं सब्जी उत्पादन तथा औषधीय पौधों की खेती संबंधी जानकारी किसानों को प्रदान की गई।

क्लस्टर बरवेट में विभिन्न समस्याओं पर दिए निर्देश- क्लस्टर बरवेट में आंगनवाड़ी भर्ती संबंधी आपत्ति आवेदन के संबंध में महिला एवं बाल विकास विभाग की जानकारी संतोषजनक नहीं पाए जाने पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त की। शिविर में दिव्यांग हितग्राही मांगीलाल को पेंशन नहीं मिलने, ग्राम पीपलीपाड़ा में स्कूल भवन निर्माण, बरवेट उप स्वास्थ्य केंद्र भवन की आवश्यकता तथा दशरथ सिंह शंकरसिंह के नक्शा सुधार संबंधी आवेदन प्राप्त हुए, जिन पर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कलेक्टर ने कहा कि बारिश के मौसम में सर्पदंश की घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है। ऐसी स्थिति में प्रभावित व्यक्ति को तत्काल अस्पताल पहुंचाना चाहिए, क्योंकि अस्पतालों में आवश्यक उपचार एवं दवाएं उपलब्ध हैं। उन्होंने पुनः स्पष्ट किया कि सामान्य मृत्यु को गलत तरीके से सर्पदंश अथवा पानी में डूबने से मृत्यु दर्शाकर सहायता प्राप्त करने का प्रयास गंभीर अपराध है और ऐसे मामलों में संबंधित व्यक्तियों एवं अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने ग्रामीणों से जन कल्याण शिविरों का अधिकतम लाभ लेने तथा शासन की पात्रता आधारित योजनाओं के लिए आवेदन प्रस्तुत करने का आग्रह किया। साथ ही किसानों को खरीफ सीजन को ध्यान में रखते हुए समय रहते उर्वरकों का भंडारण करने की सलाह दी।

क्लस्टर करवड़ में आधार कार्ड, पात्रता पर्ची एवं निर्माण कार्यों के प्रकरणों का निराकरण- क्लस्टर करवड़ में एक हितग्राही द्वारा अतिक्रमण संबंधी समस्या रखी गई, जिस पर कलेक्टर ने तहसीलदार को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। सकरीबाई का एक हाथ नहीं होने के कारण आधार कार्ड नहीं बन पाने की समस्या पर संबंधित अधिकारियों को विशेष व्यवस्था कर आधार कार्ड बनवाने के निर्देश दिए गए। मुकेश गामड़ द्वारा पात्रता पर्ची बनाए जाने का आवेदन प्रस्तुत किया गया, जिसके निराकरण के निर्देश दिए गए।

ग्राम गुनावद में आंगनवाड़ी भवन निर्माण कार्य में विलंब पाए जाने पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि जन कल्याण शिविरों का उद्देश्य शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना तथा ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर निराकरण सुनिश्चित करना है। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों पर त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेटलावद सुश्री तनुश्री मीणा एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

19 जून को सेंधवा में होगा एससी-एसटी उद्यमिता जागरूकता एवं स्पेशल वेंडर डेवलपमेंट प्रोग्राम

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। दलित इंडियन चौंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (डिक्की) द्वारा, नेशनल एससी-एसटी हब, एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से 19 जून 2026 को होटल अग्रवाल मिडवे, सेंधवा जिला बड़वानी में एससी-एसटी उद्यमिता जागरूकता एवं स्पेशल वेंडर डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक आयोजित होगा। डिक्की देश में एससी-एसटी उद्यमियों, व्यवसायियों एवं व्यापारियों का एक प्रमुख एवं मान्यता प्राप्त चौंबर ऑफ कॉमर्स है, जो युवाओं को स्वरोजगार एवं उद्यमिता के लिए प्रेरित करने तथा उन्हें विभिन्न शासकीय योजनाओं से जोड़ने का कार्य कर रहा है। इसी उद्देश्य को लेकर यह विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में नेशनल एससी-एसटी हब, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, एनएसआईसी, एमएसएमई-डीएफओ इंदौर, एनटीपीसी, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन, आईओसीएल, एचपीसीएल सहित विभिन्न केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों के प्रतिनिधि, बैंकिंग संस्थानों के अधिकारी तथा राज्य शासन के विभिन्न विभागों के विशेषज्ञ भाग लेंगे। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को एससी-एसटी हब की योजनाओं, 25 लाख तक की कैपिटल सब्सिडी, बैंक ऋण सुविधाओं, प्रोसेसिंग फीस प्रतिपूर्ति, जेम पोर्टल पर पंजीयन, सरकारी खरीद में अवसर, वेंडर रजिस्ट्रेशन, मार्केट एक्सेस, उद्यम पंजीकरण तथा विभिन्न स्वरोजगार एवं उद्यमिता योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की जाएगी। विशेषज्ञों द्वारा यह भी बताया जाएगा कि किस प्रकार एससी-एसटी उद्यमी केंद्रीय एवं राज्य शासन की योजनाओं का लाभ लेकर अपना उद्योग स्थापित कर सकते हैं तथा सार्वजनिक उपक्रमों एवं सरकारी विभागों के साथ व्यवसायिक अवसर प्राप्त कर सकते हैं। डिक्की मध्यप्रदेश चौप्टर के अध्यक्ष डॉ. अनिल सिरवैया एवं महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र बड़वानी श्री एस. एल. सोलंकी ने जिले के युवाओं, महिलाओं, स्टार्टअप्स, उद्यमियों एवं व्यवसायियों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम केवल योजनाओं की जानकारी देने तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रतिभागियों को उद्योग स्थापना, वित्त, बाजार एवं सरकारी खरीद प्रणाली से जोड़ने का एक प्रभावी मंच प्रदान करेगा। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ दयाराम सिंगोरिया मोबाइल नम्बर 9575929004 ने बताया कि बड़वानी जिले में पहली बार एससी-एसटी हब का कार्यक्रम हो रहा है। कृषि प्रधान जिला होने के कारण खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों की स्थापना की अनंत संभावनाएं हैं। जिले में अनुसूचित जनजाति बाहुलता के कारण स्व-रोजगार एवं उद्यमिता विकास की महती आवश्यकता है ।

आगामी त्योहारों को लेकर शांति समिति की बैठक संपन्न

आलीराजपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में आगामी मोहर्रम, ईद, जगन्नाथ यात्रा , सावन माह एवं स्वतंत्रता दिवस सहित अन्य त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर श्रीमती नीतू माथुर ने की। बैठक में जिले के विभिन्न समाजों के प्रमुखों से विस्तृत चर्चा करते हुए कलेक्टर श्रीमती माथुर ने सभी से अपने-अपने त्योहार हर्षोल्लास एवं आपसी भाईचारे के साथ मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी भी धार्मिक आयोजन या कार्यक्रम की रूपरेखा पूर्व से निर्धारित कर प्रशासन को अवगत कराए , ताकि सुरक्षा सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित की जा सकें। कलेक्टर ने पुलिस एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी धार्मिक आयोजनों के दौरान समाज प्रमुखों के साथ समन्वय स्थापित कर आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पहले पूरी की जाएं। साथ ही नगरीय क्षेत्रों में साफ-सफाई, पेयजल, विद्युत और सुरक्षा व्यवस्था को विशेष रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित विभाग प्रमुख को दिए । उन्होंने शांति समिति के सदस्यों से चर्चा करते हुए कहा कि सभी धर्मो और समुदायों के बीच आपसी सामंजस्य बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। किसी भी प्रकार की समस्या, सुझाव या सहयोग के लिए प्रशासन को तुरंत अवगत कराएं, ताकि समय रहते समाधान किया जा सके। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री रघुवंश सिह भदौरिया ने कहा कि जिले में पुलिस द्वारा सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। तथा असामाजिक तत्वों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने समाज के वरिष्ठ नागरिकों और जनप्रतिनिधियों से अपील की कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और आपसी समन्वय बनाकर जिले का वातावरण शांतिपूर्ण बनाए रखें।

बैठक के दौरान समिति के सदस्यों ने सुझाव देते हुए कहा कि मोहर्रम एवं अन्य पर्वो के दौरान निर्धारित स्थलों पर विसर्जन के लिए साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था की जाए तथा शहरी क्षेत्रों में तय तिथियों पर विशेष सफाई अभियान चलाया जाए। जिसको लेकर कलेक्टर श्रीमती माथुर ने संबंधित विभाग को उचित कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया ।

इस दौरान अपर कलेक्टर श्री सोहन कनाश , अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती ज्योति अमठ बघेल , संयुक्त कलेक्टर श्री विरेन्द्र सिंह बघेल , अनुविभागीय अधिकारी सुश्री निधि मिश्रा सहित संबंधित विभाग प्रमुख एवं समस्त समाज के वरिष्ठजन उपस्थित थे ।

कलेक्टर ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र करवड़ का किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने जनपद पंचायत पेटलावद अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र करवड़ का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ओपीडी, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं सहित विभिन्न पंजीयों का अवलोकन किया तथा स्वास्थ्य केंद्र में रिकॉर्ड संधारण की स्थिति की समीक्षा की।

कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को ओपीडी रजिस्टर सहित सभी आवश्यक अभिलेखों एवं पंजीयों का नियमित एवं व्यवस्थित संधारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित सभी प्रविष्टियां समय पर एवं सही तरीके से दर्ज की जानी चाहिए, ताकि आवश्यकतानुसार जानकारी उपलब्ध हो सके तथा योजनाओं की प्रभावी मॉनिटरिंग की जा सके।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने गर्भवती महिलाओं की जांच एवं देखभाल संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। एक माह में लगभग 50 गर्भवती महिलाओं की जांच किए जाने पर उन्होंने संतोष व्यक्त किया तथा स्वास्थ्य अमले को मातृ स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध दवाइयों, टीकाकरण व्यवस्था, प्रयोगशाला सेवाओं, प्रसव सेवाओं, स्वच्छता व्यवस्था, पेयजल उपलब्धता एवं मरीजों को दी जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं की भी समीक्षा की। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने, मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने तथा आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही स्वास्थ्य केंद्र में आने वाले मरीजों एवं गर्भवती महिलाओं की नियमित फॉलोअप एवं समयबद्ध जांच सुनिश्चित करने को कहा।

कलेक्टर ने कहा कि गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच, आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं एवं समय पर परामर्श उपलब्ध कराना स्वास्थ्य विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र में आने वाले सभी मरीजों को बेहतर उपचार एवं सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं के प्रभावी संचालन एवं शासन की स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने पर जोर दिया।

इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेटलावद सुश्री तनुश्री मीणा एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी, स्टाफ उपस्थित रहे।

खाद्य सुरक्षा पर सख्ती: मिलावटी सामग्री बेचने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई

आलीराजपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती नीतू माथुर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में खाद्य सुरक्षा विषय पर जिला स्तरीय सलाहकार समिति समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में मिलावटी खाद्य पदार्थों पर रोक लगाने और लंबित गंभीर मामलों के त्वरित निराकरण को लेकर महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने जानकारी दी कि जिले में निरंतर निरीक्षण और भ्रमण के माध्यम से मिलावटी खाद्य सामग्री पर नियंत्रण के प्रयास किए जा रहे हैं। विभिन्न दुकानों से खाद्य पदार्थों के नमूने एकत्रित किए गए हैं। गत वर्ष लिए गए नमूनों में 3 इकाइयों की खाद्य सामग्री और 2 स्थानों से लिए गए कोल्ड ड्रिंक के सैंपल प्रयोगशाला परीक्षण में फेल पाए गए हैं। संबंधित इकाइयों के विरुद्ध प्रकरण तैयार कर अपर कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत किए गए हैं, जहां वे विचाराधीन हैं। कलेक्टर श्रीमती माथुर ने निर्देश दिए कि वर्षा ऋतु से पूर्व राजस्व अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर विशेष अभियान चलाया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जिले में किसी भी स्थिति में दूषित एवं मिलावटी खाद्य पदार्थों के विक्रय को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

जिला पंचायत खण्डवा के अत्याधुनिक सभागार का लोकार्पण किया अध्यक्ष श्रीमती वानखेड़े ने

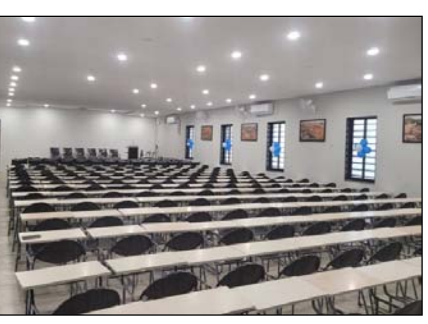

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला पंचायत खण्डवा के पुराने सभाकक्ष का पंद्रहवें वित्त आयोग से प्राप्त राशि से जीर्णोद्धार एवं आधुनिकीकरण कर उसे एक अत्याधुनिक वातानुकूलित सभागार के रूप में विकसित किया गया है। इस नवनिर्मित सभागार का लोकार्पण मंगलवार को जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती पिंकी सुदेश वानखेड़े ने जिला पंचायत सदस्यों एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. नागार्जुन गौड़ा की गरिमामयी उपस्थिति में किया।

इस अवसर पर बताया सीईओ डॉक्टर गौड़ा ने बताया कि पूर्व में जीर्ण-शीर्ण अवस्था में पहुंच चुके सभाकक्ष का पूर्ण रूप से नवीनीकरण कर उसे आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है। सभागार की बैठक क्षमता बढ़ाकर लगभग 300 व्यक्तियों के बैठने की व्यवस्था की गई है। साथ ही इस सभाकक्ष में प्रशिक्षण, कार्यशालाओं, समीक्षा बैठकों, सेमीनारों एवं अन्य महत्वपूर्ण आयोजनों के सफल संचालन हेतु प्रोजेक्टर, कम्प्यूटर सिस्टम, साउंड सिस्टम, आधुनिक मंच व्यवस्था उपलब्ध कराई गई है।जिला पंचायत की साधारण सभा की बैठक में इस नवीन सभागार के उपयोग एवं संचालन संबंधी महत्वपूर्ण निर्णय भी लिए गए। निर्णयानुसार अन्य शासकीय विभागों के लिए सभागार का किराया आधे दिवस हेतु ?2,500 तथा पूर्ण दिवस हेतु ?3,000 निर्धारित किया गया है। इसी प्रकार अशासकीय संस्थाओं के लिए आधे दिवस हेतु ?3,500 तथा पूर्ण दिवस हेतु ?5,000 किराया निर्धारित किया गया है। सभागार के आरक्षण हेतु कार्यक्रम आयोजित करने वाली संस्था अथवा व्यक्ति को कार्यक्रम की प्रस्तावित तिथि से कम से कम एक सप्ताह पूर्व मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत खण्डवा को आवेदन प्रस्तुत कर स्वीकृति प्राप्त करनी होगी। निर्धारित किराया राशि जिला पंचायत की लेखा शाखा में जमा कर रसीद प्राप्त करना भी अनिवार्य होगा।

जिला पंचायत द्वारा यह भी निर्णय लिया गया कि नवीन सभागार को शासकीय एवं अशासकीय संस्थाओं के लिए प्रशिक्षण, कार्यशाला, समीक्षा बैठक, सेमीनार तथा अन्य रचनात्मक आयोजनों हेतु किराये पर उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे जिले में विभिन्न संस्थागत गतिविधियों को एक उत्कृष्ट एवं आधुनिक मंच उपलब्ध हो सके।

सभागार को किराये पर प्राप्त करने के इच्छुक व्यक्ति अथवा संस्थाएं अधिक जानकारी एवं आरक्षण संबंधी प्रक्रिया हेतु श्री अखिल बिल्लौरे से मोबाइल नंबर 8770015454 पर संपर्क कर सकते हैं।

आलोट जनकल्याण शिविर में अतिथियों ने हितग्राहियों को वितरित किया हितलाभ

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह के मार्गदर्शन में जिले में जनकल्याणकारी योजनाओं/सेवाओं में पात्रता रखने वाले हितग्राहियों को लाभ प्रदान करने हेतु शासन के निर्देशानुसार नगरीय निकाय/विकासखंड मुख्यालय पर 3 दिवसीय जनकल्याण शिविर संपन्न हुए।

तहसील आलोट में तीन दिवसीय जनकल्याण शिविर का आयोजन जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया गया।

शिविर में नगर परिषद आलोट तथा नगर पालिका ताल के कुल 3570 आवेदन प्राप्त हुए। शिविर में बड़ी संख्या में हितग्राहियों ने अपनी समस्याओं का निराकरण कराया और शासकीय योजनाओं का लाभ लिया। शिविर स्थल पर आमजन को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के उद्देश्य से शासन की योजनाओं एवं उपलब्धियों को प्रदर्शित करती हुई, प्रदर्शनी भी लगाई गई।

शिविर में विभागों द्वारा योजनाओं/सेवाओं में पात्रता रखने वाले हितग्राहियों को लाभ प्रदान करने हेतु स्टॉल लगाए गए है एवं योजनाओं से संबंधित जानकारी विभागों द्वारा नागरिकों को प्रदान की जा रही है । शिविर में एसडीएम आलोट श्रीमती रचना शर्मा एवं अन्य जिला स्तरीय अधिकारियों सहित विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति में ग्रामीणजनो के आवेदन प्राप्त कर उनका निराकरण किया गया ।

खरगोन पुलिस ने अवैध विदेशी शराब की तस्करी के विरुद्ध की बड़ी कार्यवाही

पुलिस थाना करही पर किया धारा 34(2) आबकारी एक्ट का प्रकरण दर्ज

खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस महानिरीक्षक इंदौर जोन इंदौर (ग्रामीण) श्री अनुराग एवं पुलिस उप महानिरीक्षक निमाड रेंज खरगोन श्री सिद्धार्थ बहुगुणा द्वारा अवैध शराब निर्माण, बिक्री एवं परिवहन पर अंकुश लगाने हेतु निर्देशित किया गया था। उक्त निर्देशों के परिपालन में पुलिस अधीक्षक खरगोन श्री रविन्द्र वर्मा के निर्देशन व अति.पुलिस अधीक्षक खरगोन (ग्रामीण) श्रीमति शकुन्तला रुहल के मार्गदर्शन में समस्त अनुविभागीय अधिकारी पुलिस व समस्त थाना प्रभारियों को प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया था। इसी तारतम्य में थाना करही पर पुलिस टीम ने कुल 150 पेटी अवैध विदेशी शराब की तस्करी के विरुद्ध की बड़ी कार्यवाही करने में सफलता हासिल की है।

घटना का संक्षिप्त विवरण- दिनांक 17.06.26 को पुलिस थाना टीम करही को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि, एक ट्रैक्टर-ट्रॉली क्रमांक स्क्क3 9498 में भारी मात्रा में अवैध शराब भरकर बड़वाह की ओर से नहर मार्ग से मंडलेश्वर की तरफ ले जाई जा रही है तथा उसके आगे-पीछे एक सफेद रंग की ब्रेजा कार द्वारा रेकी की जा रही है।

प्राप्त मुखबिर की सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए थाना प्रभारी करही निरीक्षक श्री राजेन्द्र इंगले के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया एवं पुलिस टीम को मुखबिर की सूचना से अवगत करवा कर आरोपियों की धरपकड़ कर वैधानिक कार्यवाही करने हेतु रवाना किया गया।पुलिस टीम के द्वारा ग्राम कतरगांव बड़ी नहर मार्ग पर नाकाबंदी की गई व मुखबिर के बताए हुलिये अनुसार ट्रैक्टर-ट्रॉली व ब्रेजा कार के आने का इंतजार किया गया। थोड़ी देर बाद पुलिस टीम को मुखबिर के बताए अनुसार ट्रैक्टर-ट्रॉली व ब्रेजा कार आते दिखाई दी जिसे टीम ने रोकने का प्रयास किया जिसमे ट्रैक्टर - ट्रॉली के चालक को टीम ने पकड़ लिया परंतु ब्रेजा कार का चालक कार छोड़ कर मौके से भाग निकला। पुलिस टीम के द्वारा ट्रैक्टर-ट्रॉली के चालक से उसका नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम राजू निवासी ग्राम रिंजलाय गांधी नगर इंदौर का होना बताया। पुलिस टीम के द्वारा ट्रॉली को चेक करने पर उसमें मक्का की कड़प के नीचे 150 बीयर की पेटियां छिपाकर रखी होना दिखाई दी। पुलिस टीम के द्वारा मिली बीयर की पेटियों को परिवहन करने के संबंध में वैध लाइसेंस या दस्तावेज का पूछने पर राजू ने कोई वैध लाइसेंस या दस्तावेज नहीं होना बताया। पुलिस टीम के द्वारा राजू निवासी ग्राम रिंजलाय गांधी नगर इंदौर को गिरफ्तार कर माउंट बीयर 103 पेटी, बोल्ट सुपर स्ट्रॉन्ग बीयरङ्क44 पेटी एवं हंटर स्ट्रॉन्ग प्रीमियम बीयरङ्क03 पेटी कुल 150 पेटी/1800 लीटर अवैध शराब की कीमती लगभग 5,43,600/- रुपये, अवैध शराब के परिवहन में प्रयुक्त ट्रैक्टर-ट्राली कीमत लगभग 7,00,000/- रुपये एवं पायलेटिंग में प्रयुक्त ब्रेजा कार कीमत लगभग 10,00,000/- रुपये को नियमानुसार विधिवत जप्त कर पर थाना करही पर अपराध क्रमांक 140/26 धारा 34(2) आबकारी एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

गिरफ्तारशुदा आरोपी राजू निवासी ग्राम रिंजलाय गांधी नगर इंदौर ने फरार ब्रेजा कार चालक गोलू चंदेल नाम का व्यक्ति होना बताया है जिसकी गिरफ़्तारी के लिए भरसक प्रयास किए जा रहे है प्रकरण में शीघ्र ही फरार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

गिरफ्तारशुदा आरोपी का नाम- राजू पिता बालाराम कुशवाह, उम्र 26 वर्ष, निवासी ग्राम रिंजलाय गांधी नगर, इंदौर, जप्तशुदा मशरुका

माउंट बीयर -103 पेटी, बोल्ट सुपर स्ट्रॉन्ग बीयर -44 पेटी, हंटर स्ट्रॉन्ग प्रीमियम बीयर -03 पेटी कुल 150 पेटी/1800 लीटर अवैध शराब की कीमती लगभग 5,43,600/- रुपये

अवैध शराब के परिवहन में प्रयुक्त ट्रैक्टर-ट्राली कीमत लगभग 7,00,000/- रुपये

पायलेटिंग में प्रयुक्त ब्रेजा कार कीमत लगभग 10,00,000/- रुपये, पुलिस टीम उक्त कार्यवाही एसडीओपी बड़वाह श्रीमति अर्चना रावत के मार्गदर्शन व थाना प्रभारी करही निरीक्षक श्री राजेंद्र इंगले के नेतृत्व में सउनि कैलाश पाटीदार, प्रधान आरक्षक 521 जगन्नाथ पांडे, प्रधान आरक्षक 492 रकम सिंह चौहान, प्रधान आरक्षक 826 कैलाश अनारे, आरक्षक 78 मुकेश डुडवे, पायलट गोविंद गोड व थाना करही के अन्य पुलिस स्टाफ एवं साइबर सेल से आरक्षक अभिलाष डोंगरे व मगन अलावा का विशेष योगदान रहा।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

पुणे से हिंदू युवती को बहला फुसलाकर कर उज्जैन ले आया सरफराज

महाकाल की भस्म आरती कतार में पहचान उजागर होने पर लोगों ने पीट कर पुलिस के हवाले किया

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकालेश्वर मंदिर में भस्मारती के दर्शन के लिए लगी कतार में उस समय हंगामा खड़ा हो गया, जब एक युवक सरफराज नाम का युवक हिंदू युवती के साथ धार्मिक पहचान छुपाने के लिए माथे पर त्रिपुंड और रुद्राक्ष की माला पहन कर पहुंच गया। संदेह होने पर आधार कार्ड से उसकी पहचान उजागर हुई तो वहां मौजूद लोग भड़क गए और सरफराज की पिटाई कर दी। बाद में उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवक के माथे पर चंदन का त्रिपुंड और 'महाकाल' लिखा हुआ था, लेकिन आधार कार्ड देखने के बाद उसकी पहचान सरफराज शेख के रूप में हुई तो आक्रोशित लोगों ने उसे घेर लिया और उसके साथ मारपीट कर दी। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई और युवक को सुरक्षित बाहर निकाला। पूछताछ में जानकारी में यह बात सामने आई की सरफराज पुणे से एक हिंदू युवती को बहला फुसलाकर कर अपने साथ उज्जैन लाया था।

महाकाल थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पुणे के पिंपरी क्षेत्र निवासी 26 वर्षीय सरफराज शेख एक हिंदू युवती को बहला फुसला कर उज्जैन ले आया और उसके साथ महाकाल मंदिर में तड़के होने वाली भस्म आरती में पहुंच गया। दोनों मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात करीब 2 बजे चलित भस्मारती में शामिल होने के लिए कतार में खड़े थे। इसी दौरान वहां मौजूद कुछ लोगों को युवक पर संदेह हुआ और उससे पूछताछ शुरू कर दी गई।

आधार कार्ड देखते ही बदल गया माहौल- प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक युवक से पहचान संबंधी जानकारी मांगी गई। जब उसका आधार कार्ड देखा गया तो उसका नाम सरफराज शेख होने की जानकारी सामने आई। इसके बाद अचानक वहां मौजूद लोग भड़क गए और माहौल तनावपूर्ण हो गया। कुछ लोगों ने विरोध जताना शुरू कर दिया और देखते ही देखते विवाद बढ़ गया।

बताया जाता है कि इसी दौरान युवक के साथ धक्का-मुक्की और मारपीट की गई। मौके पर मौजूद लोगों ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया, जो बाद में सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया।

वीडियो वायरल होते ही सक्रिय हुई पुलिस- सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने स्थिति को संभाला। महाकाल थाना पुलिस युवक को सुरक्षित अपने साथ लेकर गई और उससे पूरे मामले की जानकारी ली। युवती से भी पूछताछ की गई।

शिकायत के आधार पर कार्रवाई करेंगे- महाकाल थाना प्रभारी गगन बादल ने बताया कि युवक को सुरक्षित स्थान पर लाकर उससे घटना के संबंध में पूछताछ की गई है। फिलहाल किसी भी पक्ष की ओर से कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। एहतियात के तौर पर युवक और युवती दोनों के परिजनों को उज्जैन बुलाया गया है। शिकायत मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

एकतरफा प्यार में नाबालिग के परिवार पर किया हमला

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शाजापुर का परिवार सालभर से पंवासा में रहकर मजदूरी कर रहा है। मंगलवार सुबह घासमंडी सराय मजदूरी की तलाश में पहुंचा था, उसी दौरान पंवासा के रहने वाले संदीप नामक युवक ने अपने 2 साथियों के साथ परिवार पर हमला कर दिया। घटनाक्रम में मजदूर परिवार का ईश्वर पिता मोतीलाल सिर में गंभीर चोंट लगने पर घायल हो गया। बीच-बचाव में पत्नी भूरीबाई आई तो संदीप ने दांतों से हाथ पर काट लिया और जान से मारने की धमकी देकर भाग निकला। मामले की खबर मिलने पर माधवनगर थाना पुलिस सराय पहुंची और घायल दंपति को अस्पताल पहुंचाया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद थाने लाया गया। जहां भूरीबाई ने बताया कि संदीप उनकी 14 साल की बेटी के पीछे पड़ा है। बेटी उसे बात करने से मना कर चुकी है, बावजूद आये दिन परेशान करता है। उसका कहना है कि प्यार करता है। सोमवार रात उसे समझाया था और पुलिस शिकायत करने की बात कहीं थी, लेकिन वह माफी मांगकर चला गया था। सुबह सराय में आकर हमला किया है। एएसआई मनोहर विश्वकर्मा ने बताया कि मामले में घायल ईश्वर की शिकायत पर मामला दर्ज कर संदीप को हिरासत में लिया गया है। उसके 2 साथियों की तलाश जारी है।

हत्या के बाद भाई की अर्थी को मुंडन कराकर कंधा देने पहुंचा था आरोपी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। हीरामिल की चाल में चाकू घोंप भाई का कत्ल करने वाला सिर मुंडवा कर घूम रहा था। 2 दिन बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। जिसे कोर्ट में पेश कर जेल भेजा गया है।

हीरामिल की चाल में रहने वाले मनीष टेटवा की 13 जून की रात चाकू घोंप छोटे भाई सागर उर्फ नाना पिता मोहनलाल ने कत्ल कर दिया था। घटना के बाद देवासगेट थाना पुलिस ने जांच शुरू की थी। इस पता चला कि मनीष अपनी मां से मछली बनाने और शराब लाने के लिये झगड़ा कर रहा था। सागर ने समझाने का प्रयास किया तो नशे में दोनों के बीच विवाद हो गया था। सागर ने चाकू सीने में घोंप दिया था और भाग निकला था। थाना प्रभारी नरेन्द्रसिंह परिहार ने बताया कि भाई का कत्ल करने वाले की तलाश में एसआई राधेश्याम आंवलिया, एएसआई रामेश्वर धानक, प्रधान आरक्षक सुमित सोनाने, मनीषसिंह, आरक्षक विनोद को अलर्ट किया गया। 2 दिन बाद खबर मिली कि आरोपी अपने घर हीरामिल की चाल आया हुआ है। तत्काल टीम ने सोमवार रात दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी सागर ने सिर मुंडवा लिया था। उससे पूछताछ करने पर सामने आया कि भाई का कत्ल करने के बाद उसने सिर मुंडवाया था, वह लाश को कांधा देने भी गया था, लेकिन पुलिस के डर से वापस लौट आया था। 2 दिनों तक शहर में छुपकर रहा। एसआई राधेश्याम आंवलिया ने बताया कि उससे हत्या में प्रयुक्त चाकू की बरामदगी के प्रयास किये गये। हत्या के बाद चाकू उसने हीरामिल की चाल स्थित हिरदेश्वर महादेव मंदिर के पास झाडियों में छुपा दिया था। जिसे बरामद कर मंगलवार दोपहर कोर्ट में पेश किया गया। जहां से न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया है।

50 वर्ष में 5000 भक्तों को कराए महाकाल दर्शन, पंडित मुस्तफा आरिफ का सम्मान करेगी महाकाल सेना

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर मंदिर में देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को निशुल्क दर्शन और भस्म आरती की सुविधा उपलब्ध कराने वाले आध्यात्मिक रचनाकार और वरिष्ठ पत्रकार पंडित मुस्तफा आरिफ का महाकाल सेना जल्द ही सम्मान करेगी। उन्होंने विगत 50 वर्षों की निस्वार्थ सेवा के दौरान 5000 श्रद्धालुओं को बाबा महाकाल के दर्शन कराने का ऐतिहासिक मुकाम हासिल किया है।

महाकाल सेना के प्रमुख महेश पुजारी ने बताया कि 1985 से शुरू हुई इस सेवा के तहत पिछले सोमवार को उदयपुर से आए श्रद्धालु अभिनंदन को दर्शन कराने के साथ ही 5000 भक्तों को दर्शन कराने का यह पुनीत अनुष्ठान पूरा हो गया। उज्जैन आने के इच्छुक श्रद्धालु जब उनसे संपर्क करते हैं, तो वे स्थानीय संपर्कों और मंदिर प्रशासन से जुड़े सेवकों के सहयोग से बिना किसी शुल्क के उनके दर्शन की व्यवस्था करवाते हैं। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर महाकाल सेना उनका अभिनंदन करेगी।

पंडित मुस्तफा आरिफ ने हाल ही में भगवद गीता पर आधारित गीता भारती की रचना की है, जिसमें उन्होंने गीता के 700 श्लोकों का 786 हिंदी मुक्तकों में रूपांतरण किया है। पिछले दिनों मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल स्थित निवास

उज्जैन स्टेशन पर कुलियों की कमाई पर ट्रॉली बैग का 'ब्रेक'

40 से घटकर रह गए 17 कुली- लिफ्ट, एस्केलेटर और आधुनिक लगेज सिस्टम से रोजी-रोटी पर संकट

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कभी उज्जैन रेलवे स्टेशन पर कुलियों की आवाजाही और यात्रियों की भीड़ के बीच उनका काम खूब चलता था। ट्रेन के पहुंचते ही कुली यात्रियों का सामान उठाने के लिए तैयार रहते थे, लेकिन बदलते समय और आधुनिक सुविधाओं ने अब उनकी जरूरत काफी हद तक कम कर दी है। स्थिति यह है कि स्टेशन पर जहां पहले करीब 40 कुली काम करते थे, वहीं अब केवल 17 कुली ही बचे हैं और उन्हें भी पर्याप्त काम नहीं मिल पा रहा है।

कुलियों का कहना है कि उनकी आय में सबसे बड़ी गिरावट ट्रॉली बैग के चलन से आई है। पहले यात्री भारी अटैची, बक्से और लोहे के ट्रंक लेकर सफर करते थे, जिन्हें प्लेटफॉर्म से बाहर ले जाने के लिए कुलियों की जरूरत पड़ती थी। अब अधिकांश लोग चक्कों वाले ट्रॉली बैग का उपयोग करते हैं, जिन्हें आसानी से खुद ही खींचकर ले जाया जा सकता है। इससे कुलियों पर निर्भरता लगातार घटती जा रही है।

कमाई आधी से भी कम रह गई- कुलियों के अनुसार कुछ वर्ष पहले तक एक कुली दिनभर में 1000 से 2000 रुपए तक कमा लेता था, लेकिन अब हालात ऐसे हैं कि पूरे दिन स्टेशन पर इंतजार करने के बाद भी 300 से 500 रुपए की कमाई मुश्किल से हो पाती है। इससे परिवार का खर्च चलाना चुनौती बन गया है। उज्जैन रेलवे स्टेशन पर अधिकांश ट्रेनें प्लेटफॉर्म नंबर-1 और 8 पर आती हैं। यहां से बाहर निकलने के लिए चार अलग-अलग रास्ते उपलब्ध हैं। प्लेटफॉर्म और निकास द्वार के बीच दूरी भी कम है। ऐसे में यात्री ट्रेन से उतरकर कुछ ही मिनटों में स्वयं अपना सामान लेकर स्टेशन से बाहर निकल जाते हैं। इस कारण कुलियों को काम मिलने की संभावना और कम हो गई है।

यात्री सुविधाओं ने बदली तस्वीर- रेलवे स्टेशन पर पिछले कुछ वर्षों में कई आधुनिक सुविधाएं विकसित की गई हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए लिफ्ट, एस्केलेटर, बेहतर फर्श, फुट ओवरब्रिज और अन्य व्यवस्थाएं शुरू हुई हैं। इन सुविधाओं से बुजुर्ग और महिला यात्रियों को राहत मिली है, लेकिन कुलियों के लिए यही सुविधाएं रोजगार में कमी का कारण बन गई हैं।

15 साल पुराने कुली का दर्द- पिछले 15 वर्षों से स्टेशन पर कुली का काम कर रहे पठान बताते हैं कि उन्होंने स्टेशन को बदलते हुए देखा है। उनके मुताबिक पहले यात्रियों की संख्या बढ़ने के साथ काम भी बढ़ता था, लेकिन अब तकनीक और सुविधाओं ने कुलियों की भूमिका सीमित कर दी है।

उन्होंने कहा, स्टेशन पर टाइल्स लग गई, लिफ्ट और एस्केलेटर आ गए। यात्रियों के लिए यह विकास है, लेकिन हमारे लिए रोजगार कम होने की वजह बन गया है। पहले दिनभर काम मिलता था, अब कई बार घंटों इंतजार करना पड़ता है। परिवार चलाना मुश्किल हो रहा है।

पारंपरिक पेशे पर तकनीक का असर- रेलवे स्टेशन पर कुलियों की घटती संख्या केवल उज्जैन की समस्या नहीं है, बल्कि देश के कई रेलवे स्टेशनों पर यही स्थिति देखने को मिल रही है। आधुनिक लगेज सिस्टम, ट्रॉली बैग और डिजिटल सुविधाओं के कारण यह पारंपरिक पेशा धीरे-धीरे सिमटता जा रहा है। ऐसे में स्टेशन पर वर्षों से सेवा दे रहे कुली भविष्य को लेकर चिंतित नजर आ रहे हैं।

शिप्रा के घाटों पर भीड़ के बीच अलर्ट एसडीआरएफ और होमगार्ड के जवान

अमावस्या स्नान के बाद भी 35 जवानों की 24 घंटे ड्यूटी - लगातार हो रही डूबने की घटनाएं

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मानसून का मौसम आ गया है फिर भी भीषण गर्मी पड़ रही है। ऐसे में शिप्रा नदी में बाहर से आने वाले श्रध्दालुओं के अलावा शहर के तैराक भी घाटों पर तैराकी करने पहुंच रहे हैं। गहरे पानी में डूबने से कोई हादसा न हो, इसे रोकने के लिए घाटों पर एसडीआरएफ और होमगार्ड के 35 एक्सपर्ट जवानों को लगाया गया है। इनमें तैराक, नाविक भी शामिल है। अमावस्या के बाद भी नदी में डूबने की घटनाएं हो रही है।

गौरतलब है कि भूखी माता मंदिर से लेकर छोटे पुल तक शिप्रा के घाटों पर रोजाना हजारों श्रृध्दालु स्नान के लिए आते हैं। स्नान पर्वो पर यह संख्या लाखों तक पहुंच जाती है। वहीं गर्मी के दिनों में भी बाहर के लोगों के साथ साथ स्थानीय खिलाड़ी भी तैराकी सीखने के लिए शिप्रा नदी के रामघाट सहित अन्य घाटों पर सुबह से शाम पहुंचते हैं और भीड़ लगी रहती है। हालांकि नदी में लोगों की सुरक्षा के लिए होमगार्ड और एसडीआरएफ के जवानों की 3 शिफ्टों में ड्यूटी लगाई जाती है।

प्रमुख त्यौहारों तथा स्नान पर्वो के दौरान भूखी माता घाट से लेकर छोटे पुल तक शिप्रा नदी के दोनों किनारे घाटों पर स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए तीन शिफ्टों में होमगार्ड और एसडीआरएफ के जवान लगाए जाते हैं। इस बार गर्मी को देखते हुए बढ़ती भीड़ के कारण विभाग ने एक शिफ्ट में 5 होमगार्ड के जवानों के साथ एसडीआरएफ के प्रशिक्षण प्राप्त जवानों की और ड्यूटी शुरू कर दी है। जिला होमगार्ड कमांडेड संतोष कुमार जाट ने बताया कि तीनों शिफ्ट में होमगार्ड के 15 जवानों के अलावा एसडीआरएफ के 18 जवान कुल मिलाकर 33 जवानों की तैनाती की जा रही है। इसके अलावा पुणे और कलकत्ता से ट्रेनिंग लेकर आए होमगार्ड और एसडीआरएफ के जवानों को भी तैनात किया गया है। इनमें गौताखोर, तैराक और नाविक के अलावा निगरानी दल भी शामिल है। बता दें कि भूखीमाता घाट से लेकर छोटे पुल तक शिप्रा के घाटों की दोनों साइड की लंबाई कुल मिलाकर करीब 16 किमी है। इस दायरे में भूखी माता घाट, कर्कराज मंदिर क्षेत्र, नृसिंह घाट, सिद्धाश्रम घाट, गुरुनानक घाट, दत्त अखाड़ा घाट, सोमतीर्थ कुंड और रामघाट, संत रविदास घाट, गंगा घाट शामिल हैं। इन घाटों पर प्रतिदिन औसतन 3 हजार से ज्यादा श्रद्धालु स्नान करने पहुंचते हैं। पूर्व में कई बार इन घाटों पर सुरक्षाकर्मियों की कमी के कारण लोगों की नदी में डूबने से मौतें भी हुई है।

रंग बदलकर चला रहे थे चोरी का टैंकर, तीन गिरफ्तार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम पंचायत समुदायिक भवन के सामने से चोरी हुआ ट्रेक्टर-टैंकर एक माह बाद पुलिस ने बरामद कर लिया। रिश्तेदारी में आये पिता-पुत्र ने भांनेज के साथ मिलकर चोरी किया था और रंग बदलकर उपयोग कर रहे थे। तीनों को न्यायालय में पेश किया जायेगा।

भाटपचलाना थाना प्रभारी सत्येन्द्रसिंह चौधरी ने बताया कि 15 मई को ग्राम सिलोदिया पंचायत सचिव चित्रागंद शर्मा ने शिकायत दर्ज कराई थी कि सिलोदिया पंचायत के ग्राम मुंगावदी से राज्य शासन द्वारा एक पानी का टेंकर दिया था जो ग्राम के सामुदायिक भवन के पास खड़ा था, रात में कोई अज्ञात व्यक्ति चुराकर ले गया है। मामले में जांच शुरू की गई। कैमरे नहीं होने पर सुराग लगा पाना मुश्किल हो रहा था। बावजूद एएसआई शैतानसिंह डिंडोर, प्रधान आरक्षक गिरधारी कनेल, हरिगोविंद सिंह, शैलेन्द्रसिंह सिसौदिया, आरक्षक अशोक चौहान की टीम बनाई और पड़ताल शुरू की गई। गांव में पूछताछ करने पर सामने आया कि चोरी वाली रात 3 लोग ट्रेक्टर से रिश्तेदारी में आये थे। इसके अलावा कोई संदिग्ध नहीं दिखाई दिया था।

गांव में आये 3 लोगों का पता लगाया तो सामने आया कि नागदा के देवडुंगरी का रहने वाला सुरेश पिता थावरसिंह गुर्जर अपने पुत्र ईश्वरसिंह और भानेज बबलू पिता जीवनसिंह गुर्जर ग्राम सरवाना उन्हेल के साथ आया था।

सुरेशसिंह का साडू गांव में रहता है। शंका के आधार पर एक टीम नागदा देवडुंगरी रवाना की गई और गांव वालों से पूछताछ शुरू की गई। तभी सामने आया कि सुरेश एक टेंकर लेकर आया था, जिसका रंग बदला गया है। इसी आधार पर सुरेश को हिरासत में लिया गया और पूछताछ की गई तो उसने पुत्र और भानेज के साथ चोरी करना कबूल कर लिया। मंगलवार को उनकी निशानदेही पर रंग बदला टैंकर और चोरी में प्रयुक्त ट्रेक्टर बरामद कर लिया गया है। तीनों से पूछताछ जारी है, बरामद टैंकर की कीमत 2 लाख और चोरी में प्रयुक्त ट्रेक्टर 6 लाख कीमत का है।

बोवनी के लिए किसानों को बारिश का इंतजार

17 जून के बाद भी खेतों में नमी लायक वर्षा नहीं हो सकी - रात का तापमान अभी भी 27 डिग्री पर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पिछले वर्ष 2 जून से शहर में बारिश शुरु हो गई थी और 15 जून तक किसानों ने जिले में लगभग 50 प्रतिशत से अधिक बोवनी कर दी थी। परंतु इस बार अभी तक खेतों में नमी लायक बारिश भी नहीं हुई है। गर्मी के कारण न्यूनतम तापमान अभी भी 27 डिग्री से ऊपर बना हुआ है।

जिले के किसान इन दिनों बोवनी की तैयारी पूरी कर आसमान की ओर टकटकी लगाए हुए हैं। जून का आधा महीना बीतने के बाद भी जिले में ऐसी बारिश नहीं हुई है, जिससे खेतों में पर्याप्त नमी आ सके और खरीफ फसलों की बोवनी शुरू की जा सके। बारिश में देरी के कारण किसानों की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है, वहीं गर्मी का असर भी अभी कम नहीं हुआ है। रात का न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस से ऊपर बना हुआ है, जिससे उमस और गर्मी दोनों से लोग परेशान हैं। पिछले साल की तुलना में इस बार मानसून की रफ्तार काफी धीमी नजर आ रही है। वर्ष 2025 में जिले में 2 जून से ही बारिश का सिलसिला शुरू हो गया था और 15 जून तक किसानों ने सोयाबीन, मक्का और अन्य खरीफ फसलों की लगभग 50 प्रतिशत से अधिक बोवनी पूरी कर ली थी।

खेतों में पर्याप्त नमी होने से किसानों को समय पर खेती कार्य शुरू करने में आसानी हुई थी। इसके विपरीत इस वर्ष 17 जून के बाद भी जिले में केवल छिटपुट बूंदाबांदी ही हुई है। अधिकांश क्षेत्रों में ऐसी बारिश नहीं हुई, जिससे जमीन में नमी पहुंच सके। यही कारण है कि किसान अभी बीज और खाद की व्यवस्था करने के बावजूद बोवनी शुरू नहीं कर पाए हैं। कई किसानों का कहना है कि यदि अगले कुछ दिनों में अच्छी बारिश नहीं हुई तो बोवनी का समय प्रभावित होने से उत्पादन पर भी असर पड़ सकता है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार खरीफ फसलों की अच्छी पैदावार के लिए समय पर बारिश और पर्याप्त नमी जरूरी होती है।

फिलहाल किसान मानसून के सक्रिय होने का इंतजार कर रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में मानसूनी गतिविधियां तेज होने की संभावना है, जिससे जिले में अच्छी बारिश होने की उम्मीद जताई जा रही है। बारिश में हो रही देरी के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में चिंता का माहौल है। किसान रोजाना मौसम के बदलते मिजाज पर नजर बनाए हुए हैं और उम्मीद कर रहे हैं कि जल्द ही अच्छी बारिश होगी, ताकि खेतों में बोवनी का काम शुरू किया जा सके।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने डेलनपुर बालाजी के दर्शन कर पूजन-अर्चन किया

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार को कर्नाटक के राज्यपाल श्री थावरचंद गहलोत के साथ डेलनपुर, नागदा स्थित बालाजी हनुमान के नवनिर्मित मंदिर के कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर राज्यपाल श्री थावरचंद गहलोत व उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का स्वागत-अभिनंदन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भगवान बालाजी हनुमान के दर्शन कर पूजन-अर्चन किया और कलश आरोहण व ध्वजारोहण कार्यक्रम में सहभागिता की।

इस अवसर पर राज्यपाल श्री थावरचंद गहलोत ने कहा कि हमारी संस्कृति, हमारी सभ्यता और सनातन की परंपरा विश्व शांति का आधार है। इसके लिए हमें सनातन को मजबूत करना होगा। आज विश्व में जो अशांति फैली है, उसके लिए हमें चाहिए कि हम सनातन की शिक्षाओं से व्यापक रूप से लोगों को अवगत कराएं और सनातन को मजबूत करें। इससे लोगों में वसुधैव कुटुम्बकम् की अवधारणा पल्लवित हो। डेलनपुर बालाजी धाम में श्री राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में राज्यपाल श्री गहलोत ने उपस्थित जनसमूह को सनातन धर्म को मजबूत करने की अपील की।

प्राचीन बालाजी हनुमान मंदिर के नवनिर्माण और राम दरबार प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में सम्मिलित होकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि विश्व में हमारी सभ्यता, समाज और हमारी संस्कृति अद्भुत है। इसकी परिकल्पना भी दूसरे देश के लोग नहीं कर सकते हैं। राम परिवार और राम राज्य की अवधारणा आज भी हम सबके लिए आदर्श का केंद्र रही है। आज से 17 लाख साल पहले राम जी का शासनकाल रहा है, उस शासनकाल की अवधारणा को आज भी आदर्श रूप में स्थापित किया जाता है। भगवान श्री कृष्ण 5 हजार साल से हमें ज्ञान प्रदान कर रहे हैं।

कर्ज और तनाव से परेशान दो लोगों ने लगाई फांसी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कर्ज से परेशान और तनाव में चल रहे दो लोगों ने रात में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। एक मैकेनिक था और दूसरा मजदूरी करता था। पुलिस ने दोनों के पोस्टमार्टम कराए हैं परिजनों के बयान दर्ज किए जाएंगे।

आज सुबह अंबर कॉलोनी में रहने वाला विनीत कटारिया अपने पिता आकाश पिता मांगीलाल कटारिया के कमरे में पहुंचा तो उसने साड़ी के फंदे पर लटका देखा। शोर मचाकर चाचा लोकेश को बुलाया और फंदे से उतर कर चरक अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर नीलगंगा पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया।

भाई विशाल ने बताया कि आकाश मजदूरी करता था उसके दो बेटे हैं। पत्नी 2 साल से अलग रहकर इंदौर में नौकरी कर रही है। आकाश पर कर्ज अधिक हो गया था संभवत इसी के चलते उसने फांसी लगाई है पुलिस के अनुसार मामले की जांच की जा रही है परिजनों के बयान दर्ज किए जाएंगे। दूसरी आत्महत्या का मामला चिमनगंज थाना क्षेत्र की अलाउंस सिटी का है। यहां रहने वाला सत्यनारायण पिता मुकेश पाटीदार मूल रूप से मंदसौर का रहने वाला था और महिंद्रा शोरूम पर मैकेनिक का काम करता था। सुबह शोरूम जाने का बोलकर निकला था लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। भाई और पिता उसकी तलाश में निकले। सत्यनारायण कई बार कॉलोनी में ही रहने वाले दोस्त के यहां रुक जाता था।

पिता भाई दोस्त के घर पहुंचे तो दरवाजा अंदर से बंद था नहीं खुलने पर उन्होंने खिड़की से देखा तो सत्यनारायण फंदे पर लटका दिखाई दिया। पिता ने पुलिस को सूचना दी। जांच के दौरान सामने आया कि दोस्त बाहर गया हुआ है चाबी सत्यनारायण को दे गया था। बताया जा रहा है कि सत्यनारायण कुछ दिनों से तनाव में चल रहा था। पत्नी पूजा और बेटा घर लौटने इंतजार कर रहे थे।

उज्जैन में 192 बसों का अप्रूवल सर्टिफिकेट बिना ही हो गया रजिस्ट्रेशन

उज्जैन आरटीओ समेत प्रदेश के अन्य परिवहन कार्यालयों का मामला भोपाल पहुंचा- अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेशभर में बसों के पंजीयन को लेकर बड़ा अनियमितता मामला सामने आया है। आरोप है कि टाइप अप्रूवल सर्टिफिकेट (टीएसी) के बिना ही 2440 नई बसों का रजिस्ट्रेशन कर दिया गया। इनमें उज्जैन आरटीओ में दर्ज 192 बसें भी शामिल हैं। मामला अब राजधानी भोपाल तक पहुंच गया है और इसकी जांच शुरू हो गई है।

मध्यप्रदेश बस ऑनर्स एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री, परिवहन मंत्री, मुख्य सचिव, परिवहन सचिव और परिवहन आयुक्त को पत्र लिखकर पूरे मामले की जांच तथा जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है। एसोसिएशन का कहना है कि बस मालिकों को तकनीकी नियमों की पूरी जानकारी नहीं होती, इसलिए यदि किसी स्तर पर नियमों का उल्लंघन हुआ है तो इसके लिए सीधे बस संचालकों को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता।

एसोसिएशन के महामंत्री जय कुमार जैन ने आरोप लगाया है कि जिन परिवहन अधिकारियों की जिम्मेदारी नियमों का पालन सुनिश्चित करने की थी, उन्होंने ही 1 सितंबर 2025 से लागू प्रावधानों की अनदेखी की। इससे बस डीलरों और वाहन संचालकों को अनुचित लाभ पहुंचाने का रास्ता खुला। संगठन ने इसे पद के दुरुपयोग का मामला बताते हुए संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। इधर परिवहन आयुक्त उमेश जोगा ने भी अपने पत्र में इन पंजीयनों को नियमों के विपरीत माना है। उन्होंने सभी जिला परिवहन अधिकारियों से 15 दिन के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने और आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इसके बाद मामला और गरमा गया है।

प्रदेश में 2440 बसों के पंजीयन पर सवाल- आयुक्त के पत्र के अनुसार, 1 सितंबर 2025 के बाद प्रदेश के 52 परिवहन कार्यालयों में कुल 2440 बसों का पंजीयन नियमों की अनदेखी कर किया गया। इनमें 1487 यात्री बसें, 745 शैक्षणिक संस्थानों की बसें, 141 स्कूल बसें और 67 निजी सेवा वाहन शामिल हैं। सबसे अधिक 387 बसों का पंजीयन इंदौर में हुआ, जबकि नीमच में 247, देवास में 220 और उज्जैन में 192 बसों के पंजीयन को नियम विरुद्ध बताया गया है।

जांच के बाद तय होगी जिम्मेदारी- अब सभी जिलों से रिपोर्ट मिलने के बाद यह स्पष्ट होगा कि नियमों की अनदेखी किस स्तर पर हुई और इसके लिए कौन जिम्मेदार है। परिवहन विभाग की जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।